दैनिक

राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत उत्तर भारत विशेष कर मालवा जोन ( हरियाणा ) का एकमात्र दैनिक समाचारपत्र

DAILY BHARAT DESH HAMARA KARNAL

# भारत देश हमारा

करनाल

Postal Regd. No. PKL-235/2024-26

www.bharatdeshhamara.com, E-mail chardikla.hr@gmail.com,Add: bdhkarnal@gmail.com

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी   संपादक - डा.के.के.संधू   प्रबन्ध संपादक: सुरेन्द्र सिंह छत्तवाल

PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227   वर्ष 8   अंक 118   बुधवार 30 अप्रैल, 2025   Wednesday 30 April , 2025   मूल्य 2/- रूपए , कुल पृष्ठ 12   मोब :9416406615,7404278000,9215537704

## पत्नी का गला घोंटा और फिर आरोपी पति चला गया काम पर

पटना 29 अप्रैल (निस) : राजधानी पटना के गांधी मैदान थाना क्षेत्र के सालिमपुर अहरा इलाके में मंगलवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बताया जाता है कि आरोपी ने 12 साल पहले लव मैरिज किया था, और घरेलू विवाद के बाद उसने अपनी पत्नी प्रिया देवी की गला घोंटकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पति ( शेष पृष्ठ दो पर )

# पीएम मोदी ने की हाई लेवल मीटिंग : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, अजीत डोभाल के साथ तीनों सेनाओं के प्रमुख भी रहे मौजूद

## पीएम मोदी ने सेना को दी पूरी छूट, कहा- आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा संकल्प

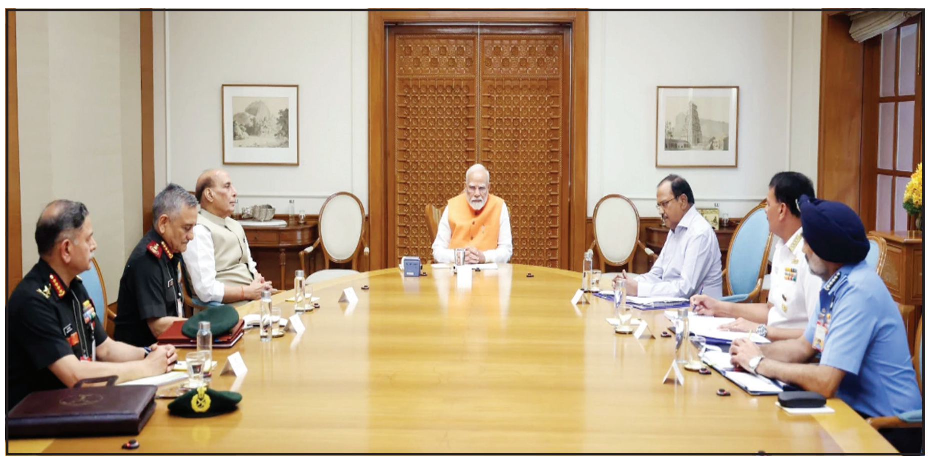

नई दिल्ली 29 अप्रैल (निस) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने के लिए सभी शीर्ष अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की, जिसमें 22 अप्रैल को 26 पर्यटक मारे गए थे। उच्च स्तरीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, एनएसए, सीडीएस और सभी सशस्त्र बलों के प्रमुख मौजूद हैं। इससे पहले दिन में राष्ट्रीय राजधानी में गृह मंत्रालय में एक और उच्च स्तरीय बैठक हुई। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, सीमा सुरक्षा बल, असम राइफल्स और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के महानिदेशक और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

**पीएम मोदी ने सेना को दी पूरी छूट, कहा- आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प** - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। बताया जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने के लिए सभी शीर्ष अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक के बाद एक अधिकारी ने बताया कि उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। प्रधानमंत्री मोदी ने सुरक्षा बैठक में कहा कि सशस्त्र बलों को भारत की प्रतिक्रिया का तरीका, लक्ष्य और समय तय करने की पूरी छूट है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सशस्त्र बलों को भारत की प्रतिक्रिया का तरीका, लक्ष्य और समय निर्धारित करने की पूरी परिचालन ( शेष पृष्ठ दो पर )

# प्रदेश सरकार सिख गुरुओं की शिक्षाओं को प्रचारित व प्रसारित करने का कर रही है काम : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 29 अप्रैल (के.के संधू) : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिख समाज को आगे बढ़ाने का काम किया है। हरियाणा सरकार भी उन्हीं का अनुसरण करते हुए सिख समाज की भलाई के लिए अनेक कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार सिख गुरुओं की शिक्षाओं को प्रचारित व प्रसारित करने का काम कर रही है और सिख समाज के इतिहास को संजो कर रखने का भी काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज अपने निवास स्थान संत कबीर कुटीर में सिख समाज के लोगों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में विकास की राह पर तीव्र गति से बढ़ रहा है। इसी तरह से हरियाणा में भी विकास की गति का पहिया तेजी से घूम रहा है। इस विकास को और अधिक गति देने के लिए हम सभी ने मिलकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र व हरियाणा की सरकार किसानों की सच्ची हितैषी हैं। इसी का साक्ष्य है कि हरियाणा में किसानों की सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद की जा रही है और पिछले साढ़े दस सालों में किसानों को फसलों के खराबे को लेकर सरकार 14500 करोड़ रुपये दे चुकी है, जबकि वर्ष 2014 से पहले कांग्रेस की सरकार में किसानों को फसल खराबे के तौर पर महज 1155 करोड़ रुपये दिए गए थे। उन्होंने कहा कि यमुनानगर में बन रहे मेडिकल कॉलेज का नाम श्री गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर रखा गया है। इसी तरह से बाबा बंदा सिंह बहादुर जी के नाम से लोहगढ़ में म्यूजियम बनाने ( शेष पृष्ठ दो पर )

## पंजाब में पाकिस्तानी महिला अचानक गायब, पुलिस को नहीं जानकारी कहां गई

गुरदासपुर 29 अप्रैल (निस) पंजाब के गुरदासपुर से पाकिस्तानी महिला अचानक गायब हुई है। वह 6 महीने की गर्भवती भी है। शादी के बाद उसका पहला बच्चा होना है। हालांकि आतंकी हमले के बाद भारत सरकार के वीजा रद्द करने पर पंजाब पुलिस ने महिला को पाकिस्तान जाने को कहा था। इतना ही नहीं पुलिस ने पाकिस्तान न लौटने पर गिरफ्तार करने की चेतावनी दी गई थी। हालांकि, महिला ने भारत सरकार के गृह मंत्रालय से अपील की थी कि उसका लॉन्ग टर्म वीजा (एलटीवी) मंजूर कर मुझे ( शेष पृष्ठ दो पर )

# पंजाब की वंशिका की कनाडा में मौत, पांच दिन पहले ही नौकरी के लिए गयी थी

डेराबस्सी 29 अप्रैल (निस) कनाड़ा के ओटावा शहर में डेराबस्सी की 21 वर्षीय वंशिका की रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत हो गई। लापता वंशिका का शव कॉलेज के पास एक बीच के निकट दो दिन बाद मिला है। मौत का कारण पता नहीं चला है। डेराबस्सी के दविंदर सैनी की इकलौती बेटी वंशिका परिवार में भाई से बड़ी थी। दविंदर सैनी डेरा बस्सी विधायक कुलजीत सिंह रंधावा के करीबी सहयोगियों में से एक हैं। मिली जानकारी के अनुसार, वंशिका यहां से 12वीं नॉन मेडिकल करके दो वर्ष पहले कनाडा गई थी जहां दो वर्ष मेडिकल की पढ़ाई पूरी कर हाल ही में नौकरी लगी थी। 25 अप्रैल को हुई थी बातचीत- पिता दविंदर सैनी के अनुसार 25 अप्रैल को बेटी के साथ अंतिम बात हुई थी। बातचीत में वह सामान्य थी परंतु अगले दिन रूम पार्टनर का फोन आया कि वंशिका कमरे में वापस नहीं लौटी है और सेल फोन भी स्विच ऑफ आ रहा है। दो दिन बाद वंशिका का शव मिला। वंशिका शुक्रवार रात नौ बजे बस पकड़कर बिना कॉलेज के लिए निकली थी और उसी रात फोन बंद हो गया। पुलिस को सेल फोन बरामद नहीं हुआ है। शव को स्थानीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर पुलिस ने पड़ताल शुरू कर दी है। 25 तारीख को काम पर गई थी वंशिका-25 तारीख को उसकी आईईएलटीएस परीक्षा थी, जिसके लिए ( शेष पृष्ठ दो पर )

# ओवैसी ने बिलावल को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली 29 अप्रैल (निस) असदुद्दीन ओवैसी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर लगातार पाकिस्तान को लताड़ रहे हैं। सोमवार को उन्होंने पाकिस्तान के राजनेता बिलावल भुट्टो जरदारी पर जोरदार पलटवार किया। पाकिस्तान के राजनेता बिलावल भुट्टो जरदारी की खून बहेगा वाली टिप्पणी पर जोरदार हमला करते हुए प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता को याद रखना चाहिए कि उनकी मां और पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो और उनके दादा पूर्व राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो को किसने मारा था।

**पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत**--बता दें कि बिलावल भुट्टो 2023 तक पाकिस्तान के विदेश मंत्री रहे और सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा बने हुए हैं। उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। इस आतंकी हमले में 25 पर्यटक और एक कश्मीरी मारे गए थे। बिलावल भुट्टो ने क्या कहा था?- शुक्रवार को एक रैली में बिलावल भुट्टो ने कहा था कि सिंधु हमारी है और हमारी ही रहेगी... या तो हमारा पानी इसमें बहेगा या उनका खून। बिलावल भुट्टो की इस टिप्पणी पर भारत में कई ( शेष पृष्ठ दो पर )

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चण्डीगढ़ स्थित आवास संत कबीर कुटीर पर भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए। साथ में हैं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली।

# दो दिवसीय दौरे पर राहुल गांधी पहुंचे रायबरेली, 'दिशा' बैठक में की समीक्षा

नई दिल्ली 29 अप्रैल (निस) :कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे हैं। दौरे के दौरान पहले दिन उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं की समीक्षा की। कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन में हुई जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक में वह बतौर सभापति शामिल हुए, जहां विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। राहुल गांधी की मौजूदगी में हुई इस बैठक में पिछली बैठक में उठाए गए मुद्दों पर चर्चा की गई और संबंधित विभागों से प्रगति रिपोर्ट मांगी गई। पिछली बैठक में जिन मामलों पर कार्य नहीं हुआ था, उन्हें लेकर राहुल गांधी ने अधिकारियों से जवाब-तलब किया। उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की और जमीनी हकीकत जानने पर जोर दिया। राहुल गांधी के साथ अमेठी से सांसद केएल ( शेष पृष्ठ दो पर )

## पहलगाम हमले को सरकारी साजिश बताने वाले असम के विधायक गिरफ्तार

गुवाहाटी 29 अप्रैल (निस) : पहलगाम के हमले के बाद देश सियासी हलचल तेज हुई है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। सियासत की इस चपेट में असम के धिंग से विधायक हाजी अमीनुल इस्लाम आ गए। 23 अप्रैल को दिए गए उनके बयान ने न केवल राज्य में हलचल मचा दी, बल्कि केंद्र और राज्य सरकार को सख्त कार्रवाई के लिए भी मजबूर कर दिया। उनके दिए बयान के बाद असम पुलिस ने गिरफ्तार किया है।पुलवामा हमले की तरह ही, अमीनुल इस्लाम ने पहलगाम कांड को भी सरकारी साजिश बताया था कि केंद्र सरकार बार-बार ऐसी घटनाओं को अंजाम देकर हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण की राजनीति करती है। नगांव में प्रचार के दौरान उनके 2 मिनट 45 सेकंड के बयान में उन्होंने कहा था कि अगर केंद्र सरकार पहलगाम मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कराती तो हम मानेंगे कि ये मोदी-शाह की साजिश थी। इस बयान के बाद 24 अप्रैल को असम पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा ( शेष पृष्ठ दो पर )

# भारत को हर प्रौद्योगिकी में सर्वश्रेष्ठ बनाने की दिशा में हो रहा काम - पीएम मोदी

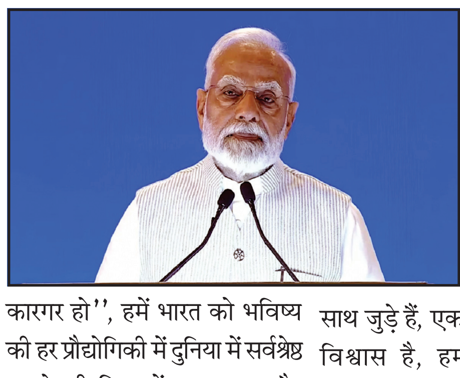

नई दिल्ली 29 अप्रैल (निस) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में YUGM कॉन्क्लेव को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रणाली देश के भविष्य के लिए युवाओं को तैयार करने में अहम भूमिका निभाती है, हम इस प्रणाली का आधुनिकीकरण कर रहे हैं। अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) पर 2013-14 में सकल व्यय 60,000 करोड़ रुपये था, हमने इसे सवा लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा लक्ष्य है कि ''एआई भारत के लिए कारगर हो'', हमें भारत को भविष्य की हर प्रौद्योगिकी में दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाने की दिशा में काम करना है। मोदी ने कहा कि आज यहां सरकार, एकेडमी, साइंस और रिसर्च से जुड़े भिन्न भिन्न क्षेत्र के लोग इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित हैं। इस एकजुटता को ही युग्म कहते हैं। एक ऐसा युग्म जिसमें विकसित भारत के फ्यूचर टेक से जुड़े स्टेकहोल्डर्स एक साथ जुड़े हैं, एक साथ जुटे हैं। मुझे विश्वास है, हम जो भारत की इनोवेशन कैपेसिटी और डीप टेक में भारत की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, उसे इस आयोजन से बल मिलेगा। ( शेष पृष्ठ दो पर )

# एनआईए की जांच में खुलासा : आतंकी पहले से ही वहां एक फूड स्टॉल के पास बैठे थे,दो दिन पहले होना था हमला

## जिपलाइन आप्रेटर को फिर जांच के लिए बुलाया,केन्द्रीय केबिनेट की अहम बैठक आज होगी

नई दिल्ली 29 अप्रैल (निस) पहलगाम आतंकी हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने तेज कर दी है। जांच में सामने आया हैं कि पहलगाम में मासूम पर्यटकों को गोलियों से भून देने वाले आतंकी पहले से ही वहां एक फूड स्टॉल के पास बैठे थे। मौके पर मौजूद लोगों ने जांच एजेंसी को बताया है कि दो आतंकी बैसरन घाटी में उस फूड स्टॉल के करीब बैठे हुए थे, जहां उन्होंने घटना को अंजाम दिया। करीब दो से तीन मिनट में ही आतंकियों ने धर्म पूछकर 4 लोगों को मार डाला। इसके बाद फिर कुछ और आतंकी पास की ही पहाड़ी से पहुंचे और अंधाधुंध गोलियां चलाईं। इसमें से एक स्थानीय आदिल था, जो घोड़ा चलाता था। एनआईए की जांच में सामने आया कि यह आतंकी हमला दो दिन पहले ही होना था। लेकिन खराब मौसम के कारण योजना को टाल दिया गया। हत्याकांड के दौरान आतंकियों ने कई हिंदुओं से कलमा पढ़वाया और उनकी पैंट उतरवा कर चेक किया कि उनका खतना हुआ है या नहीं। इसके बाद आंतकियों ने बेहद करीब से ही सिर में गोली मार दी गई। सिर में ही गोली इसलिए मारी गई ताकि तय हो सके कि वे मर गए हैं या नहीं। सूत्रों के अनुसार आतंकियों ने अप्रैल के पहले सप्ताह में ही इलाके की रेकी की थी। फिलहाल एनआईए की टीम स्थानीय लोगों से यह जानने का प्रयास कर रही है कि क्या बीते कुछ दिनों में उन्होंने कोई संदिग्ध गतिविधि देखी थी। इसके अलावा होटलों के सीसीटीवी कैमरों की भी पड़ताल हो रही है। लोगों का कहना है कि हमले वाले दिन बैसरन घाटी में लोकल और बाहरी लोगों को मिलाकर 5000 लोग थे। शायद इसलिए वहीं दिन आतंकियों को हमले के लिए मुफीद लगा था।

**ज़िपलाइन ऑपरेटर को एनआईए ने फिर किया तलब- सूत्र**

पहलगाम में एक पर्यटक द्वारा शूट किया गया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें आतंकवादी हमले के कुछ क्षण दिखाए गए हैं। इस वीडियो में एक शख्स खुद को जिपलाइनिंग करते हुए और जिपलाइन ऑपरेटर को तीन बार अल्लाहु अकबर कहते हुए दिखाया गया है। वीडियो में अल्लाहु अकबर चिल्लाते ( शेष पृष्ठ दो पर )

# पंजाब अपने फैसले पर दृढ़-मुख्यमंत्री द्वारा अतिरिक्त पानी छोड़ने से स्पष्ट इनकार, हरियाणा ने अपना कोटा पहले ही पूरा किया

## हम पंजाब के पानी पर भाजपा को अपने नापाक इरादों में सफल नहीं होने देंगे- मुख्यमंत्री

चंडीगढ़, 29 अप्रैल (निस) :मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि भारतीय जनता पार्टी पंजाब पर हरियाणा को अतिरिक्त पानी छोड़ने के लिए दबाव बनाने की कोशिश कर रही है, लेकिन वे भगवा पार्टी को राज्य के खिलाफ अपने नापाक इरादों में सफल नहीं होने देंगे। एक बयान में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि हरियाणा और राजस्थान को हर साल 21 मई से 21 मई तक राज्य के पानी में से हिस्सा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने इस साल मार्च महीने में अपने हिस्से का सारा पानी इस्तेमाल कर लिया है, जिस कारण वे अब पंजाब के पानी पर डाका मारकर कुछ और पानी हड़पने की कोशिश कर रहे हैं। आंकड़ों का हवाला देते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि अब तक हरियाणा अपने निर्धारित पानी का 103 प्रतिशत पानी इस्तेमाल कर चुका है और अब भाजपा पंजाब पर हरियाणा को और पानी छोड़ने के लिए दबाव डाल रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से भाजपा इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बी.बी.एम.बी.) का गैर-कानूनी उपयोग कर रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनके पहले के राजनेता भाजपा में अपने आकाओं को खुश करने के लिए ऐसी दयालुता दिखाते थे, लेकिन राज्य के पानी के रखवाले होने के नाते वे इसमें कभी भी पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब ने अपनी नहरों की पानी व्यवस्था को अपग्रेड किया है, जिस कारण अब आने वाले धान के सीजन के मद्देनजर राज्य के किसानों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पानी की जरूरत है।मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि पंजाब के पास दूसरे राज्यों के साथ साझा करने के लिए एक बूंद भी पानी नहीं है। ( शेष पृष्ठ दो पर )

## पृष्ठ एक का शेष...

### प्रदेश सरकार सिख गुरुओं की शिक्षाओं को प्रचारित व प्रसारित ...

का काम जल्द शुरू हो जाएगा और वहीं लोहगढ़ में मार्शल आर्ट स्कूल का निर्माण करवाया जाएगा। इसी तरह से नाडा साहिब से पोंटा साहिब सड़क का नाम श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के नाम से रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने कुरुक्षेत्र में सिख म्यूजियम बनाने के लिए जमीन चिन्हित कर ली है। इस म्यूजियम में सिख इतिहास से जुड़ी धरोहर संरक्षित की जाएंगी, जिससे युवाओं को इतिहास की जानकारी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने सिख समाज के लोगों को आश्वासन दिया कि आपके द्वारा रखी गई मांगों को संबंधित विभागों को भेजकर समाधान कराया जाएगा। इस अवसर पर करनाल के विधायक जगमोहन आनंद और सरदार त्रिलोचन सिंह सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

### पीएम मोदी ने की हाई लेवल मीटिंग : रक्षामंत्री राजनाथ ...

स्वतंत्रता है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूर्ण विश्वास और भरोसा जताया। यह ऐसे समय में हुआ है जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी। इस बीच, पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर गहन आतंकवाद विरोधी अभियान चल रहे हैं, मामले से परिचित सूत्रों ने एएनआई को बताया। सूत्रों के अनुसार, चल रहे अभियानों की संवेदनशील प्रकृति के कारण इस स्तर पर कोई विशेष अपडेट साझा नहीं किया जा रहा है। सोमवार को, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने और आतंकी गतिविधियों से जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए डोडा जिले में 13 स्थानों पर छापेमारी की। दूसरी ओर केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की जिसमें तीन अर्धसैनिक बलों के प्रमुखों और दो अन्य सुरक्षा संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिरकत की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह बैठक जम्मू-कश्मीर में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद उत्पन्न तनावपूर्ण माहौल के बीच आयोजित की गई है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें ज्यादातर सैलानी थे। सूत्रों ने बताया कि बैठक में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक (डीजी) दलजीत सिंह चौधरी, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के महानिदेशक ब्रिघु श्रीनिवासन और असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेरा शामिल हुए।

### पंजाब की वंशिका की कनाडा में मौत, पांच ....

उसकी सहेली, जो उसके साथ परीक्षा देने जा रही थी, ने आज सुबह उसे बार-बार फोन किया, लेकिन उसका फोन स्विच ऑफ था। परीक्षा देने के बाद जब वह वंशिका के घर गए तो पता चला कि वह 25 तारीख को काम पर गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। उन्होंने भारत में रहने वाले उसके परिवार और अन्य मित्रों को सूचित करके उसकी खोज शुरू की। मृतका के मित्रों और अन्य शुभचिंतकों ने स्थानीय सांसद से भी संपर्क किया, जिन्होंने भी उसकी तलाश के लिए विभिन्न स्थानों पर मेल भेजा। बताया जा रहा है कि सोमवार उनका शव समुद्र तट पर मिला। वंशिका की मौत की खबर सुनकर उसके परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। मृतका के पिता ने बताया कि उन्होंने 22 तारीख को अपनी बेटी से फोन पर बात की थी, लेकिन तीन दिन से उससे बात नहीं हुई है। उन्होंने सोचा कि वह अपने पेपर की तैयारी में व्यस्त है। उन्होंने संदेह जताया कि उनकी हत्या की गई है, जिसकी जांच होनी चाहिए।

### पंजाब में पाकिस्तानी महिला अचानक ...

यहीं रहने दिया जाए। इस बारे में मारिया ने कहा... मैं वापस नहीं जाना चाहती हूं। मैं यहीं अपने ससुराल में ही रहना चाहती हूं। मैं गर्भवती भी हूं। मेरी मोदी सरकार से अपील है कि मुझे यहां रहने की परमिशन दे। पाकिस्तानी गर्भवती महिला मारिया गुरदासपुर के सठियाली स्थित सरकारी अस्पताल में गई थी। जहां गायनोकॉलोजिस्ट ने उसका चेकअप भी किया। वह ये कहकर अस्पताल पहुंची थी कि घर में फर्श पर गिर गई है। जिसके बाद भर्ती कर इलाज किया गया। उसके बाद से पुलिस सहित किसी को भी उसकी जानकारी नहीं है।


**सूचना**

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि किसी कारणवश यदि भारत देश हमारा व चड़दीकला समाचारपत्र आपको नियमित रूप से नहीं मिल रहा है तो कृपया नीचे दिए फोन नंबर पर संपर्क करें।

**मोब: 9416406615**

**पाठकों हेतु आवश्यक सूचना**

समाचार-पत्र दैनिक भारत देश हमारा करनाल में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों की जिम्मेवारी नहीं लेता। हमारा समाचार पत्र इनको प्रमाणित नहीं करता। पाठकों से निवेदन है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्रवाई करने से पूर्व तथ्यों की पुष्टि अवश्य कर लें।

**सूचना**

हरियाणा में चढ़दीकला टाईम टीवी न्यूज चैनल,भारत देश हमारा व रोजाना चढ़दीकला पंजाबी समाचार पत्र में पत्रकार बनने तथा विज्ञापन एवं समाचार देने के लिए संपर्क करें।

**कार्यालय: 15-ए, माल रोड़**
**नजदीक अम्बेडकर चौंक, करनाल**
**मोब: 9416406615**

**सदा आपके साथ**

जन्मदिन,विवाह वर्षगांठ,संयुक्त परिवार और ग्रुप सैल्फी (2 से अधिक)की फोटो हमें भेजें।

**नोट:**मेल में नाम पता व मोबाईल नंबर जरूर लिखें।

सभी सेवाएं निशुल्क है।

**E-mail chardikla.hr@gmail.com**

**Whatsapp: 9896359037,8307425115**

**आवश्यक सूचना**

दैनिक पंजाबी चढ़दीकला एवं हिन्दी दैनिक भारत देश हमारा समाचार-पत्र में खबरें एवं विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें।

कार्यालय 26 ग्रीनपार्क तहसील टाऊन पानीपत।

**मोब: 9215537704,7206600325,7206300081**



कृष्ण कुमार सन्धु,सम्पादक, पब्लिशर व श्रीमती सुमन लता प्रिंटर ने दैनिक भारत देश हमारा जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब, सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह दर्दी से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा, 15-ए,माल रोड, करनाल से प्रकाशित किया ( सम्पादक - कृष्ण कुमार सन्धु )

PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227


### भारत को हर प्रौद्योगिकी में सर्वश्रेष्ठ बनाने की दिशा में ...

उन्होंने कहा कि किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी पर निर्भर होता है, इसलिए ये जरूरी है कि हम अपने युवाओं के भविष्य के लिए और उनको भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करें। इसमें बड़ी भूमिका देश के एजुकेशन सिस्टम की भी होती है, इसलिए हम देश के एजुकेशन सिस्टम को 21वीं सदी की जरूरतों के मुताबिक आधुनिक बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाई गई है। इसे शिक्षा के वैश्विक मानक को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। नई शिक्षा नीति आने के बाद हम भारतीय एजुकेशन सिस्टम में बड़ा बदलाव भी देख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि DIKSHA प्लेटफॉर्म के तहत एक राष्ट्र, एक डिजिटल बुनियादी ढांचा का निर्माण किया गया है। ये बुनियादी ढांचा, एआई आधारित है। इसका इस्तेमाल देश की 30 से ज्यादा भाषाओं और 7 विदेशी भाषाओं में te&tbooks तैयार करने में हो रहा है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र, एक सदस्यता ने युवाओं को ये भरोसा दिया है कि सरकार उनकी जरूरतों को समझती है। आज इस योजना की वजह से उच्च शिक्षा हासिल करने वाले छात्रों की पहुंच विश्व स्तरीय शोध पत्रिकाओं तक आसान हो गई है। उन्होंने कहा कि हमने विकसित भारत के लक्ष्य के लिए अगले 25 साल की समय-सीमा तय की है। हमारे पास समय सीमित है, लक्ष्य बड़े हैं। मैं यह बात वर्तमान के लिए नहीं कह रहा हूं। इसलिए, यह ज़रूरी है कि हमारे विचार से लेकर प्रोटोटाइप तक का सफ़र भी कम से कम समय में पूरा हो। जब हम लैब से बाज़ार की दूरी कम कर देते हैं, तो रिसर्च के नतीजे लोगों तक तेज़ी से पहुँचने लगते हैं। इससे रिसर्च को भी प्रेरणा मिलती है।

### दो दिवसीय दौरे के दौरान राहुल गांधी पहुंचे रायबरेली, ...

शर्मा भी दिशा की बैठक में मौजूद रहे। विशाखा इंडस्ट्रीज का किया दौरा दो दिवसीय दौरे के दौरान सांसद राहुल गांधी ने बछरावां क्षेत्र की विशाखा इंडस्ट्रीज का दौरा किया, जहां उन्होंने कंपनी के कार्यों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने दो मेगावॉट एटम सोलर रूफ प्लांट और एटम इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया। सामाजिक सरोकार की दिशा में पहल करते हुए उन्होंने 15 जरूरतमंदों को हाथ ठेले भी वितरित किए।

### पंजाब अपने फैसले पर दृढ़-मुख्यमंत्री द्वारा अतिरिक्त...

उन्होंने कहा कि राज्य ने पहले ही हरियाणा को मानवता के आधार पर 4000 क्यूसेक पानी दिया है ताकि उनकी पीने के पानी की जरूरतों को पूरा किया जा सके। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य में पानी की स्थिति पहले ही बहुत नाजुक है और रणजीत सिंह डैम और पोंग डैम में पानी पहले ही पिछले साल के मुकाबले क्रमश: 39 फुट और 24 फुट कम है मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मुद्दे पर दबाव के आगे झुकने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता क्योंकि उनका सरोकार पंजाब के किसानों से है। उन्होंने कहा कि यह गैर-कानूनी चालें खेलने की बजाय केंद्र सरकार को पाकिस्तान के साथ हुई सिंधु जल संधि रद्द करने के बाद चिनाब, झेलम, उझ और अन्य नदियों के पानी को राज्य की ओर मोड़ना चाहिए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस संधि के रद्द होने से बचाया गया अतिरिक्त पानी धान के सीजन से पहले जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरे उत्तरी क्षेत्र को सप्लाई किया जा सकता है मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पर गैर-कानूनी दबाव डालने की बजाय हरियाणा सरकार को अपने हिस्से के पानी का सूझ-बूझ से उपयोग करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि भाजपा को इस मुद्दे पर राजनीति खेलने से गुरेज करना चाहिए क्योंकि पानी राज्य और इसके किसानों की मुख्य जरूरत है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब राष्ट्रीय अनाज भंडार में 185 लाख मीट्रिक टन धान का योगदान देता है और राज्य भाजपा के ऐसे हमलों के आगे नहीं झुकेगा इस दौरान मुख्यमंत्री ने दोहराया कि पंजाब के पास किसी अन्य राज्य के साथ साझा करने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है और किसी को पानी की एक बूंद भी नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य के अधिकांश ब्लॉक पहले ही खतरे में हैं और राज्य में भूजल की स्थिति बहुत गंभीर है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि क्योंकि राज्य के ज्यादातर नदी स्रोत सूख गए हैं, इसलिए इसे अपनी सिंचाई जरूरतों को पूरा करने के लिए और पानी की जरूरत है।

### पत्नी का गला घोंटा और फिर आरोपी पति चला ...

बबलू आराम से अपने काम पर चला गया जानकारी अनुसार मृतका प्रिया देवी का आरोपी पति बबलू एक खिलौने की दुकान में काम करता है। दंपती के दो छोटे बेटे हैं जो घटना के वक्त स्कूल गए हुए थे। स्थानीय लोगों का कहना था, कि यह परिवार 10 दिन पहले ही किराए के मकान में शिफ्ट हुआ था। तब से ही पति-पत्नी के बीच लगातार झगड़े होते रहते थे। माना जा रहा है कि हत्या का कारण भी पारिवारिक कलह ही है।घटना की जानकारी देते हुए थानेदार राजेश कुमार ने बताया, आरोपी ने पूछताछ में हत्या की बात स्वीकार कर ली है। उसने बताया कि सुबह किसी बात पर कहासुनी हुई और गुस्से में आकर पत्नी का गला घोंट दिया। हत्या के बाद वह बिलकुल सामान्य तरीके से दुकान पर काम करने चला गया था। दोपहर में जब बच्चे स्कूल से लौटे तो मां को मृत अवस्था में देखकर रोने-बिलखने लगे। शोर सुनकर आसपास के लोग जुटे और किसी ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आरोपी पति को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की है।

### पहलगाम हमले को सरकारी साजिश बताने ...

कि देश की एकता पर सवाल उठाने वाले ऐसे लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। बीजेपी ने इस बयान को राष्ट्रविरोधी बताते हुए तुरंत कार्रवाई की मांग की, जबकि अमीनुल की पार्टी ने खुद को बयान से अलग कर लिया। पार्टी ने कहा कि यह अमीनुल के निजी विचार हैं, पार्टी के नहीं। अमीनुल इस्लाम अकेले नहीं हैं जिन्हें इस मामले में गिरफ्तार किया गया। पहलगाम हमले के बाद असम में अब तक 16 लोगों को उकसावे और देशद्रोही बयान देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट और विडियो बयानों के आधार पर ये गिरफ्तारियां हुई हैं। हाजी अमीनुल इस्लाम असम की राजनीति का जाना-पहचाना चेहरा हैं। दो बार विधायक रह चुके हैं और एआईयूडीएफ के पुराने नेताओं में गिने जाते हैं। वे हमेशा ही मुखर और विवादास्पद बयानों के लिए चर्चा में रहे हैं।

### ओवैसी ने बिलावल को सुनाई...

नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी और जमकर निशाना साधा। **अमेरिका से चलता है आपका घर** -बिलावल भुट्टो की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर ओवैसी ने कहा, ऐसी बचकानी बातें भूल जाइए। उन्हें नहीं पता कि उनके दादा का क्या हुआ? उनकी मां के साथ क्या हुआ? उनकी मां को आतंकवादियों ने मार डाला। इसलिए कम से कम उन्हें इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिए। क्या आपको पता भी है कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं? जब तक अमेरिका आपको कुछ नहीं देता, आप देश नहीं चला सकते और आप हमें डराने की कोशिश कर रहे हैं।

# भगवान परशुराम ने गरीब और बेसहारा लोगों की रक्षा करके आतताई शक्तियों का किया खात्मा : अरोड़ा

**कुरुक्षेत्र, 29 अप्रैल ( सुदेश कुमार ):** भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर थानेसर के विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अशोक अरोड़ा के नेतृत्व में सर्वजातीय समाज के गणमान्य लोगों ने रेलवे रोड स्थित भगवान परशुराम चौक पर माल्यार्पण कर भगवान परशुराम को पुष्पांजलि अर्पित की। अशोक अरोड़ा ने मंत्रोच्चारण के बीच पूजन किया। देश व प्रदेश वासियों को भगवान परशुराम जयंती की शुभकामनाएं देते हुए अशोक अरोड़ा ने पत्रकारों से वार्तालाप करते हुए कहा कि भगवान परशुराम ने ऐसे समय मे कमजोर लोगों की मदद की जब कमजोर वर्ग के लोगों को यह मानकर छोड दिया जाता था कि इनकी तो कोई पहचान नही है। भगवान परशुराम ने कमजोर लोगों की मदद करके उचित मान सम्मान और स्थान दिलवाया। उस समय आतताई शक्तियों का बोलबाला था इन शक्तियों के अत्याचार से जनमानस दुखी था। भगवान परशुराम ने आतताई शक्तियों का खात्मा किया। अशोक अरोड़ा ने कहा कि आज फिर देश मे आतताई शक्तियां सिर उठा रही

हैं। उनके खात्मे के लिए भगवान परशुराम की शिक्षाओं पर चलना होगा। महापुरुष किसी जाति या धर्म के नही होते। वे तो संपूर्ण मानव जाति के कल्याण के लिए अवतार लेते हैं। भगवान परशुराम ने शस्त्र और शास्त्र दोनो की शिक्षा लेने पर बल दिया। आज देश मे जो हालात बन रहे हैं ऐसे हालात मे भगवान परशुराम जैसे महापुरुष का अवतार होना जरूरी है। इस अवसर पर इंप्रुवमेंट ट्रस्ट के पूर्व चेयरमैन जलेश शर्मा, रामपाल शर्मा, चंद्रप्रकाश काकू, दीपक मिश्रा, मनोज कौशिक, राजेश जोशी, नगर पार्षद मनू जैन, पूर्व पार्षद पंकज चोचड़ा, पूर्व पार्षद गौरव शर्मा गौरी, अश्वनी रीतवाल, सतीश शर्मा, शशिकांत, अश्वनी कौशिक, अशोक रीतवाल, पवन लीला, विशाल मौदगिल, संदीप गौत्तम, रितेश शर्मा, संदीप गौड, नवीन शर्मा, विवेक भारद्वाज डब्बू, सुनील मोदगिल, गुरु रविदास सभा के पूर्व प्रधान सुरजभान नरवाल, सुभाष पाली, टेकचंद बारना, सुरेंद्र सैनी भिवानीखेड़ा, विरेंद्र रोहिल्ला, सुनील राणा, राजेश बंसल, गौरव शर्मा, सतीश टामक, नवनीत नरवाल सहित सर्व जातीय समाज के गणमान्य लोगों ने भगवान परशुराम को पुष्पांजलि अर्पित की।

**4 मई को भूपेंद्र हुड्डा और उदयभान करेंगें कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित :** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं विधायक अशोक अरोड़ा ने यह भी जानकारी दी कि कांग्रेस द्वारा 40 दिन तक संविधान बचाने के लिए जनता के बीच जाकर उन्हे जागरूक करने का निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत 4 मई को सायं 4 बजे पिपली रोड स्थित सटर्लिंग रिजोर्ट कुरुक्षेत्र मे जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस कार्यकर्ता सम्मेलन को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभान संबोधित करेंगें। अरोड़ा ने कहा कि देश की आजादी मे कांग्रेस का विशेष योगदान रहा और बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान के अनुसार प्रत्येक नागरिक को समानता व वोट का अधिकार मिला। आज देश का संविधान खतरे मे है। संवैधानिक संस्थाओं को तहस-नहस किया जा रहा है। कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि देश भर मे 40 दिन तक संविधान बचाओ अभियान चलाया जाएगा। इस अवधि मे कार्यकर्ता सम्मेलन व जनसभाएं आयोजित की जाएंगी। इसी कड़ी मे 4 मई दिन रविवार को कुरुक्षेत्र मे जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित होगा। इस सम्मेलन की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित करके कार्यकर्ताओं की ड्यूटियां लगा दी गई हैं।

# 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों ने किया राखीगढ़ी में छः हजार साल पुरानी हड़प्पा कालीन सभ्यता का अवलोकन

**हिसार, 29 अप्रैल ( मनमोहन शर्मा ) :** 16वें केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढ़िया और सदस्यों ने मंगलवार को विश्व की सबसे प्राचीन हड़प्पा कालीन सभ्यता से जुड़े हेरिटेज स्थल राखीगढ़ी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने करीब छः हजार साल पुरानी सभ्यता के बारे में जाना। उन्होंने टीलों का दौरा किया और खुदाई में मिले अवशेषों को भी देखा। साथ ही, उन्होंने खुदाई के दौरान मिले अवशेषों पर लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के निदेशक अमित खत्री और विभाग की उप निदेशक डॉ बनानी भट्टाचार्य ने आयोग को खुदाई में मिले अवशेषों के बारे में विस्तार से बताया। आयोग को जानकारी देते हुए बताया गया कि खुदाई के दौरान मिले अवशेष उस समय के लोगों की जीवन शैली को बयां करते है। उस समय किस प्रकार यहां बड़ी बड़ी कच्ची और पक्की ईंटों के मकान होते थे और लोग मिट्टी के बर्तनों का उपयोग करते थे। बच्चों के लिए मिट्टी के ही खिलौने होते थे। महिलाएं मिट्टी के गहनों से श्रृंगार करती थी। खुदाई के दौरान मिल रहे मिट्टी के औजारों और श्रृंगार व दीवारों पर चित्रकारी इस बात की गवाह है कि हड़प्पा कालीन सभ्यता के दौरान लोग बहुत ही हुनरमंद थे यह उनमें कौशल विकास को दिखाता हैं। यह भी जानकारी दी गई कि यहां पर बहुत ही विकसित शहर होता था, जिसमें सड़कें और बीच के रास्ते बहुत ही व्यवस्थित ढंग से बने थे। टीला नंबर एक की खुदाई के दौरान पता चला कि उस समय पत्थरों से मनके बनाए जाते थे, जिनका उत्पादन प्रमुखता से होता था। टीला नंबर दो की खुदाई के दौरान पता चला कि उस समय शहर में घरों की सुरक्षा व्यवस्था भी चाक चौबंद होती थी। मकान में भी पहरेदारों के कक्ष होते थे। शहर में अलग से बाजार और अलग से आवासीय क्षेत्र था। पानी की निकासी का बहुत ही व्यवस्थित तरीके से प्रबंध था। खुदाई से पता चला कि उस समय हाथी दांत की वस्तुएं भी प्रयोग में होती थी। टीला नंबर 6 के बारे में जानकारी दी गई कि दीवारों पर मिट्टी का ही प्लास्टर का प्रयोग होता था। इस दौरान उपायुक्त अनीश यादव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

# नियमों का उल्लघंना करने पर 24 भारी वाहनों के चालान

**अंबाला, 29 अप्रैल ( रवि पाहुजा ) :** पुलिस अधीक्षक अम्बाला द्वारा 25 अप्रैल 2022 को सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने, वाहनों के सुचारू-रूप से आवागमन हेतु भारी वाहन व गति प्रतिबन्धित (निर्धारित गति सीमा) वाहन के लिए लेन ड्राईविंग (बाँई लेन) निर्धारित करने व बाँई लेन में चलने बारे वाहन चालकों को जागरूक कर आवश्यक कार्यवाही करने हेतू पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों की गोष्ठी बुलाई गई थी। गोष्ठी में उपस्थित पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देश दिए थे कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात के नियमों की पालना दृढ़ता से करवाई जाए। मोटर वाहन अधिनियम-2017 की धारा 4 के भाग 5 के अन्तर्गत निर्धारित गति सीमा व बाँई लेन में ना चलकर नियमों की उल्लघंना करने पर आज 29 अप्रैल 2025 को 24 भारी वाहनों के चालान किए और बीते 119 दिनों में 2417 भारी वाहनों के चालान किए जा चुके हैं। पुलिस अधीक्षक अम्बाला ने उप-पुलिस अधीक्षक, यातायात अम्बाला व प्रबन्धक थाना यातायात को निर्देश दिए थे कि आप मोटर वाहन अधिनियम-2017 की धारा 4 के भाग 5 अन्तर्गत सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक भारी वाहन व गति प्रतिबन्धित वाहन अपनी निर्धारित गति सीमा में बाँई लेन में चले जिससे सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और ओवरटेक करते समय किसी भी वाहन चालक को कठिनाई का सामना ना करना पड़े तथा सड़क हादसों से बचा जा सके। यदि कोई भी वाहन चालक मोटर वाहन अधिनियम-2017 की धारा 4 के भाग 5 के अन्तर्गत निर्धारित गति सीमा व बाँई लेन में ना चलकर नियमों की उल्लघंना करता है तो उसका चालान किया जाए। पुलिस अधीक्षक अम्बाला के निर्देशों की पालना एवम सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 29 अप्रैल 2025 को यातायात पुलिस अम्बाला ने मोटर वाहन अधिनियम-2017 की धारा 4 के भाग 5 के अन्तर्गत 24 भारी वाहनों के चालान किए। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस अधीक्षक अम्बाला ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने व वाहनों के सुचारू-रूप से आवागमन हेतु यह अनिवार्य है कि हम मोटर वाहन अधिनियम-2017 की धारा 4 के भाग 5 के अन्तर्गत निर्धारित गति सीमा व बाँई लेन में चले जिससे सड़क हादसों में कमी लाई जा सके।

# 5 मई को धूमधाम से मनाई जाएगी मां बगलामुखी जयंती

**करनाल, 29 अप्रैल ( संदीप रोहिला ):** स्थानीय रामदेव कालोनी सैक्टर-3, पार्ट- 2 में मां बगलामुखी मंदिर में आगामी 5 मई को मां बगलामुखी जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। यह जानकारी मंदिर के पुजारी ज्योतिषी शिरोमणि, ज्योतिषी अलंकार से सम्मानित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिषी एवमं ओरा वास्तु विशेषज्ञ, मां बगलामुखी मंदिर के संचालक पंडित अनिल शर्मा ने देते हुए बताया कि 5 मई पूरा दिन मंदिर में हवन यज्ञ चलता रहेगा। मंदिर के प्रमुख सेवक ज्ञान अरोड़ा ने बताया कि इस अवसर पर सुबह-शाम और रात को भंडारा चलता रहेगा। उन्होंने बताया कि माता जी के भगत सुरेश बंसल द्वारा माता की चौकी का आयोजन भी करवाया जा रहा है। साजन सांवरिया ग्रुप द्वारा माता जी की चौकी की जाएगी। जिसमें कलाकार जॉनी मेहरा, बच्चन सलीम और सिंगर बबीता द्वारा माता जी का गुणगान किया जाएगा। ।कार्यक्रम को लेकर मंदिर के पुजारी अनिल शर्मा ने श्रद्धालुओ से आह्वान करते हुए कहा कि वे दूर-दराज से माता जी के दर्शन के लिए यहां नतमस्तक होने के लिए आएं, भंडारा प्रसाद ग्रहण करें और धर्म लाभ प्राप्त करें।

## सीजेएम ने किया सेक्टर 7 उद्यान केयर होम का दौरा

**कुरुक्षेत्र, 29 अप्रैल ( सुदेश कुमार ) :** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने जिला एवं सत्र न्यायधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में सेक्टर 7 उद्यान केयर होम का दौरा किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज शनिवार को सेक्टर 7 उद्यान केयर होम का दौरा करने उपरांत वहां पर रह रहे बच्चों से बातचीत की। इसके उपरांत उन्होंने बच्चों के कमरों का निरीक्षण किया और उनको दिए जाने वाले भोजन का जायजा लिया।

### एनआईए की जांच में खुलासा : आतंकी पहले से ही वहां एक फूड स्टॉल के ...

हुए सुनाई देने वाले जिपलाइन ऑपरेटर को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया है। सूत्रों ने बताया कि हमले के बाद घटनास्थल पर मौजूद सभी लोगों को जांच एजेंसियों ने पूछताछ के लिए बुलाया था। जिपलाइन ऑपरेटर को एक बार फिर पूछताछ के लिए बुलाया गया है और एजेंसियों द्वारा उससे पूछताछ की जाएगी। यह पहलगाम से एक वीडियो के सामने आने के बाद हुआ है, जिसे ऋषि भट्ट नाम के एक व्यक्ति ने रिकॉर्ड किया था। इस हमले को इस क्षेत्र में सबसे भयानक हमलों।में से एक बताया जा रहा है, यह हमला तब हुआ जब वर्दी पहने आतंकवादियों के एक समूह ने बैसरन घास के मैदान में पर्यटकों पर गोलीबारी की।पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव चरम पर है। भारत ने दो टूक कह दिया है कि आतंकियों को खत्म किया जाएगा और दुश्मनों को सबक सिखाया जाएगा। खबर है कि बुधवार को सरकार बड़े प्लान के साथ मंथन करने जा रही है। बुधवार सुबह 11 बजे सबसे पहले कैबिनेट सुरक्षा कमेटी (सीसीएस) की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में सुरक्षा तैयारियों पर चर्चा हो सकती है।

# विश्व का कल्याण, भारतीय सोच को लेकर भावी शिक्षक तैयार करना : महिपाल ढांडा

## 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाना हमारा लक्ष्य,दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

**कुरुक्षेत्र, 29 अप्रैल ( सुदेश कुमार ) :** हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि विश्व का कल्याण तभी होगा जब भारतीय सोच को लेकर भावी शिक्षक तैयार किए जाएंगे। इसी सोच के तहत पूरी दुनिया के सामने हमने लक्ष्य रखा है कि 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाएंगे। विकसित भारत का रास्ता शिक्षकों ने तय करना है क्योंकि शिक्षा हर विषय के मूल में हैं। जब शिक्षक अपना धर्म निभाते हुए अच्छे शिष्य तैयार करेंगे और वो शिष्य उच्च शिक्षा ग्रहण कर भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में आगे बढेंगे तो निश्चित तौर पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो सपना देखा है वह विकसित भारत का सपना 2047 में साकार होगा। हमें अपने संकल्प को सिद्धि तक ले जाना है। तभी विश्व मे आदर्श भारत का निर्माण होगा। पूरे विश्व में भारत की नई पहचान बनी है व भारत ने पूरे विश्व को नई दिशा दी है। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा मंगलवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में ऑडिटोरियम हॉल में नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन, हरियाणा स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक शिक्षा में परिवर्तन विकसित भारत 2047 की दिशा विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर

पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि भारत के विकास में कौशल आधारित शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है। हमें मजबूत राजनीतिक सोच व छात्रों की प्रतिभा को पहचान कर आगे बढ़ना होगा। भारत की सोच बदल रही है। भारत के साथ नवीन चिंतन के साथ आगे बढ़ना होगा। किसी भी कालखंड में हम कमजोर नहीं थे। हम डटे रहे व मुकाबला किया। भारत की परम्परा को आगे बढ़ाकर विश्व गुरु बनाना हमारा संकल्प है। इस संकल्प को सिद्धि तक ले जाना हमारा कर्तव्य है। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि आज दुनिया में कब्जा करने की होड़ लगी हुई है। संवेदनाएं समाप्त हो गई है। सारी दुनिया को भारत ने चुनौती दी है। भारतीय सोच जीवन दर्शन को आगे बढ़ाना है हमने किसी पर आक्रमण नहीं किया, किसी के जीवन में दखल नहीं दी। हमारे आचार-व्यवहार से किसी को नुकसान नहीं हुआ। हमारा संकल्प देश को शान्ति प्रदान करना है। हमारे विचार के कारण सारी दुनिया हमारे आगे झुक रही है। हमें चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ना है। अपने अंदर संकल्प व ईमानदारी लेकर आगे बढना है। शिक्षक का कार्य व्यक्ति निर्माण करना है। भारत का नवनिर्माण कर दुनिया का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाना हमारा संकल्प है। एनसीटीई के चेयरपर्सन प्रो. पंकज अरोड़ा ने कहा कि एनसीटीई राष्ट्र के सभी प्रदेशों को जोड़ते हैं और इस राष्ट्रीय मिशन का हिस्सा बनाते है। अध्यापक शिक्षा के माध्यम से हम विकसित भारत के उद्देश्य की तरफ बढ़ रहे हैं। एनईपी-2020 ने आज से पांच साल पहले विकसित भारत का बीज बो दिया है। अब हमारी जिम्मेवारी है कि हम अपने-अपने संस्थान से इसमें अपना योगदान दे सकें। विकसित भारत-2047 के विजन को साकार करने के लिए शिक्षक-शिक्षा में परिवर्तन लाना है। एंटरप्रेन्योरशिप व कौशल विकास की तरफ बढ़ना है। क्लास रूम में होने वाले प्रोसेस आने वाले भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। यहां से नवीन भावना हमारे साथ जाएगी जो भारत के विश्व गुरु का रास्ता खोलेगा। हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. कैलाश चन्द्र शर्मा ने कहा कि आईटीईपी के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर कैसे हो यह सोचने का विषय है। इसमें क्षमतावान शिक्षक एनईपी के अनुसार होने चाहिए। कैम्पस बहु संकायी प्रकार के होने चाहिए। यदि किसी राष्ट्र की अवस्था जाननी है तो वो राष्ट्र की शिक्षा निर्धारित करती है। समाज को आगे बढ़ाने का प्रमुख दायित्व शिक्षक का है। आने वाली बाधाओं को पार करते हुए हम आगे जाएंगे। गुरु एक श्रेष्ठ स्थान होता है। गुरु एक देवत्व का स्थान होता है। कोई भी कर्म स्थिर बुद्धि से करना होगा। हमें दुनिया का अंधकार छोडक़र आगे बढने वाला व्यक्ति बनना है। समापन सत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने मुख्यातिथि हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा का स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षक ही असली मायने में देश के भविष्य का निर्माता है। अगर युवा देश का भविष्य है तो इन युवाओं का निर्माण करना ही गुरुजनों के हाथ में है। इस दो दिवसीय सम्मेलन का भी यही उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के नेतृत्व में केयू ने एनईपी 2020 को सभी प्रावधानों के साथ अपने यूजी एवं पीजी सहित संबंधित महाविद्यालयों में पूरे देश में सर्वप्रथम लागू किया गया। भारत विश्व का सबसे युवा देश है जहां 15 से 29 आयु के 37 करोड़ युवा हमारी ताकत है और इस ताकत के सही उपयोग की जिम्मेदारी शिक्षक की है। इस युवा शक्ति के माध्यम से ही विजन 2047 के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली तथा हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद, पंचकूला के सहयोग से सफल संचालन हुआ। कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि केयू में इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) के सेकेंडरी स्तर प्रोग्राम को आर्टस, कॉमर्स एवं साइंस प्रोग्राम्स में लगाया गया है। उन्होंने कहा कि आईटीईपी प्रोग्राम में बीए के साथ बीएड तथा संबंधित आईटेप में एमकॉम, एमएससी आदि पीजी भी कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने 2030 तक आईटेप प्रोग्राम को शिक्षक शिक्षा के लिए अनिवार्य होने की बात कही। उन्होंने कहा कि 12वीं के बाद शिक्षक बनने वाले के मन में बच्चों को उद्यमिता एवं स्किल, स्वरोजगार अच्छे नागरिक बनाने एवं राष्ट्र निर्माण के योग्य बनाने का दायित्व भी होना चाहिए। एनसीटीआई की सदस्य सचिव अभिलाषा झा मिश्रा ने कहा कि शिक्षक का महत्व समाज में बहुत अधिक होता है। वे छात्रों को ज्ञान प्रदान करते हैं, उन्हें भविष्य के लिए तैयार करते हैं, और उन्हें समाज में एक बेहतर व्यक्ति बनने में मदद करते हैं। शिक्षक न केवल छात्रों के शिक्षा में मार्गदर्शन करते हैं, बल्कि वे उनके जीवन के हर पहलू में भी सहायक होते हैं। अध्यापक शिक्षा को वास्तव में सशक्त व सक्षम शक्ति में परिवर्तित करें। आईआईटीआर की प्राचार्या प्रो. अनिता दुआ ने दो दिवसीय सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। सम्मेलन में उपस्थित प्रतिभागियों ने च्शिक्षक शिक्षा में परिवर्तन विजन 2047 की दिशा मेंज् अपने अनुभव एवं विचार साझा किए। अंत में प्रो. के.के. अग्निहोत्री ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर एडवाईजर प्रो. के.के. अग्निहोत्री, एनसीटीआई की सदस्य सचिव अभिलाषा झा मिश्रा, डॉ. सुरेन्द्र गक्खड़, प्रो. दिब्याज्योति महंता, कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, डीन ऑफ कालेजिज प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. संजीव शर्मा, प्रो. परमेश कुमार, प्रो. रीटा, प्रो. अनिता दुआ, प्रो. लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, डॉ. नीरज बातिश सहित 9 राज्यों के प्रतिनिधिमंडल सदस्य मौजूद थे।

## मंडी में गेहूं उठान न होने के कारण आढ़ती, मजदूर व किसानों ने शुरु की हड़ताल

**आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान ने उठाई गंभीर समस्याएँ, मंडी प्रशासन से कार्रवाई की मांग**

**रायपुररानी, 29 अप्रैल ( देवेन्द्र सिंह ) :** रायपुररानी की अनाज मंडी में गेहूँ उठान की अत्यंत धीमी प्रक्रिया ने किसानों, आढ़तियों और मजदूरों

को गहरी परेशानी में डाल दिया है। मंडी में ख़रीद प्रक्रिया के बाद भी गेहूँ का समय पर उठान न होने के कारण मंडी में गेंहू का भंडार एकत्रित हो गया है। इससे नाराज़ होकर तीनों वर्गों किसान, मजदूर वा आढ़ती एसोसिएशन ने मंगलवार से संयुक्त रूप से मार्किट कमेटी कार्यालय के सामने हड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी देते हुए आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान प्रवीण गर्ग ने बताया कि मंडी में गेहूँ की ख़रीद तो हो रही है, लेकिन एफसीआई और ट्रांसपोर्ट विभाग की लापरवाही के चलते उठान में लगातार देरी हो रही है। उन्होंने कहा कि मंडी में ट्रकों की उपलब्धता बेहद कम है और जो ट्रक मौजूद हैं, वे भी समय पर नहीं पहुँचते। जिस कारण न तो किसानों को उनकी फसल बेचने पर राशि प्राप्त हो रही है और मजदूरों को काम नहीं मिल पा रहा। प्रवीण गर्ग ने कहा कि आढ़ती एसोसिएशन द्वारा कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जब कोई अधिकारी ही जवाबदेह नहीं है, तो मज़बूरी में हमें हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा। जबकि किसानों ने भी मंडी प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि ख़रीद के बाद उनका माल कई-कई दिनों तक मंडी में ही पड़ा रहता है। आढ़ती एसोसिएशन प्रधान ने यह भी बताया कि उनकी खरीदी फसल को जब ट्रक में लोड करते है तो विभाग गेंहू कम कर देता है। जिसकी वजह से उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। इसकी भी जांच होनी चाहिए। इस दौरान मंडी सेक्रेटरी मनदीप राणा ने कहा कि हम लगातार उच्च अधिकारियों के सम्पर्क में है व उठान में तेजी लाने का प्रयास कर रहे है।

## सीजेएम ने किया सेफ हाउस का निरीक्षण

**कुरुक्षेत्र, 29 अप्रैल ( सुदेश कुमार ) :** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने जिला एवं सत्र न्यायधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में सेफ हाउस कुरुक्षेत्र का दौरा किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज शनिवार को सेफ हाउस कुरुक्षेत्र का निरीक्षण करने उपरांत वहां पर रह रहे कपलस से बातचीत कर रही थी। इसके बाद उन्होंने सेफ हाउस के कमरों का निरीक्षण किया और उनको दिए जाने वाले भोजन का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि इस प्राधिकरण के माध्यम से जोड़ों को कानूनी सलाह, सुरक्षा, और अन्य आवश्यक सेवाएं प्रदान की जाती हैं। निरीक्षण के दौरान सेफ हाउस में गर्मी के मौसम को देखते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सेफ हाउस में आने वालों की स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की जाए और उन्हें पौष्टिक भोजन प्रदान किया जाए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान कपल्स से बात की, जिन्होंने अपनी स्थिति और सेफ हाउस में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में अपनी राय साझा की। सेफ हाउस में रह रहे जोड़ों ने प्राधिकरण की सेवाओं की सराहना की और कहा कि उन्हें यहां रहने से सुरक्षा का अनुभव हो रहा है। इस अवसर पर सेफ हाउस के स्टाफ व संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

# रायपुररानी में भगवान श्री परशुराम के जन्मोत्सव पर भव्य धार्मिक आयोजन और समाजिक एकता का संदेश

***ब्राह्मण समाज कल्याण संघ के सदस्यों ने 100 लोगों को अंग वस्त्र भेंटकर किया सम्मानित***

**रायपुररानी, 29 अप्रैल ( देवेन्द्र सिंह ) :** भगवान श्री परशुराम के जन्मोत्सव के अवसर पर ब्राह्मण समाज कल्याण संघ रायपुररानी द्वारा खेड़ा-शिव मंदिर में एक भव्य धार्मिक कार्यक्रम और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर ब्लॉक समिति के चेयरमैन सतबीर राणा मुख्यतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: 8:00 बजे हवन से हुई, जिसमें

क्षेत्र के विद्वान पंडितों और गायत्री परिवार रायपुररानी के सदस्यों ने मंत्रोच्चारण और वेदपाठ किया। श्रद्धालुओं ने भी इस हवन में भाग लिया और भगवान श्री परशुराम के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की। हवन के पश्चात प्रात: 11:00 बजे पूर्णाहूति की गई, जिसके साथ ही धार्मिक अनुष्ठान का समापन हुआ। इसके बाद, दोपहर 12:00 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। यह भंडारा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम ने न केवल धार्मिक भक्ति का वातावरण निर्मित किया, बल्कि स्थानीय समुदाय को एकजुट करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान ब्राह्मण समाज कल्याण संघ के सदस्यों द्वारा उपस्थित श्रद्धालुओं को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। इस सम्मान का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों में सम्मान और परस्पर सहयोग की भावना को बढ़ावा देना था। जानकारी देते हुए ब्राह्मण समाज कल्याण संघ के प्रधान अरविंद वशिष्ठ ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य भगवान श्री परशुराम के जन्मोत्सव को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाना था। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सांस्कृतिक और धार्मिक जागरूकता फैलाने में मदद करते हैं और समाज को एकजुट करने की दिशा में अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में महासचिव रामेन्द्र नाथ शर्मा, सचिव डॉ. विनोद शर्मा, कोषाध्यक्ष अनिल वशिष्ठ, पवन पराशर, प्रमोद भारद्वाज, कपिल देव मोदगिल, उमाशंकर, नीरज वशिष्ठ, राजेश्वर मोदगिल, एडवोकेट नरेश शर्मा, विजेंद्र कौशिक, मास्टर बाबू राम, रूपचंद, राजू गुप्ता, बलजीत सैनी, विजय मोहन वर्मा, श्याम लाल मंगल, प्रकाश नागरा, दीपक सोनी, जयचंद वशिष्ठ, देवेन्द्र शास्त्री हरिपुर, रत्तिराम पूर्व सरपंच हरिपुर, अनिल शर्मा गोलपुरा सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

## साहित्यिक क्लब शब्द शिल्प द्वारा तीन दिवसीय थियेटर कार्यशाला का आयोजन

**कालका, 29 अप्रैल ( अख्तर फ़ारूक़ी/अजीत सिंह ) :** राजकीय महाविद्यालय कालका की प्राचार्या डॉक्टर गीता सुखीजा के कुशल

नेतृत्व और मार्गदर्शन में साहित्यिक क्लब शब्द शिल्प द्वारा तीन दिवसीय थियेटर कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। प्रसिद्ध गुमफ़न थियेटर ग्रुप, चंडीगढ़ के डायरेक्टर और एक्टर जगदीश तिवारी ने विद्यार्थियों को ट्रेनिंग दी। जगदीश तिवारी को थियेटर में 20 साल का अनुभव है। कार्यशाला में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थियों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण छंटनी करके 30 छात्रों को तीन दिवसीय ट्रेनिंग दी गई। विद्यार्थियों ने अपनी अभिनय कला का बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। प्रस्तुत कार्यशाला अंग्रेजी विभागाध्यक्षा डॉक्टर मीनू ख्यालिया, असिस्टेंट प्रोफेसर पूजा सिंगल, हिंदी विभागाध्यक्षा डॉ बिंदु शर्मा, डॉक्टर नीरू शर्मा, डॉ गीता, डॉ कविता, डॉ रमाकांत सहाय, पंजाबी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर जगपाल, संस्कृत विभाग के डॉक्टर प्रदीप के मार्गदर्शन में किया गया। साहित्यिक क्लब शब्द शिल्प की प्रभारी पूजा सिंगल ने कार्यक्रम का आयोजन बहुत व्यवस्थित और सुचारू रूप से करवाया।

## अम्बाला में एजेन्सियों ने 238382.3 मीट्रिक टन गेंहू के खरीद कार्य को किया पूरा : अजय सिंह तोमर

**15 मंडियां से 195389 एमटी गेहूँ का हुआ उठान, अब तक 51430 किसान गेहूँ की फसल को लेकर पहुंचे खरीद केन्द्र**

**अंबाला, 29 अप्रैल ( रवि पाहुजा ) :** उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने कहा कि अम्बाला जिले मे 15 मंण्डियों व खरीद केन्द्रों पर सरकारी व अन्य एजेन्सियों द्वारा अब तक 238382.3 मीट्रिक टन गेहूँ को खरीद लिया हैं। इन मंण्डियों में अब तक 51430 किसान गेहॅू लेकर पहुंच चुके हैं। इसके अलावा इन मंण्डियों में एजेन्सियों द्वारा गत दिवस तक 82.0 प्रतिशत के साथ 195389 मीट्रिक टन गेहूँ के उठान कार्य को पूरा कर लिया हैं। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने सभी एजेन्सियों के अधिकारियों को गेहूँ उठान कार्य में तेजी लाने के आदेश देते हुए कहा कि मण्डियों से गेहूँ खरीदने के बाद लिफ्टिंग के कार्य में देरी नहीं होनी चाहिए। इसके साथ उन्होंने किसानों को उनकी फसल की भुगतान राशि को निर्धारित समयावधि के भीतर भुगतान करना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी एजेन्सी उठान व भुगतान कार्य में लापरवाही बरतेगी उस एजेन्सी के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 28 अप्रैल तक अम्बाला छावनी से 14775 एमटी, अम्बाला शहर से 57272 एमटी, नन्यौला मंडी से 7617 एमटी, मुलाना मंडी से 24000 एमटी, साहा मंडी से 24050 एमटी, बराड़ा मंडी से 27500 एमटी गेहूँ खरीदा जा चुका है। उन्होंने कहा कि केसरी मंडी से 3074 एमटी, सरधेड़ी मंडी से 5614 एमटी, उगाला मंडी से 2910 एमटी, तलहेड़ी मंडी से 11530 एमटी, शहजादपुर मंडी से 16897 एमटी, कड़ासन मंडी से 9750 एमटी, नारायणगढ़ मंडी से 26121.3 एमटी, बेरखेड़ी मंडी 4471 एमटी व भरेड़ीकलां से 2801 एमटी धान की खरीद का कार्य पूरा किया गया हैं। उन्होंने कहा कि खाद्य आपूर्ति विभाग ने 21080 एमटी, फुड फारमर ने 3463 एमटी, हैफेड 194255 एमटी, हैफेड फारमर ने 42373 एमटी, हरियाणा वेयर हाउस कॉरपोरेशन ने 23047.3 एमटी गेहूँ की खरीद गई हैं।


**COURT NOTICE**
**In the Court of Sh. Ramesh Chander Dimri EC Act Court, Jagadhri**
CNR No. HRYN01-002910-2024
Next Date: 07.08.2025
Dharam Narayan Versus Mohan Lal
Notice to: General Public
In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) General Public could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on **07.08.2025** at 10:00 A.M.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Yamunanagar
Dated, this day of 28-04-2025
**Sd/- Sh. Ramesh Chander Dimri EC Act Court, Jagadhri**

**COURT NOTICE**
**In the Court of Sh. Ramesh Chander Dimri EC Act Court, Jagadhri**
CNR No. HRYN01-003040-2024
Next Date: 07.08.2025
Dharam Narayan Versus Mohan Lal
Notice to: General Public
In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) General Public could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) General Public should appear in person or through counsel on **07.08.2025** at 10:00 A.M.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Yamunanagar
Dated, this day of 28-04-2025
**Sd/- Sh. Ramesh Chander Dimri EC Act Court, Jagadhri**


## भगवान परशुराम अवतार दिवस के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन

**चिड़ाव, 29 अप्रैल ( प्रवीन कुमार ) :** भगवान परशुराम सेवा समिति जुंडला के तत्वाधान में भगवान परशुराम जी के प्रकाश पर्व पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में भगवान परशुराम सेवा समिति आश्रम को रंग रोगन व लडियों से सजाया गया। सुबह के समय भगवान परशुराम सेवा समिति आश्रम में हवन यज्ञ किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में समाज के लोगों के साथ सभी धर्मों के लोगों ने भाग लेकर यज्ञ में आहुति दी। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान परशुराम के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर किया गया। आए गणमान्य लोगों ने भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित किए एवं शीश नवाकर परिवार की स्मृधि की कामना की। इसके पशचात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में सैंकडों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भगवान परशुराम सेवा समिति से एडवोकेट जयपाल शर्मा, फकीर चंद शर्मा, भगवान दास शर्मा, रमेश चंद शर्मा, बृजलाल शर्मा, रामसिंह शर्मा, सोहन लाल शर्मा, विनोद शर्मा, लीजाराम शर्मा, रामपाल शर्मा, सत्य नारायण शर्मा, कुलदीप शर्मा, दिनेश शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, ऋषि शर्मा, जोगीराम शर्मा, अनुराग शर्मा, अशोक नंबरदार, मोहन लाल शर्मा, मांगे राम शर्मा, श्री शिव कलब के सचिव विनोद चोटेवाला एवं वाईस डायरेक्टर इंजीनियर सतीश शर्मा ने अपनी जिम्मेदारी निभाई।

## मारपीट मामले में आरोपी को किया शामिल जांच

**अंबाला, 29 अप्रैल ( रवि पाहुजा ) :** पुलिस अधीक्षक अम्बाला अजीत सिंह शेखावत के निर्देशानुसार अम्बाला पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम व आपराधिक मामलों में वांछित आरोपियों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान थाना नारायणगढ़ में दर्ज मारपीट के मामले में 28 अप्रैल 2025 को पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी सुरेन्द्र कुमार निवासी गाँव राईयांवाला थाना सढौरा जिला यमुनानगर को शामिल जाँच कर न्यायिक प्रक्रियानुसार की। इस मामले के सम्बन्ध में शिकायतकर्ता पुनीत निवासी गाँव गदौली माजरा थाना नारायणगढ़ जिला अम्बाला ने 22 अप्रैल 2025 को थाना नारायणगढ़ में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 18 अप्रैल 2025 को आरोपी सुरेन्द्र कुमार ने उसके पिता जी से मारपीट करते हुए उन्हें चोट पहुँचाई है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी थी।


**COURT NOTICE**
**In the Court of Chinar Baghla Civil Judge (Junior Division), Ambala**
CNR No. HRAM02-000212-2025
Next Date: 01.07.2025
Gurvinder Kaur Versus State of Haryana through Collector, Ambala
Suit for Declaration
Notice to: 1. Navneet Sharma Son:- Bal Krishan R/o H.No. 377 Ram Pura Colony Yamnanagar 2. Mamta Tyagi W/o Rajinish Kumar R/o Village Juleda P.O. Sardhana District Merut (U.P.)
In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on **01.07.2025** at 10:00 A.M.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Ambala
Dated, this day of 29-04-2025
**Sd/- Chinar Baghla Civil Judge (Junior Division), Ambala**

**In the Court of Ms. Varsha Sharma Additional Civil Judge (Senior Division), Ganaur**
CNR No. HRSOA0-000177-2025
Next Date: 29.05.2025
Case/CIS No:- H.m.g. Act/6/2025
Minor Pratham Versus General Public
It is prayed that necessary permission for selling the land of the minor (Minor Pratham S/o Late Sanjay Jain through his mother Smt. Deepa W/o Late Sanjay Jain R/o 127/12 Shiv Mandir Gali, Ganaur, Distt. Sonepat) may be granted to the petitioner on such terms and conditions which this Hon'ble Court deems fit and proper, in the interest of justice.
Notice to: General Public Ganaur, Teh, Ganaur, distt. Sonepat, Haryana.
In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on **29.05.2025** at 10:00 A.M.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Sonipat
Dated, this day of 29-01-2025
**Sd/- Ms. Varsha Sharma Addl. Civil Judge (Sr. Divn.), Ganaur**

**(Succession Case)**
**In the Court of Ms. Sumitra Kadian Additional Civil Judge (Senior Division),**
CNR No. HRYN02-000677-2025
Next Date: 07.07.2025
Ramesh Chander Versus General Public
Petition under section 372 of Indian Succession Act for grant of Succession Act
Notice to: General Public
In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) General Public could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) General Public should appear in person or through counsel on **07.07.2025** at 10:00 A.M.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Yamunanagar
Dated, this day of 25-04-2025
**Sd/- Addl. Civil Judge (Sr. Divn.), Yamunanagar**

**In the Court of Sh. Kuldeep Singh Additional District and Sessions Judge, Prinicipal Judge, Family Court, Sonipat, Sonipat**
CNR No. HRSO01-010166-2024
Next Date: 31.05.2025
Maya Devi Versus General Public
Prayed that the applicant/petitioner may kindly be appointed as guardian of the person and properties, in the interest fo justice. any other relief which this honourable court may deem fit and proper may kindly be passed in favour of the applicant/petitioner.
Notice to: General Public
In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on **31.05.2025** at 10:00 A.M.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Sonipat
Dated, this day of 28-04-2025
**Sd/- Sh. Kuldeep Singh Additional District and Sessions Judge, Prinicipal Judge, Family Court, Sonipat, Sonipat**

# सम्पादकीय

## फर्जी दस्तावेजों के सहारे सरकारी खजाने को अरबोँ का नुकसान

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने मध्य प्रदेश के शराब कारोबारियों से जुड़े हुए फर्जीवाडे को लेकर 11 शराब कारोबारी के 18 ठिकानों पर छापेमारी की है। इस छापामारी में 49 करोड़ 42 लाख रुपए की धोखाधड़ी और सरकारी खजाने मे और वह रुपए की डकैती डालने का मामला सामने आया है। ईडी ने मनी लॉण्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत कार्रवाई की है। जांच एजेंसी को छापे के दौरान कई ऐसे दस्तावेज और जानकारियां प्राप्त हुई हैं, जिससे करोड़ों-अरबों रुपए का किया गया घोटाला मध्य प्रदेश में उजागर हुआ है। मध्य प्रदेश में 2015-16 मे पहली बार यह मामला उजागर हुआ था। उस समय इस मामले को दबा दिया गया था। हाल ही में ईडी की टीम ने जब छापा मारकर जांच शुरू की। उसके बाद एक के बाद एक नए फर्जीवाड़े की परतें खुलकर सामने आनी शुरु हो गई हैं। 2015-16 से 2017-18 के बीच चालानो में फर्जीवाडा किया गया। जिससे सरकार को अरबो रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। बैंक गारंटी के रूप में फर्जी गारंटी प्रस्तुत की गई। शराब कारोबारियों द्वारा दस्तावेजों में हेराफेरी करके करोड़ों रुपए का नुकसान सरकारी खजाने को पहुंचाया गया। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से शराब कारोबारी फर्जीवाड़ा कर रहे थे। इस लूट में सभी शामिल थे। जब मामला सामने आया, तब तत्कालीन आबकारी मंत्री की भूमिका संदेहासप्रद रही। आबकारी विभाग के जिस अधिकारी संजीव दुबे की सरपरस्ती में आबकारी विभाग में करोड़ों रुपए के घोटाले हुए थे, 2017 में उसकी एफआईआर दर्ज हुई। क्योंकि इस लूट में आबकारी विभाग के महत्वपूर्ण पदों में बैठे लोग शामिल थे अत~ मामले को दबा दिया गया। जब यह मामला उजागर हुआ, तब शराब ठेकेदारों ने 22 करोड़ रुपए सरकार के खाते में जमाकर मामले को दबबा दिया था। इस मामले को दबाने मे आबकारी विभाग के अधिकारी और तत्कालीन मंत्री की भूमिका थी। उस समय सभी जिम्मेदार पदों पर बैठे हुए पदाधिकारियों ने इस लूट में अपना-अपना हिस्सा वसूल किया था। 2017 से यह मामला ईडी के पास लंबित पड़ा हुआ था। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों द्वारा बार-बार जानकारी मांगी गई। उसके बाद भी आबकारी विभाग द्वारा ईडी को समय पर जानकारी नहीं दी जा रही थी। ईडी ने शराब कारोबार से जुडे ठेकेदारों और अधिकारियों की जांच अपने स्तर पर कर 18 ठिकानों पर छापेमारी की है। अभी तक लगभग 50 करोड़ रुपए के सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने वाले दस्तावेजों को ईडी ने जप्त किया है। इस मामले की जिस तरह से ईडी जांच कर रही है, उससे अरबो रुपए की धोखाधड़ी के नए मामले उजागर होने की संभावना ईडी के अधिकारियों ने व्यक्त की है। शराब कारोबारियों और आबकारी विभाग के अधिकारियों तथा राजनेताओं की मिली भगत से बड़े पैमाने पर अरबों रुपए के घोटाले हर राज्य में हो रहे हैं। दिल्ली का मामला पिछले कई वर्षों से चर्चाओं में है। मध्य प्रदेश मे भी हर साल सैकड़ों करोड़ रुपए का घोटाला शराब कारोबारियों और आबकारी विभाग की मिलीभगत से होता है। शराब कारोबार मे सरकारी खजाने को सुनियोजित रूप से नुकसान पहुंचाया जाता है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के निशाने पर शराब कारोबार से जुड़े किस तरह के अपराध होते हैं, यह मामला सामने आ चुका है। केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय द्वारा आबकारी विभाग में चल रहे घोटाले की ट्रैकिंग पिछले कई महीनो से की जा रही थी। सही तरीके से कार्रवाई हुई, तो इसमें बड़े-बड़े खुलासे होंगे। यह मामला मध्य प्रदेश का है। देशभर में इसी तरीके से फर्जी दस्तावेजों के जरिए बड़े पैमाने पर सरकारी खजाने में घोटाले किए जा रहे हैं। ट्रेजरी में चालान से और ऑनलाइन ट्रांसफर की गई राशि का मिलान कई-कई वर्षों तक नहीं हो पाता है। अधिकारियों की कोई रुचि नहीं रहती है। जिस तरीके से ट्रेजरी में लेन-देन बढ़ रहा है। वित्त मंत्रालय और वित्त विभाग के पास जो दस्तावेज प्रस्तुत किए जाते हैं। सरकार के खातों में जो रकम जमा होती है। उसका मिलान करने का सिस्टम नहीं होने से हर राज्य में अरबो रुपए की धोखाधड़ी बदस्तूर जारी है। विभागों और वित्त मंत्रालय की ट्रेजरी के बीच में ऐसा कोई तरीका नहीं अपनाया जाता है, जिससे यह पता लगे, कहां पर किस लेवल पर गड़बड़ी हो रही है। ईडी ने इस मामले में छापे डाले हैं। निश्चित रूप से नए-नए खुलासे होंगे। धोखाधड़ी और दस्तावेजों में हेरा-फेरी करके राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को अरबोँ रुपए का नुकसान हर महीने पहुंचाया जा रहा है। उसमें रोक लगेगी, यही आशा की जा सकती है।

## सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे। एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही।

# पहलगाम घटना के बाद भारत-पाक तनाव चरम पर पहुंचा

**किशन सनमुखदास भावनानीं**

- सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए एडवाइज़री ज़ारी-जम्मू सरकारी मेडिकल, स्टाफ,दवाइयां, उपकरण तैयार रखने के आदेश ज़ारी वैश्विक स्तरपर अब दुनियाँ के हर देश की ऐसी विचारधारा हो गई है कि,भारत अब दम रखता है, वैश्विक निर्णयों में हस्तक्षेप, अर्थव्यवस्था में दखल और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दमक व विकसित देशोंमें पैठ के चलते पहलगाम हमले नें मानों सोए शेर को जगा दिया है, या यूं कहें कि दुश्मन ने मधुमक्खियां के छत्ते में हाथ डाला है तो अंजाम तो भुगतना पड़ेगा ही, हालांकि भारतीय फौजी नेता या विशेषज्ञों ने सीधे तौर पर कोई बयान नहीं दिया है परंतु मेरा मानना है कि बौद्धिक क्षमता में निपुण हर भारतीय अब समझ गया है कि सरकार अब पहलगाम हमले का जबरदस्त जवाब देने के मूड में है, क्योंकि हम देख रहे हैं कि सिंधु नदी जल, वीजा, वाघा बॉर्डर इत्यादि पर सख्त फैसलों के बाद जम्मू के अस्पतालों मेडिकल कॉलेजों को अलर्ट करना, भारतीय सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर रहना तथा दिनांक 26 अप्रैल 2025 को देर शाम सभी मीडिया चैनलों प्लेटफॉर्मों के लिए एडवाइजरी जारी करना यह किसी बड़ी कार्रवाई की ओर इशारा करता है,जिसपर पूरा विश्व नजरे गड़ाए बैठा है,क्योंकि पूरे अंतरराष्ट्रीय जगत ने आतंकवाद के खिलाफ़ भारत के पक्ष में पुणे समर्थन दिया है, इसीलिए किसी ठोस कार्रवाई की उम्मीद लगाना वाजबी भी है। चूँकि अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत द्वारा पाक पर किसी सैन्य कार्रवाई या सर्जिकल स्ट्राइक की सुबसुबाहट हो रही है,पहलगाम हमले की जवाबीकार्रवाई पर सबकी नज़रें टिकी हुई है, तथा भारत-पाक ने सीमा पर तैनाती बढ़ाई है एवं केंद्र सरकार, विपक्ष, जम्मू कश्मीर सरकार, कश्मीरी आवाम हम साथ साथ हैं, वाली लाइन पर आ गए हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत पाक के बीच तनाव चरम पर पहुंचा, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए एडवाइजरी जारी, जम्मू सरकारी मेडिकल, स्टाफ, दवाइयां, उपकरण तैयार रखने के आदेश ज़ारी। साथियों बात अगर हम सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए एडवाइजरी जारी करने की करें तो, राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी मीडिया चैनलों, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण सलाह जारी की है। मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही से संबंधित किसी भी जानकारी का सीधा प्रसारण न

किया जाए। दरअसल, इससे पहले भी कई बार ऐसी घटनाओं को कवर करने को लेकर मीडिया पर सवाल उठ चुके हैं। ऐसे में प्रसारण मंत्रालय ने पहले ही मीडिया को सतर्क कर दिया है और सलाह दी है। एडवाइजरी में कहा गया है, राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से अनुरोध है कि वे सुरक्षा संबंधी अभियानों से जुड़े मामलों पर रिपोर्टिंग करते समय अत्यधिक जिम्मेदारी बरतें। मौजूदा कानूनों और विनियमों का सख्ती से पालन करें। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि संवेदनशील जानकारी का असावधानीपूर्वक प्रसारण राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। पुलवामा हमले के दौरान कुछ मीडिया चैनलों द्वारा सुरक्षा बलों की तैनाती और उनके ठिकानों की विस्तृत जानकारी प्रसारित करने पर सवाल उठे थे। विशेषज्ञों और रक्षा विश्लेषकों ने तर्क दिया था कि ऐसी जानकारी आतंकवादी समूहों तक पहुंच सकती है, जिससे सुरक्षा बलों के लिए जोखिम बढ़ जाता है।एडवाइजरी में कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकवादी हमले और कंधार विमान अपहरण जैसी पिछली घटनाओं का हलवा दिया गया है।यह दिशानिर्देश न केवल रक्षा अभियानों की गोपनीयता सुनिश्चित करेगा, बल्कि जनता में अनावश्यक भय और अफवाहों को भी रोकेगा। मंत्रालय नेमीडिया से अपील की है कि वे केवल सत्यापित और प्रामाणिक जानकारी ही साझा करें। यह सलाह सोशल मीडिया उपयोग कर्ताओं के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो अक्सर अनजाने में संवेदनशील जानकारी साझा कर देते हैं। मंत्रालय ने सभी से जिम्मेदार और सुरक्षित सूचना प्रसार की अपील की है, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता न हो। देशहित में मीडिया चैनल लाइव कवरेज करते हुए सावधानी बरतें। एडवाइजरी में 8 निर्देश दिए गए हैं। (1) राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया यूजर्स को सलाह दी जाती है कि वे अत्यंत जिम्मेदारी के साथ काम करें और रक्षा व अन्य सुरक्षा से संबंधित अभियानों की रिपोर्टिंग करते समय मौजूदा कानूनों और नियमों का सख्ती से पालन करें। (2) विशेष रूप से~रक्षा अभियानों या बलों की गतिविधियों से संबंधित किसी भी प्रकार का रियल-टाइम कवरेज,लाइव प्रसारण,या सूत्रों परआधारित जानकारी का प्रकाशन नहीं किया जाना चाहिए, संवेदनशील जानकारी का समय से पहले खुलासा करने से शत्रुतापूर्ण तत्वों को मदद मिल सकती है और इससे अभियानों की प्रभावशीलता और सुरक्षा बलों के कर्मियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। (3) पिछले घटनाक्रमों ने जिम्मेदार रिपोर्टिंग के महत्व को रेखांकित किया है। कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकवादी हमले (26/11), और कंधार अपहरण जैसी घटनाओं के दौरान, अनियंत्रित कवरेज का राष्ट्रीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। (4) मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और पर्सनल यूजर राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कानूनी दायित्वों के अलावा, यहहमारी सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी भी है कि हम अपनी कार्रवाइयों से जारी अभियानों या सुरक्षा बलों की सुरक्षा से समझौता न करें। (5) सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय पहले ही सभी टीवी चैनलों को केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियम, 2021 के नियम 6(1) (श्व) का पालन करने की सलाह दे चुका है। नियम 6(1) (श्व) कहता है कि, कोई भी कार्यक्रम केबल सेवा में प्रसारित नहीं किया जाएगा जिसमें किसी भी सुरक्षा बल द्वारा किए जा रहे किसी भी आतंकवाद विरोधी अभियान का लाइव कवरेज शामिल हो, जहां मीडिया कवरेज को केवल सरकार द्वारा नामित अधिकारी द्वारा समय-समय पर ब्रीफिंग तक सीमित रखा जाएगा, जब तक कि ऐसा अभियान समाप्त नहीं हो जाता (6) यह ऐसा प्रसारण केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियम, 2021 का उल्लंघन है और इसके तहत कार्रवाई के लिए उत्तरदायी है। इसलिए, सभी टीवी चैनलों को सलाह दी जाती है कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में किसी भी आतंकवाद विरोधी अभियान और सुरक्षा बलों की गतिविधियों का लाइव कवरेज न करें। मीडिया कवरेज को सरकार द्वारा नामित अधिकारी द्वारा समय-समय पर की गई ब्रीफिंग तक सीमित किया जा सकता है, जब तक कि अभियान समाप्त न हो जाए। (7) सभी हितधारकों से अनुरोध है कि वे सतर्कता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ रिपोर्टिंग जारी रखें, और राष्ट्र की सेवा में उच्चतम मानकों को बनाए रखें। (8) यह आदेश मंत्रालय के सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से जारी किया गया है।

# भगवान परशुराम ने समाज में एकता व समरसता का संदेश दिया

**किशन सनमुखदास भावनानीं**

वैश्विक स्तरपर भारत को पृथ्वी का सबसे बड़ा आध्यात्मिक महाकुंभ कहा जाता है, ऐसे विचार मैंने अनेकों बार बड़े बुजुर्गों से सुने हैं परंतु वर्तमान समय में हम देख रहे हैं कि कैसे बड़े-बड़े धार्मिक आध्यात्मिक आयोजन भारत में होते रहते हैं, जिसका सबसे बड़ा सटीक उदाहरण हमने अभी महाकुंभ के रूप में देखा जिसनें पूरी दुनियाँ में एक मिसाल कायम की है,हमारे बड़े बुजुर्गों का आदि अनादि काल से कहना रहा है कि जब- जब पृथ्वी पर अन्याय अत्याचार व पापों का सैलाब आता है तो ऊपर वाला किसी ने किसी रूप में अवतरित होकर उन पापियों अत्याचार्यों का दमन करने आते हैं। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 29 अप्रैल 2025 को ऐसे ही एक अवतार भगवान विष्णु के छठवें अवतार परशुराम के रूप में हुआ था, इसीलिए ही इस न्याय के देवता की जयंती इस दिन बड़ी धूमधाम से मनाई जाती है, वैसे इस दिन अक्षय तृतीया भी होती है परंतु इस वर्ष 2025 में अक्षय तृतीया 29 या 30 दोनों दिन मनाने की खबरें आ रही है।चूँकि भगवान परशुराम ने समाज में एकता समरसता का संदेश दिया है जो उनकी जयंती का महत्वपूर्ण पहलू है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भगवान विष्णु के छठवें अवतार परशुराम जयंती महोत्सव 29 अप्रैल 2025, परशुराम ने धरती पर अन्याय व अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई थी यह पूरी जानकारी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से ली गई है व इसकी सटीकता का प्रमाण नहीं है परंतु आदि अनादि काल से यह रीत चली आ रही है। साथियों बात अगर हम भगवान परशुराम के जीवन को जानने की करें तो, उन्होंने एकता का सूत्र संसार को दिया है। सभी जाति और समाजों में समरसता का संदेश दिया है। भारतीय वाङ्मय में सबसे दीर्घ जीवी चरित्र परशुराम जी का है। सतयुग के समापन से कलयुग के प्रारंभ तक उनका उल्लेख मिलता है। भगवान परशुराम जी के जन्म समय को सतयुग और त्रेता का संधिकाल माना जाता है। भारतीय इतिहास में इतना दीर्घजीवी चरित्र किसी का नहीं है। वे हमेशा निर्णायक और नियामक शक्ति रहे। दुष्टों का दमन और सत-पुरूषों को संरक्षण उनके चरित्र की विशेषता है। उनका चरित्र अक्षय है, इसलिए उनकी जन्म तिथि वैशाख शुक्ल तृतीया को माना गया। इस दिन का प्रत्येक पल, प्रत्येक

क्षण शुभ मुहूर्त माना जाता है। विवाह के लिए या अन्य किसी शुभ कार्य के लिए अक्षय तृतीया के दिन अलग से मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं है। उनके जीवन का समूचा अभियान, संस्कार, संगठन, शक्ति और समरसता के लिए समर्पित रहा है। मानव जीवन को व्यवस्थित ढांचे में ढाला भगवान परशुराम ने मानव जीवन को व्यवस्थित ढांचे में ढालने का महत्वपूर्ण कार्य किया। दक्षिण के क्षेत्र में जाकर वहां कमजोर समाज को एकत्रित कर समुद्र तटों को रहने योग्य बनाया। अगस्त ऋषि से समुद्र से पानी निकालने की विद्या सीख कर समुद्र के किनारों को रहने योग्य बनाया। एक बंदरगाह बनाने का भी प्रमाण परशुराम जी का मिलता है। वही परशुराम जी ने कैलाश मानसरोवर पहुंचकर स्थानीय लोगों के सहयोग से पर्वत का सीना काटकर ब्रह्म कुंड से पानी की धारा को नीचे लाये जो ब्रह्मपुत्र नदी कहलायी। भगवान परशुराम समतावादी समाज का निर्माण करने वाले थे। भले ही उन्हें ब्राह्मणों का हितैषी और क्षत्रियों का विरोधी माना जाता रहा है। यह परशुराम जी को बेहद संकुचित आधार पर देखने की दृष्टि है। हम महापुरुषों को उनकी जाति के आधार पर देखते हैं। परंतु इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में दिया गया है कि उन्होंने क्षत्रियों को इसलिए पराजित नहीं किया कि वह क्षत्रिय थे या ब्राह्मण नहीं थे। उन्होंने क्षत्रिय समाज के उन अहंकारी राजाओं को परास्त किया जो समाज रक्षण का मूल धर्म भूल गए थे। क्षत्रियों पर उनके क्रोध के पीछे का कारण को समझने से पता चलता है कि उस समय क्षत्रियों के अत्याचार और अन्याय इतने बढ़ गए थे कि उन्होंने क्षत्रियों को सबक सिखाने का प्रण किया। दूसरा अपने मौसा जी सहस्त्रबाहु द्वारा अपने पिता के आश्रम पर आक्रमण और पिता की हत्या ने भी परशुराम के क्रोध को भड़का दिया।

साथियों बात अगर हम हिंदू धर्म में परशुराम जयंती के खास महत्व की करें तो, हिन्दू धर्म में परशुराम जयंती का खास महत्व है, पंचांग के अनुसार, हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली तृतीया तिथि पर विष्णु जी के छठे अवतार भगवान परशुराम जी की जयंती मनाने का विधान है, भगवान विष्णु के इस अवतार को बहुत ही उग्र माना जाता है,धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन सच्चे मन से भगवान परशुराम की पूजा करने से ज्ञान, साहस और शौर्य आदि की प्राप्ति होती है, साथ ही जीवन में खुशियां बढ़ती हैं। भगवान परशुराम जयंती का धार्मिक महत्व परशुराम जयंती पर श्रद्धालु व्रत रखते हैं, भगवान परशुराम की प्रतिमा या चित्र की विधिपूर्वक पूजा करते हैं, उनके जन्म की कथा का पाठ, हवन और दान करना भी इस दिन विशेष पुण्यकारी माना जाता है, परशुराम जी को ब्राह्मण और क्षत्रिय दोनों के गुणों का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उनकी पूजा से ज्ञान, शक्ति और न्याय की प्राप्ति होती है। भगवान परशुराम सात चिरंजीवियों अश्वत्थामा, राजा बलि, परशुराम, विभीषण, महर्षि व्यास, हनुमान, कृपाचार्य इनमें से एक हैं। भगवान विष्णु के छठे अवतार एवं ब्राह्म्ण जाति के कुल गुरु परशुराम, जिनकी जयंती वैशाख शुक्ल अक्षय तृतीया के दिन मनाई जाती है। मत्स्य पुराण के अनुसार इस दिन जो कुछ भी दान किया जाता है वह अक्षय रहता है यानि इस दिन किए गए दान का कभी भी क्षय नहीं होता है। सतयुग का प्रारंभ अक्षय तृतीया से ही माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार भगवान शिव के परम भक्त परशुराम न्याय के देवता हैं, जिन्होंने 21 बार इस पृथ्वी को क्षत्रिय विहीन किया था।

साथियों बात अगर हम भगवान परशुराम के भृगु वंशी होने की करें तो, यह वही भृगु वंश है, जिसमें भृगु ऋषि ने अग्नि का आविष्कार किया था। श्रीमद्भगव द्गीता के दसवें अध्याय में भगवान ने कहा-मैं ऋषियों में भृगु हूं ! महर्षि भृगु को संसार का पहला प्रचेता लिखा गया है। विष्णु पुराण के अनुसार नारायण को ब्याहीं श्री लक्ष्मी महर्षि भृगु की ही बेटी थीं। समुद्र मंथन से उत्पन्न लक्ष्मी तो उनकी आभा थी। भृगु वंश में ही महर्षि मार्कण्डेय, शुक्राचार्य, ऋचीक, विधाता, दधीचि, त्रिशिरा, जमदग्नि, च्यवन और नारायण का ओजस्वी अवतार भगवान परशुराम जी का जन्म हुआ।महर्षि भृगु को अंतरिक्ष, चिकित्सा और नीति का जनक माना जाता है। अंतरिक्ष के ग्रहों और तारागणों की गणना का पहला शास्त्र भृगु संहिता है।

# सनातन धर्म में अक्षय तृतीया का विशेष महत्व

**- डॉ श्रीमती शारदा मेहता**

सनातन धर्म के तीज त्योहारों में अक्षय तृतीया का महत्व है। अष्ट चिरंजीवियों में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले महर्षि परशुरामजी का जन्म अक्षय तृतीया के दिन हुआ था। इसीलिए अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर श्री परशुराम जयन्ती मनाई जाती है। स्थान-स्थान पर चल समारोह का आयोजन किया जाता है। इसी दिन श्री परशुरामजी के जीवन से सम्बन्धित घटनाओं पर संस्मरणात्मक भाषण प्रसारित कर युवा पीढ़ी को महर्षि के विषय में अवगत करवाया जाता है।अक्षय तृतीया का दिन विशेष दान पुण्य का दिन है। इस दिन पितृ के निमित्त भी दान दिया जाता है-एष धर्म घटो दत्रो ब्रह्म विष्णु शिवात्मकरू। अस्य प्रदानात् तप्यन्त पितरोऽपि पितामहारू।। (धर्म सिन्धु)इस दिन खरबूजा, आम, पंखा, पानी से भरा कलश, शकर सत्तू, दक्षिणा सहित दान किया जाता है। ग्रीष्म ऋतु का प्रारम्भ हो जाने से दान दी गई इन समस्त वस्तुओं का विशेष महत्व हो जाता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान का भी विशेष महत्व है।इस पवित्र अवसर पर अबूझ मुहूर्त रहता है। अतः कई समाज द्वारा सामूहिक विवाह, गृह प्रवेश मुंडन, यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन किया जाता है। यह एक प्रशंसनीय पहल है क्योंकि विवाह समारोह में धन का अपव्यय होता है। प्रतिस्पर्धात्मक आयोजन होने से फिजूल खर्च होता है। आलीशान

होटलें और विशाल गार्डन जहाँ इव्हेन्ट मेनेजमेंट द्वारा विवाह समारोहों का आयोजन किया जाता है में अपनत्व का अभाव परिलक्षित होता है। आगन्तुक अतिथि अपने-अपने कक्ष में स्मार्ट फोन पर चर्चा में व्यस्त दिखाई देते हैं। संगीत निशा तथा प्री-वेडिंग कार्यक्रम भी प्रतिस्पर्धात्मक होते जा रहे हैं। अपनी क्षमता से अधिक नृत्य करने से कई प्रतियोगियों की जीवनलीला समाप्त हो जाती है, कुछ घायल भी हो जाते हैं। बारात के चल समारोह में नृत्य करते हुए आगे बढ़ना भी अत्यधिक चलन में है, जिससे सड़कों पर यातायात बाधित होता है। यह एक विचारणीय प्रश्न है जिसका निराकरण समाज के प्रबुद्धजनों को आपसी चर्चा के माध्यम से करना चाहिए। इन समारोहों में न्यूनता लाकर इनसे बचने वाली धनराशि को हम नव विवाहित दम्पति को उपहार स्वरूप दे दें तो उन्हें भविष्य में आवश्यकता के समय वे इसका सदुपयोग कर सकेंगे।अक्षय तृतीया, वसन्त पंचमी, देवोत्थान एकादशी, देवशयनी एकादशी आदि ऐसी तिथियाँ हैं, जिन पर सामूहिक विवाह तथा उपनयन संस्कार का आयोजन कर कन्यादान का पुण्य अर्जित किया जा सकता है और एक बड़ी धनराशि का सदुपयोग नवयुगलों के लिए किया जा सकता है। अक्षय तृतीया के दिन ही भगवान श्रीकृष्ण ने वनवास के समय द्रौपदी को अक्षय पात्र भेंट किया था जो उन्हें सर्वदा उपयोग में आता था। एक बार दुर्वासा ऋषि अपने शिष्यों के साथ पांडवों से भेंट करने आए। अतिथि सत्कार के पश्चात् युधिष्ठिरजी ने उन्हें भोजन के लिए आमंत्रित किया। द्रौपदी के लिये यह एक विपदा की घड़ी थी, क्योंकि अक्षय पात्र का भोजन समाप्त हो चुका था। उन्होंने श्रीकृष्ण से प्रार्थना की। तत्काल उन्हें चावल का एक कण अक्षय पात्र में दिखाई दिया। ऋषि दुर्वासा अपने शिष्यों के साथा नदी से स्नान कर वापस आए, तब तक सम्पूर्ण भोजन तैयार था। जब सभी ने अपनी क्षुधा पूर्ति की और आशीर्वाद देकर वहाँ से बिदा ली।

पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार पवित्र नदी गंगाजी का स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरण अक्षय तृतीया के दिन ही हुआ था। भगवान श्रीकृष्ण के परम मित्र सुदामा भी अक्षय तृतीया के दिन ही द्वारिकापुरी में उनसे मिलने आए थे। श्रीकृष्ण ने उन्हें अक्षयदान दिया था जिसका सुदामाजी को ज्ञान नहीं था। कहा जाता है कि त्रेता युग का आरम्भ भी अक्षय तृतीया के दिन हुआ था। हमारे सनातन धर्म में इतना अधिक महत्व रखने वाली अक्षय तृतीया के बारे में मत्स्य पुराण कहता है-तृतीयां समभ्यर्च सोपवासो जनार्दनम्।

# बेटी गूंजन का हुआ केरला पीटी ऊषा एकेडमी में चयन

**कुरुक्षेत्र, 29 अप्रैल ( सुदेश कुमार ) :** कुरुक्षेत्र के गांव धंतौड़ी की बेटी गूंजन का केरला में विश्व की सर्वश्रेष्ठ धावक रही पीटी ऊषा की एकेडमी में चयन हुआ है। इस एकेडमी में खिलाड़ी गूंजन 800 मीटर दौड़ का प्रशिक्षण ग्रहण करेगी। अहम पहलु यह है कि इस खिलाड़ी को तराशने में हरियाणा खेल विभाग के प्रशिक्षक चांद राम का अहम योगदान है। इतना ही नहीं खिलाड़ी गूंजन धंतौड़ी से रोजाना सुबह व सायं के समय अपने पिता प्रदीप कुमार के साथ अभ्यास करने के लिए द्रोणाचार्य स्टेडियम में पहुंचती है। जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार ने खिलाड़ी गूंजन और उनके प्रशिक्षक चांद राम को इस उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह खिलाड़ी निश्चित ही आने वाले समय में सराहनीय प्रदर्शन करेगी और देश के लिए मेडल जीतेगी। इस खिलाड़ी ने पिछले 3 सालों में खूब मेहनत की है, जिसके परिणामस्वरूप ही केरला राज्य में भारत की नहीं विश्व की सर्वश्रेष्ठ धावक रही पीटी ऊषा की अकेडमी में चयन हुआ है। इस अकेडमी में खिलाड़ी गूंजन को हर प्रकार की उच्च स्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। प्रशिक्षक चांद राम ने खिलाड़ी गूंजन को बधाई देते हुए कहा कि इस खिलाड़ी से नर्सरी में अभ्यास कर रहे 50 से ज्यादा खिलाडियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

यह सभी खिलाड़ी पिछले 3 सालों से सुबह और सायं के समय द्रोणाचार्य स्टेडियम में अभ्यास कर रहे है। इस नर्सरी की खिलाड़ी गूंजन 800 मीटर दौड़ में लगातार अभ्यास कर रही है।

इनकी मेहनत के कारण ही गूंजन का चयन पीटी ऊषा एकेडमी केरला के लिए हुआ है। उन्होंने कहा कि उनके पिता प्रदीप कुमार के योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता। वह मोटरसाइकिल से अपनी बेटी को सुबह व शाम गांव धंतौड़ी से द्रोणाचार्य स्टेडियम में लेकर आए। इनकी बेटी गूंजन में कुछ कर गुजरने की लालसा कूट-कूट कर भरी हुई है। उन्होंने कहा कि अब उनकी नर्सरी के खिलाड़ी अच्छे परिणाम लाने के लिए तैयार हो चुके है।

## डीसी ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेकर अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

**कैथल, 29 अप्रैल ( प्रवेश बहादुर ) :** डीसी प्रीति ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों की दृढ़ता से पालना की जाए। सभी अधिकारी हर संभव प्रयास करके दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाएं। विशेष अभियान चलाकर विद्यार्थियों व आमजन को सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में जागरूक किया जाए, वहीं कॉलेजों के बाहर नाके लगाकर यातायात नियमों का पालन न करने वालों के चालान किए जाएं। जहां-जहां सड़कों की मुरम्मत की जानी है, वहां पर सड़कों को दुरूस्त किया जाए, ताकि कोई घटना न घटे। जो बसें सुरक्षित स्कूल वाहन पोलिसी के तहत खरी नहीं उतर रही है, उन बसों को इम्पाउंड किया जाए। डीसी प्रीति सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रही थीं।

डीसी ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक गंभीर विषय है, जोकि मानव जीवन से जुड़ा हुआ है। अधिकारियों के साथ-साथ आमजन भी अपनी जिम्मेदारियों को समझें और सभी सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें। उन्होंने निर्देश जारी किए कि वे अपने-अपने विभागों में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करवाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे समय-समय पर इससे संबंधित बैठकें लेते रहे तथा इसकी रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय में भिजवाएं। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि पिछले तीन माह से अनेकों बसों में अभी भी नियमों का पालन नहीं हो रहा है, जोकि बहुत बड़ी लापरवाही है। ऐसी बसों पर एक सप्ताह के अंदर-अंदर नियमानुसार कार्रवाई करें। उन्होंने आरटीए को निर्देश दिए कि जो अधिकारी इस कार्य में लापरवाही बरतता है तो उसके खिलाफ नोटिस जारी करें। डीसी प्रीति ने पुलिस विभाग को सख्त निर्देश दिए कि वे अवैध पार्किंग व गलत साइड पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई करें। यातायात नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ चालानिंग बढ़ाई जाए। उन्होंने आरटीए को निर्देश दिए कि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए ओवर लोड वाहनों का चालान किया जाए। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन सड़कों को मुरम्मत की जरूरत है, उनको जल्द से जल्द दुरूस्त किया जाए। सड़क निर्माण में सामग्री की गुणवता सही होनी चाहिए। वन विभाग के अधिकारी सड़कों पर टहनियों की छंटाई करवाना सुनिश्चित करें। सड़क सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी तालमेल के साथ बेहत्तर कार्य करे। आरटीए गिरिश कुमार ने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा गत मार्च माह में 3169 चालान किए गए, जिसमें 25 लाख 89 हजार 700 रुपये का चालान किए गए। इसी प्रकार आरटीए विभाग द्वारा 103 चालान किए गए, जिसमें 33 लाख 78 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

## नई शिक्षा नीति 2020 को पूरे प्रदेश में लागू करने वाला पहला राज्य बनेगा हरियाणा : महिपाल ढांडा

**लाडवा/बाबैन, 29 अप्रैल ( राम गोपाल/राजेश कुमार ) :** शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 को पूरे प्रदेश में लागू करने वाला हरियाणा पहला राज्य बनेगा। इस शिक्षा नीति में बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ उद्यमिता विषय को पढ़ाया जाएगा। इतना ही नहीं पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें इंटर्नशिप करना भी अनिवार्य होगा। इस तरह की पढ़ाई करके युवा बेरोजगारों की लाइन में लगने की बजाय खुद का रोजगार करने योग्य होंगे। यह तभी संभव होगा जब हमारे शिक्षक बच्चों को सरकार की नीति और सोच के अनुसार तैयार किए हुए पाठ्यक्रम को लागू करवाएंगे। शिक्षामंत्री महिपाल ढांडा मंगलवार को संजय गांधी ओमप्रकाश गर्ग मेमोरियल स्कूल बाबैन में आयोजित वार्षिक उत्सव एवं परितोषित वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। इससे पहले स्कूल परिसर में बनाए जाने वाली यज्ञशाला का शिलान्यास किया और शिक्षामंत्री ने स्कूल भ्रमण को यादगार बनाने के लिए स्कूल परिसर में पौधारोपण भी किया। स्कूल के हाल में छात्रों द्वारा लगाई गई साइंस प्रदर्शनी का शिक्षामंत्री ने निरीक्षण किया और बच्चों से प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी भी ली। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि सरकार के पास सरकारी नौकरी सीमित संख्या में उपलब्ध

है। सभी पद भरे जाने के बाद भी लाखों युवा बेरोजगार रहते हैं, बेरोजगार युवाओं को किस प्रकार इस दलदल से बाहर निकल जाए, पहले की किसी भी सरकार ने इस विषय पर विचार नहीं किया। हमारी सरकार ने सबसे पहले युवाओं को बेरोजगारी से बाहर निकालने की व्यवस्था की, युवाओं के लिए स्वरोजगार नीति को लेकर आए। साथ ही नई शिक्षा नीति बनाकर उसके अंदर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने का काम किया। उन्होंने कहा कि अब युवा अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद सरकारी नौकरी लेने के पीछे भागने की बजाय स्वरोजगार अपनाकर दूसरों को नौकरी देने वाला बनेगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षक को अपनी कक्षा के सभी बच्चों की रुचि के विषय का पता लगाकर उसको अपनी भाषा में ज्ञान देना होगा। उसे ज्ञान रूपी आशीर्वाद से युवा अपनी स्किल का पूर्ण ज्ञान पाकर अपने रोजगार को खड़ा करने में सफल होगा। शिक्षकों को आज की जरूरत के हिसाब से शिक्षा देनी होगी। स्कूल में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने हरियाणवी, पंजाबी, देशभक्ति गीतों पर अपनी प्रस्तुति दी। इसके अलावा मोबाइल से होने वाले दुष्परिणामों को भी एक नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किया। बच्चों की इन प्रस्तुतियों को उपस्थित परिजनों व अतिथियों ने खूब सराहा। इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष पवन गर्ग, सरपंच संजीव सिंगला बाबैन, भाजपा नेता सुभाष कलसाना, गुरदेव सिंह, मेघराज सैनी, प्रिंसिपल सुरेश सैनी, जिला शिक्षा अधिकारी संतोष शर्मा, जोगिंदर बंसल, नरेंद्र सिंगल, सरदार जितेंद्र सिंह, स. मनदीप सिंह, रोहित गर्ग, हरप्रीत चीमा सहित अन्य व्यक्ति मौजूद रहे।

## भगवान परशुराम धर्म, न्याय और पराक्रम के प्रतीक : रामकुमार कश्यप

**इंद्री, 29 अप्रैल ( बिशपाल राणा ) :** विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने कहा कि भगवान परशुराम को न्याय, धर्म और पराक्रम का प्रतीक माना जाता है। वे एक महान योद्धा और विद्वान थे। परशुराम जयंती हमें धर्म और न्याय के मार्ग पर चलना का संदेश देती है। उनका जीवन त्याग, तपस्या और कर्तव्यनिष्ठा का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। आज के समय में भगवान परशुराम के आदर्श और शिक्षाएं और भी प्रासंगिक हो जाती हैं। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में सत्य, न्याय और सद्भाव स्थापित करने की दिशा में काम करना चाहिए। विधायक एवं

गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप मंगलवार को बड़ा गांव में भगवान परशुराम जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। विधायक रामकुमार कश्यप का फूल-मालाओं और पगड़ी पहनाकर भव्य स्वागत किया गया, साथ ही उन्हें परसा( भगवान परशुराम का शस्त्र) भेट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्होंने परशुराम जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक त्योहार नहीं है, बल्कि यह हमें अपने गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ता है। यह दिन हमें भगवान परशुराम के गुणों को अपने जीवन में आत्मसात करने और एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि महापुरुष किसी धर्म में जाति के नए होकर सर्व समाज के होते हैं उनके बताए रास्ते पर चलकर हम अपनी आने वाली पीढियों को अच्छा नागरिक बनने के लिए जागरूक कर सकते है। उन्होंने आमजन से अपील की कि महापुरूषों के बताए रास्तों पर चलकर समाज को आगें बढ़ाने का कार्य करें।

केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में व प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार देश व प्रदेश को आगे ले जाने का कार्य कर रही है। परन्तु जब तक जनता का सहयोग नहीं होगा तब तक कोई भी अभियान सफल नही हो सकता है। इसलिए सभी समाज में फैली बुराईयों को दूर कर एक सभ्य समाज के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बनें और इसमें हम सबको मिलकर योगदान देना होगा।

इस मौके पर प्रधान प्रेम शर्मा, संजय शर्मा, कृष्ण शर्मा, मुकेश, नरेंद्र शास्त्री, वेद शर्मा, अजय, योगेंद्र, कमलजीत, भाजपा नेता धर्मपाल शांडिल्य, सरपंच अमित, इंद्री भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र भूषण, माहित राणा, विनोद शर्मा सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहें।

# गांव बतौड़ में धूमधाम से मनी भगवान परशुराम जयंती
## पूर्व सरपंच लक्ष्मण बतौड़ ने दी समाज को एकजुट रहने की प्रेरणा

**बरवाला, 29 अप्रैल ( प्रवीन कुमार ) :** गांव बतौड़ में भगवान परशुराम जयंती महोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा भाव से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह मंदिर परिसर में हवन-यज्ञ के साथ किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रात्रि के समय भजन-कीर्तन का आयोजन भी हुआ, जिससे सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। जयंती महोत्सव में पूर्व सरपंच लक्ष्मण बतौड़, कैप्टन सतपाल राणा और राहुल राणा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और हवन यज्ञ में आहुति डाली। इस अवसर पर निकु, रवि, सतपाल शर्मा, रमेशचंद, मंगत शर्मा, सोमनाथ, डॉ. मदन शर्मा, मोनू समेत अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

***पूर्व सरपंच लक्ष्मण बतौड़ का संबोधन :***

अपने संबोधन में पूर्व सरपंच लक्ष्मण बतौड़ ने कहा कि भगवान परशुराम शस्त्र और शास्त्र दोनों के महान ज्ञाता थे। उन्होंने अपना समस्त जीवन भगवान की भक्ति और समाज सेवा में समर्पित किया। लक्ष्मण बतौड़ ने कहा कि भगवान परशुराम ने अन्याय और बुराईयों के खिलाफ सदैव आवाज उठाई और एक सशक्त, न्यायप्रिय समाज की स्थापना की। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आह्वान करते हुए कहा कि हमें भी अपने पूर्वजों के दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज में फैली बुराईयों का डटकर विरोध करना चाहिए और एक आदर्श समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए। लक्ष्मण बतौड़ ने युवाओं से परंपराओं को जीवित रखने और संस्कृति के संरक्षण में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह भी किया। कार्यक्रम का समापन भव्य भंडारे के साथ हुआ, जिसमें सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

## इनैलो के स्थापना दिवस पर अपने घरों पर पार्टी का झंडा लगाऐ : राजेंद्र कश्यप

**बाबैन, 29 अप्रैल ( राजेश कुमार ) :** इनेलो के लाडवा हल्का प्रधान राजेंद्र कश्यप दूधला ने आज पार्टी के स्थापना दिवस पर गांव दुधला में पार्टी का झंडा लगाया और सभी कार्यकर्त्ताओं से अपिल कि वे अपने घरों पर आज पार्टी का झंडा लगाऐं। हल्का प्रधान राजेंद्र कश्यप दूधला ने कहा कि पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता आज पार्टी का स्थापना दिवस मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि 29 अप्रैल 1998 को चुनाव आयोग द्वारा स्वीकृति मिलने के पश्चात इनेलो के सभी प्रत्याशी चश्मे के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़े थे।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला के दिशानिर्देशों अनुसार प्रत्येक ज़िला, विधानसभा और ज़ोन स्तर पर जननायक स्व चौधरी देवी लाल जी और स्व चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की फोटों पर फूल मालाएँ अर्पित करके पार्टी का स्थापना दिवस मना रहे हैं और पार्टी नीतिओं और भविष्य की योजनाओं से जनता को अवगत करवा रहे हैं। चौधरी देवी लाल किसान, कमेरे, व्यापारी, विद्यार्थी व आमजन के सच्चे हितैषी थे। आज के माहौल में प्रदेश का भला सिर्फ और सिर्फ चौधरी देवी लाल जी की नीतियों का अनुसरण करके ही हो सकता है। इस अवसर पर करनैल खटकड, संदीप खटकड, सुरमख खटकड, भरपुर खटकड, हरि सिंह, रणधीर सिंह, नंबरदार कर्म सिंह मौजूद रहे।

## महर्षि कश्यप जयंती के लिए विधायक ने दिया न्यौता

**शाहाबाद, 29 अप्रैल ( रूबी ) :** मंगलवार को स्थानीय विश्रामगृह में कश्यप समाज युवा विंग के प्रधान सुरेंद्र कश्यप माजरी की अध्यक्षता में कश्यप समाज की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें इंद्री से विधायक रामकुमार कश्यप ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की। विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि 23 मई को लाडवा में महर्षि कश्यप जयंती का आयोजन प्रदेश स्तर पर किया जाएगा। जिसमें मुख्यमंत्री नायब सैनी मुख्यातिथि के रूप में शिकरत करेंगे। उन्होंने बताया कि इस जयंती में लाखों की संख्या में लोग शिरकत करेंगे। रामकुमार कश्यप ने कहा कि प्रदेश सरकार महापुरुषों के इतिहास एवं उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग को जन-जन तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं गांव-गांव जाकर कश्यप समाज के लोगों के साथ अन्य समुदायों को भी समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दे रहे हैं। इस मौके पर पूर्व जिला परिषद सदस्य सुरेन्द्र कश्यप माजरी, प्रधान रमेश कश्यप, जिला प्रधान गुरनाम कश्यप, सुरेन्द्र कश्यप, ब्लॉक समिति सदस्य धर्मपाल, नरेश कश्यप खेड़ा, गुर्जेंट कश्यप, सतीश कुमार, काका कश्यप,निर्मल कुमार, गुरमीत कश्यप, अमीर चंद, कर्मपाल कश्यप, रामकरण, शिव चरण कश्यप, गुलशन कश्यप, ईश्वर कश्यप, जगदीश कश्यप, राहुल कश्यप, मंगत कश्यप, प्रद्युम्न मंधेड़ी, रविन्द्र कश्यप, हैप्पी कश्यप आदि मौजूद थे।

### आज कैबिनेट मंत्री बरवाला में परशुराम जयंती उत्सव होंगे मुख्य अतिथि

**हिसार, 29 अप्रैल ( मनमोहन शर्मा ) :** कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा 30 अप्रैल को परशुराम जयंती उत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम ब्राह्मण धर्मशाला बरवाला में आयोजित किया जाएगा। परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री भाग लेंगे तथा संबोधित करेंगे। इसके अतिरिक्त कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा कार्यक्रम पश्चात जन समस्याएं भी सुनेंगे। इस दौरान सभी विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

## भगवान परशुराम जी का जीवन तपस्या के साथ-साथ हमें एकता व अखण्डता का संदेश भी देता है : विकास शर्मा

**बाबैन, 29 अप्रैल ( राजेश कुमार ) :** बाबैन की पूरानी अनाजमंडी में स्थित हनुमान मंदिर में इलाके के ब्राह्मण समाज के लोगों के द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित बलविंद्र शर्मा, बीरभान शर्मा, मंगु शर्मा, भुपेंद्र शर्मा के पावन सान्निध्य में विधिवत हवन के साथ हुई, जिसमें बड़ी संख्याा में लोगों ने भाग लिया और आहुति अर्पित कर धर्म, सत्य और समाज सेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। भगवान इस मौके पर बाबैन मंडल प्रधान विकास शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम जी का जीवन तपस्या के साथ-साथ

हमें एकता व अखण्डता का संदेश भी देता है।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव की सभी को शुभकामनाएं देते उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम जी व तृतया युग में अपना धनुष श्री राम को सौंपा व द्वापर युग में श्री कृष्ण को सुदर्शन चक्र सौंपा था। नंबरदार एसोसिएसन के पूर्व जिला प्रधान उपदेश शर्मा ने भगवान परशुराम जन्मोत्सव की सभी को सुभकामनाऐं देते हुए कहा कि आज ग्राह्मण समाज जागृत हो चुका है और प्रदेश व देश में लोग बढ चढ कर भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाते है। उन्होंने कहा कि हमें भगवान परशुराम की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। इस मौके पर पंडित फकीर चंद शर्मा, सरपंच संजीव सिंगला, आन्नद शर्मा, पूर्व सरपंच कृष्ण शर्मा झंडौला, डा. महिंद्र शर्मा बाबैन, किरण शर्मा, सुरेंद्र शर्मा बाबैन, शशीकांत शर्मा, कदम शर्मा, कृष्ण गौड रामशरण माजरा, सुभाष मोदगिल, दवेंद्र शर्मा डीग, ओमप्रकाश बिंट, बंशी शर्मा, चेतन शर्मा, छतरपाल शर्मा, अनिल शर्मा बाबैन, रंगी शर्मा, विनोद शर्मा, नरेश शर्मा, राजेश शर्मा, राकेश शर्मा, चंद्रमणी अत्री, जसमेर कसीथल, उत्तर शर्मा, मदन शर्मा व ब्राह्मण समाज के अनेक गण्मान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

## डीएवी रतिया में क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन

**रतिया, 29 अप्रैल ( अमन सेठी ) :** डीएवी पब्लिक स्कूल रतिया में क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। सीबीएसई द्वारा निर्धारित संसाधन व्यक्ति के रूप में सौरभ रहे। कार्यशाला का शुभारंभ प्रधानाचार्या मोनिका खन्ना व किरण धवन की अगवानी में माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वालित कर किया गया। इस कार्यशाला में डी. ए. वी. रतिया के लगभग 60 अध्यापक उपस्थित रहे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विद्यार्थियों की प्रतिभा को उजागर करना रहा। कार्यशाला में आज का मुख्य विषय जीवन कौशल रहा। विद्यार्थियों को इन कौशलों से किस प्रकार अवगत करवाना चाहिए। इनमें अन्य बातों के साथ-साथ संप्रेषण कौशल, अन्तर्वैयक्तिक

कौशल, समय प्रबंधन, दल कार्य, लचीलापन, समस्या समाधान, व्यावसायिक कौशल, निर्णय लेने के कौशल, नेतृत्व क्षमता और सार्वभौमिक मूल्य द्वारा अध्यापकवर्ग को विभिन्न गतिविधियों से जीवन कौशल के माध्यम से विभिन्न अवधारणाओं के बीच सृजनात्मक रूप के बारे में जानकारी दी। उन्होने बताया कि इस प्रकार के अनुभव बच्चों को विभिन्न अवधारणाओं की बेहतर समझ और ज्ञान के सृजन की ओर ले जाते हैं। छात्रों के विभिन्न विषय क्षेत्रों में सहसम्बन्ध बनाए। उनके द्वारा करवाई गई गतिविधियों में अध्यापकों ने बढ़ -चढ़ कर भाग लेकर अपनी अहम् भूमिका निभाई औरअपने विषय के साथ विभिन्न विषयों का ज्ञान अर्जित किया। इसी श्रृंखला में उन्होंने तनाव मुक्त रह कर विधार्थियो को योगा व संगीत के माध्यम से तनाव मुक्त रखे। अंत में प्रधानाचार्या जी ने बताया कि सीबीएसई समय-समय पर इस प्रकार के सेमिनार आयोजित करती रहती है ताकि अध्यापक नए विचार और सामग्री लेकर अपनी कक्षाओं में जाकर बच्चों का चहुंमुखी विकास कर सके। सफलता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य तय करना बहुत जरूरी है। अंत में प्रधानाचार्या जी ने रिसोर्स पर्सन सौरभ जी का तहदिल से शुक्रिया अदा किया।

# कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने मॉडल टाउन हिसार में महा रक्तदान शिविर में की शिरकत

**हिसार, 29 अप्रैल ( मनमोहन शर्मा ) :** कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने मंगलवार को मॉडल टाउन हिसार में आयोजित महा रक्तदान शिविर में भाग लिया। यह शिविर पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में उनकी माता शकुन्तला देवी की स्मृति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने रक्तदाताओं को उनके इस मानवीय कार्य हेतु हार्दिक शुभकामनाएं एवं धन्यवाद प्रकट किया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि रक्तदान एक महान सेवा है, जिससे अनेक लोगों को जीवनदान मिलता है। उन्होंने शिविर के आयोजकों तथा सभी स्वयंसेवकों के प्रयासों की भी सराहना की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में हिसार विधायक सावित्री जिंदल भी उपस्थित रहीं। विधायक सावित्री जिंदल ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और ऐसे सामाजिक कार्यों को निरंतर बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया और रक्तदान करके समाज सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया।

# पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में शहीद हुए भारतीयों को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च निकाल दी श्रद्धांजलि

**कैथल, 29 अप्रैल ( प्रवेश बहादुर ) :** पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में 28 निर्दोष भारतीयों की जान ले ली गई। पूरे देश के अन्दर इस आतंकी हमले के कारण बहुत गुस्सा है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला व कैथल विधायक आदित्य सुरजेवाला के दिशा निर्देशानुसार कैथल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी व कैंडल मार्च निकाला। जिसका नेतृत्व हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य सुदीप सुरजेवाला ने किया। सुदीप सुरजेवाला ने सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ हरियाणा शहीद स्मारक पर शहीदों को नमन किया और नवग्रह चौंक तक कैंडल मार्च निकालते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि दी। सुदीप सुरजेवाला ने कहा कि पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले से हमारे 28 भारतीयों के साथ जो कत्लेआम किया गया है। उससे सारा देश स्तब्ध है। हिंदुस्तान के बच्चे बच्चे में आतंकियों के खिलाफ रोष व गुस्सा है। हमारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से अपील है कि आतंकियों और उनका पोषण करने वालों को सख्त से सख्त सजा दें ताकि उन्हें पता चले कि हमला करने का क्या परिणाम होता है। पूरा विपक्ष और हिन्दुस्तान का हर वासी सरकार के साथ है। जब देश पर बात आती है तो राजनीति से ऊपर उठकर उचित फैसले लेने चाहिए और आतंकियों व उनके संरक्षकों को मुंह तोड़ जवाब देना चाहिए। इस अवसर पर उनके साथ रामनिवास मित्तल, सुरेन्द्र रांझा, दर्शन खनौदा, सुरेन्द्र रांझा, सुशीला शर्मा, पीएल भारद्वाज, अनिल खुरानिया, टेक चन्द वर्मा, मोहन शर्मा क्योड़क, बृजपाल राणा, कविश मिड्ढा, बलविंद्र सरपंच जसवंती, संदीप सरपंच पट्टी अफगान, हरि मिश्रा, रामफल नौच, सतबीर गुहना, इंद्र मुच्छल, जयकिशन माने, लखमी पबनावा, जयपाल शर्मा, मुकेश नंबरदार, लवली गुलाटी, विनोद चहल, परवीन नैन, कुलदीप दिल्लोंवाली, नेश चट्टा, जसबीर मानस, दुर्गेश गर्ग, जसबीर गुर्जर, अनिल गुर्जर, बलवान मलिक, दर्शन शर्मा, सुनील कुतुबपुर, हिम्मत छौत, सत्यदेव छौत, महिपाल गढ़ी, ऋषि, जितेंद्र गढ़ी, मनीष सिक्का, धर्मवीर कैमिस्ट, धर्मवीर सैनी, सुशील शर्मा सहित अन्य साथी मौजूद रहे।

# इनैलो के 22वें स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं ने दिखाई एकजुटता

**शाहाबाद, 29 अप्रैल ( रूबी ) :** इंडियन नैशनल लोकदल के 22वें स्थापना दिवस के अवसर पर रतनगढ़ में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। यह आयोजन इनैलो नेता सूरजभान के प्रतिष्ठान पर संपन्न हुआ, जहाँ बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एकत्रित हुए। कार्यकर्त्ताओं ने अपनी-अपनी गाडियों पर इनैलो पार्टी का झंडा लगाकर पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। जिला प्रधान जयपाल चढ़ूनी ने कार्यकर्त्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इनैलो पार्टी अपने सिद्धांतों व जनहित के मुद्दों पर हमेशा अडिग रही है। उन्होंने कहा कि यह स्थापना दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि पार्टी के इतिहास, संघर्ष और समर्पण को याद करने का दिन है। इस अवसर पर हल्का प्रधान सूबे सिंह औजला, सूरजभान रतनगढ़, नरेन्द्र खानपुर, जसबीर त्यौड़ी, पारस चढ़ूनी, रामचन्द्र ढोलामाजरा, गुरजंट खरींडवा, मदन गोपाल, रामस्वरूप जंधेड़ी, गुरविन्द्र बाछल, गुरमीत खरींडवा, प्रदीप, हरबंस गिल आदि उपस्थित थे।

# नगर निगम क्षेत्र की 108919 संपत्तियां सत्यापित, प्रदेश में पहले स्थान पर म्हारा यमुनानगर-जगाधरी

**यमुनानगर, 29 अप्रैल ( दिनेश कुमार ) :** नगर निगम क्षेत्र की 108919 संपत्तियां सत्यापित हो चुकी है। 50.08 प्रतिशत संपत्तियां सत्यापित कर नगर निगम यमुनानगर-जगाधरी प्रदेश में पहले स्थान पर है। शत प्रतिशत संपत्तियां सत्यापित करने के लिए नगर निगम प्रयासरत है। निगम कर्मी जहां घर-घर जाकर संपत्ति मालिकों से उनकी संपत्तियां सत्यापित करवा रहे है। इसके अलावा तीनों निगम कार्यालयों के नागरिक सुविधा केंद्रों में भी संपत्ति सत्यापित की जा रही है। यहां संपत्तियां सत्यापित करने के लिए लोगों की आपत्तियां दर्ज कर उनका समाधान भी किया जा रहा है। निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अपनी संपत्ति स्वयं सत्यापित करें। संपत्ति सत्यापित करने से जहां उनकी प्रॉपर्टी सुरक्षित रहेगी। वहीं, उनकी प्रॉपर्टी आईडी से कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकेगा। यदि संपत्ति मालिक अपनी प्रॉपर्टी स्वयं सत्यापित करने में असमर्थ है तो वह निगम कार्यालयों में अपनी प्रॉपर्टी स्वयं सत्यापित करवा सकते है। स्वयं संपत्ति सत्यापित करने से उनकी प्रॉपर्टी आईडी लॉक हो जाएगी। इसके बाद कोई भी बाहरी व्यक्ति उनकी प्रॉपर्टी आईडी से छेड़छाड़ नहीं कर सकेंगे। ऐसा करने से प्रॉपर्टी मालिक प्रॉपर्टी से संबंधित किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी से भी बच जाएगा। जब तक नगर निगम क्षेत्र की हर संपत्ति सत्यापित नहीं हो जाती, यह कार्य जारी रहेगा।

**प्रदेश के नगर निगमों में अब तक सत्यापित हुई संपत्तियों का ब्यौरा**

**नगर निगम : कुल संपत्तियां - सत्यापित - प्रतिशत**

यमुनानगर : 217447 - 108919 - 50.08 प्रतिशत

हिसार : 155496 - 65895- 42.37 प्रतिशत

पानीपत : 180422 -67790 - 37.57 प्रतिशत

पंचकुला : 103457 - 37516 - 36.26 प्रतिशत

करनाल : 169699- 57148 - 33.67 प्रतिशत

मानेसर : 159869 - 50550 - 31.61 प्रतिशत

रोहतक : 217837 - 68834 - 31.59 प्रतिशत

गुरुग्राम : 695646 -176046 - 25.30 प्रतिशत

अंबाला : 125564 - 31250 - 24.88 प्रतिशत

फरीदाबाद : 726394 -165174- 22.73 प्रतिशत

सोनीपत : 197330 - 43694 - 22.14 प्रतिशत

**बॉक्स**

**ऐसे करें अपनी प्रॉपर्टी आईडी स्वयं सत्यापित**

अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार व क्षेत्रीय कराधान अधिकारी अजय वालिया ने बताया कि प्रॉपर्टी आईडी सत्यापित करवाना बहुत जरूरी है। प्रॉपर्टी मालिक स्वयं भी अपनी प्रॉपर्टी आईडी सत्यापित कर सकते है। प्रॉपर्टी आईडी स्वयं सत्यापित करने के लिए प्रॉपर्टी मालिक सबसे पहले एनडीसी की साइट पर जाए। न्यू रजिस्ट्रेशन पर क्लिक करें और अपना ब्यौरा दर्ज करें। अपने रजिस्ट्रेशन मोबाइल नंबर से लॉगिन करें और सर्च फील्ड से प्रॉपर्टी आईडी सर्च करें। प्रॉपर्टी का ब्यौरा दर्ज करें। जहां हां या नहीं के दो विकल्प मिलेंगे। यदि आपकी आईडी सहीं है तो हां पर क्लिक कर अपनी आईडी सत्यापित करें। यदि आपकी आईडी सही नहीं है तो नहीं पर क्लिक करें और आवश्यक दस्तावेज सहित आपत्ति दर्ज करें। यदि प्रॉपर्टी मालिक स्वयं आईडी प्रमाणित करने में सक्षम नहीं है तो वह निगम के तीनों कार्यालयों के नागरिक सुविधा केंद्रों अर्थात सीएफसी के काउंटरों पर जाकर अपनी प्रॉपर्टी आईडी सत्यापित करवा सकते है।

# गन्ने के रस से जैन साध्वी के वार्षिक तप का पारण आज करेंगी

### *अक्षय तृतीया पर गन्ने के रस का प्रयोग करने से जीवन में मिठास आती है*

**करनाल, 29 अप्रैल ( सोनी दुआ ) :** जैन साध्वी मानवी महाराज ने कहा है कि जैन धर्म में अक्षय तृतीया का अपना ही महत्व हैं। इस दिन जैन धर्म के प्रथम तीर्थकर ने एक साल तक विना आहार के रहने के बाद गन्ने के रस से पारण किया था। उसके बाद जैन साधु और साध्वियां गन्ने के रस से उपवस का पारण करते हैं। उन्होंने बताया कि तीस अप्रैल को सुबह नौ बजे जैन साध्वी सोनाक्षी जी महाराज अपने तीसरे वार्षिक तप का पारण गन्ने के रस से करेंगी। उनका पारण समाज द्वारा करवाया जाएगा। जैन साध्वी मानवी जी महाराज ने कहा कि अक्षय तृतीया को गन्ने के रस का प्रयोग अवश्य ही करना चाहिए। इससे जीवन में मिठास बनी रहती हैं। उन्होंने कहा कि जैन धर्म जीयो और जीने दो के सिद्धांत पर चलता है। जैन साध्वी मानवी महाराज के प्रवचन लंबे समय से चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी को मिल कर भाई चारे के साथ रहना चाहिए। इस अवसर पर एसएसजैन सभा हनुमान गली के महामंत्री नवीन जैन गौरव जैन आदि उपस्थित थे।

# समारोह में 51 विभूतियों को प्रतिभा सम्मान से किया गया सम्मानित

**करनाल, 29 अप्रैल ( संदीप रोहिला ) :** आर.के.वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा प्रेरणादायक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम समाज के उन प्रतिभाओं को समर्पित रहा, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर समाज को गौरवान्वित किया है। इस भव्य समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए डी.ई.ई.ओ रोहताश वर्मा ने मुख्य अतिथि, डॉ. आर के श्री वास्तव और स्वामी प्रेम मूर्ति जी के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना और दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि रोहतास वर्मा और डा. श्री वास्तव ने संस्था द्वारा किए कार्यों की प्रशंसा की। उनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायक शब्दों ने सभी उपस्थित लोगों को नई ऊर्जा और नया संकल्प दिया। कार्यक्रम में छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां जैसे हरियाणवी नृत्य, पंजाबी डांस, कथक आदि विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इन सुपर किड्स की प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया और खूब तालियां बटोरी। समारोह के दौरान कुल 51 विभूतियों को प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। ये सभी सम्मानित व्यक्ति विभिन्न क्षेत्रों से थे। सामाजिक संस्थाओं, शिक्षक, समाजसेवी, चिकित्सक व खेल क्षेत्र में इनका योगदान प्रशंसनीय रहा है। आर.के.वेलफेयर फाउंडेशन का यह प्रयास समाज में सकारात्मक ऊर्जा, प्रेरणा और सामाजिक समर्पण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर फाउंडेशन के फाउंडर राकेश भारद्वाज ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संस्था निरन्तर समाजसेवा के क्षेत्र में अपना योगदान देती रहेगी। इस अवसर पर राकेश भारद्वाज, ईश्वर सिंह, निशा मेहता, शैलजा गुप्ता, आशीष, अनीता, पूनम, सत्यनारायण, संजीव गोयल, सागर, मीनाक्षी शर्मा, मनीषा, विक्रम, दीपक, संदीप, संकल्प, डॉ. सुषमा, मीनाक्षी, डॉ. किरण, अजय शर्मा, संदीप मेहता, महकप्रीत, गुरप्रीत, सोनिया, विजेंद्र सिंह सहित विभिन्न लोग मौजूद रहे।

# ताऊ देवी लाल ने विश्व स्तर पर हरियाणा का मान बढ़ाया : सुरजीत शामगढ़

### *आतंकी हमले में शहीद हुए विनय नरवाल को पार्टी का झंडा झुकाकर मौन रखकर कर श्रद्धांजलि अर्पित*

**करनाल, 29 अप्रैल ( संदीप रोहिला ) :** आज इंडियन नेशनल लोकदल स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय शाखा ग्राउंड करनाल में पहुंचकर सर्वप्रथम पहलगाम में आतंकी हमले में शहीद हुए विनय नरवाल को पार्टी का झंडा झुकाकर मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद पार्टी मुख्यालय पर इंडियन नेशनल लोकदल के स्थापना 29 अप्रैल 1998 को चौधरी देवी लाल की गई थी तो जिला कार्यालय पर झंडा फहराकर शुभकामनाएं व बधाई प्रेषित की। जिलाध्यक्ष सुरजीत शामगढ़ ने सम्बोधित करते हुए कहा कि जगत ताऊ देवीलाल एक महान आत्मा थे जिन्होंने 29 अप्रैल 1998 को इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी की स्थापना की जिसका उद्देश्य जनता व किसान समेत सभी वर्गों के हितों में कार्य करना और उनके हकों की आवाज को पूरजोर तरीके से उठाया। जगत ताऊ देवी लाल ने हरियाणा प्रदेश का विश्व स्तर पर मान बढ़ाने का काम किया क्योंकि वे एकमात्र ऐसे नेता थे जिन्होंने सभी समाजवादी नेताओं को एक मंच पर लाकर देश की सत्ता को अपने हाथ में लेकर जनहितैषी कार्य करके गौरवान्वित कार्य किया। वो सदा स्मरणीय रहेंगे। हमें उनकी नीतियों का अनुसरण करते हुए इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी को मजबूत कर आगामी समय में सरकार बनाना है। लौहपुरुष चौधरी ओम प्रकाश चौटाला को स्मरण करते हुए कहा कि जिस प्रकार लौहपुरुष चौधरी ओमप्रकाश चौटाला ने सरकार आपके द्वार कार्यक्रम चलाकर जनता के हितों में नीतियां तैयार कर लाभ पहुंचाने का काम किया उसी प्रकार से हम सब साथियों को गांव-गांव जाकर नीतियों से अवगत कराना है। इसके बाद भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर परशुराम चौंक पर पहुंचकर पुष्प अर्पित कर बधाई प्रेषित की। इस मौके पर मुख्य रूप से सुरजीत सन्धू, यशवीर राणा, धर्मवीर पाढा, प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण कुटेल, राम कुमार ऐबला, कविता धनखड़, जयपाल पूनिया, मेहर सिंह रोड, सुमेर काछ्वा, मनिन्द्र पूनिया, मन्नु कश्यप, नरेश सांभली, रामफल जुण्डला, ओम प्रकाश काम्बोज, एडवोकेट जय प्रकाश काम्बोज, राजेश बतान, सुरेश रोड, बलवान बाल्मीकि, अरुण कुमार, रघुबीर कल्याण, कृपाल सिंह, विशाल मान व अन्य उपस्थित रहे।

# मन की उड़ान साहित्यिक द्वारा 11वां साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित

**करनाल, 29 अप्रैल ( सोनी दुआ ) :** मन की उड़ान साहित्यिक द्वारा 11वां साहित्यिक कार्यक्रम एमडीडी बाल भवन प्रांगण में आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता ग़ज़लकार शाबिर ख़ान ने की, मुख्य अतिथि वरिष्ठ शायर डॉ एस के शर्मा, विशिष्ट अतिथि कवयित्री डॉ कान्ता वर्मा व कवि अरूण कुमार कैहरबा, विशेष अतिथि के तौर पर कवि बलवान सिंह मानव व एमडीडी बाल भवन संस्थापक पीआर नाथ व अध्यक्ष परमिंदर पाल सिंह रहे। काव्य की शुरुआत कुमारी खुशबू ने सरस्वती वंदना से की। कार्यक्रम अध्यक्ष शाबिर ख़ान ने कहा हमें देश की एकता और भाईचारे को बढ़ावा देना है जिससे आतंकियों के मंसूबे सफल न हों ,कवयित्री डॉ कान्ता वर्मा ने कहा गुस्से के अब बांध बना दो थर-थर कांपे लाहौर कराची, दुश्मन को अब धर्म बता दो कसम तुझे है भारत मां की, कवि अरूण कुमार कैहरबा ने कहा भाषा बहता नीर कबीरा देता सबको धीर कबीरा,अपनी बोली से शर्माते देखे हमने वीर कबीरा, पंचकूला से पधारे कवि बलवान सिंह मानव ने कहा आ सनम तेरा श्रृंगार करूं,दिल से थोड़ा प्यार करूं,शायर इकबाल पानीपती ने कहा न हिन्दू मुस्लिम न सिख ईसाई वो शक्ल-ए-इसां में हैं दरिन्दे, जहां में इकबाल बेगुनाहों का खूं जो नाहक बहा रहे हैं, मुख्य अतिथि वरिष्ठ शायर डॉ एस के शर्मा ने कहा बे इरादा नज़र उनसे टकरा गई, जिंदगी में अचानक बहार छा गई, कवयित्री अंजू शर्मा ने कहा माता और बहनों को लक्ष्मी बाई बनना होगा, युद्धभूमि में शत्रु को मार भगाना होगा,मन की उड़ान मंच संस्थापक रामेश्वर देव ने कहा लहू टपकता है आंखों से अंतड़ी फड़कती है,जब पत्नी की मांग ओर मां की गोद उजड़ती है,

युवा शायर आशीष ताज नीलोखेड़ी ने कहा नफरतों को शर्म से मिसमार होना चाहिए,आदमी को आदमी से प्यार होना चाहिए,गुरमुख सिंह वैडच ने कहा जनाजे को मेरे रूकवा के बोले,ये लौटेंगे कब तक कहां जा रहे हैं, कवयित्री सुषमा चौपड़ा ने कहा हमेशा दूसरों को रोशनी दिया करते, चिराग अपने लिए तो नहीं जला करते, डॉ श्याम प्रीति ने कहा कि करो प्रतीक्षा खेलने की उम्र में बच्चे को ,शादी में कभी नहीं जकड़ा जाएगा,शायर अशोक मलंग ने कहा गमगीन आज आलम जन्नत की वादियों में, पसरा हुआ है मातम जन्नत की वादियों में, कवि राकेश आदि ने कहा ना करो बाबूल मुझ पे अत्याचार,ना करो बचपन में मेरा सिंगार, युवा शाइर करनजीत सिंह ने कहा तुम देखो परखो इन्हीं को ये भोले चेहरे वो ही हैं,सेठो की गद्दी खातिर जो पीढीयों से शोषण सहते आऐ,संगीता मिगंलानी ने कहा साथी हमारा कौन बनेगा, तुम न बनोगे कौन बनेगा,कवि अंकित कुमार ने कहा हवाओं के बरखो पे लिख,भेजा है एक संदेश तेरे लिए, कोई बरसों से राह देख रहा बन कर दरवेश तेरे लिए, कवि दयाल जास्ट ने कहा अपने दिल की कह दे भई के धर्मा चुपचाप क्ह,शायर रविन्द्र सरोहा ने कहा गर तुम चाहते दरख्तों पर परिंदे फिर सच्ची मोहब्बत की इमायत कीजिए, कार्यक्रम में डॉ बलदेव सिंह, सुरेन्द्र कल्याण, कुमारी भूवी द्वारा प्रस्तुति दी गई, इस अवसर पर गोपाल दास, नवीन कुमार,देव ,शीला रानी, गुरमीत सिंह,आफ़रीन सहित श्रोतागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अध्यक्ष मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथियों व विशेष अतिथि को अंग वस्त्र शाल व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। मंच का संचालन कवयित्री सुषमा चौपड़ा ने किया। कार्यक्रम में पहलगाम में शहीद हुए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल सहित अन्य लोगोंको मौन रखकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई।

# भगवान श्री परशुराम जी की कृपा सब पर बनी रहे एवं हर घर में सुख शांति रहे : राजेश वैध

**नीलोखेड़ी, 29 अप्रैल ( दर्शन शर्मा ) :** भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर गांव अमूपुर में भगवान परशुराम सेवा समिति द्वारा आयोजित श्री परशुराम जयंती में माथा टेक आशीर्वाद लिया। ब्राह्मण समाज के आत्मीय स्नेह और सत्कार से मन भाव-विभोर हो गया। प्रधान रमेश गोड, विनोद शर्मा, संदीप भट्ट, राहुल शर्मा, गौशाला के प्रधान प्रवीन गर्ग समेत सभी ग्रामीणों का सम्मान के लिए आभार। इस शुभ पर्व पर करनाल जिला में प्रथम स्थान व 90त्न से अधिक अंक प्राप्त करने वाली बेटियों को सम्मानित किया गया। भगवान परशुराम जी की कृपा सभी पर बनी रहे, हर घर-आंगन में सुख-शांति और समृद्धि का वास हो, सबका मंगल व कल्याण हो, यही कामना करता हूं।

# जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार शारदा ने घरौंडा उप-मण्डल स्तरीय न्यायालय का किया उद्घाटन

**घरौंडा, 29 अप्रैल ( नरेंद्र लाठर ) :** जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार शारदा मंगलवार को सब डिवीजन, घरौंडा पहुंचे जहां उन्होंने उप-मंडलीय स्तर पर न्यायालय का शुभारम्भ किया। इस मौके पर सी जे एम एवं सचिव व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव इरम हसन व अधिवक्तागण भी उपस्थित थे। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार शारदा ने पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया व रिबन काटकर न्यायालय उद्घाटन किया। इस मौके पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार शारदा ने बताया कि न्याय सब के लिए सुलभ करवाने के उद्देश्य से सब डिवीजन घरौंडा में न्यायालय की स्थापना की गई हैं। यह अदालत घरौंडा के सिविल जज ( जूनियर डिवीजन) गौरांग शर्मा द्वारा सभी कार्य दिवस पर लगाई जाएगी। इसमें घरौंडा व आस पास के गांवों के सिविल व आपराधिक मुकदमे रखे जाएगे। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा हेल्प डेस्क लगाकर उपस्थित लोगों को 10 मई को लगने वाली नेशनल लोक अदालत व साइबर क्राइम के बारे में जानकारी दी।

# भगवान परशुराम मंदिर में पूजन का कार्य संपन्न हुआ

**यमुनानगर, 29 अप्रैल ( संजीव कुमार ) :** भगवान परशुराम जन्मोत्सव तथा खेड़ा बाबा की यज्ञ को लेकर गोविंदपुरी के खेड़ा मंदिर एवं भगवान परशुराम भवन स्थित भगवान परशुराम मंदिर में भगवान परशुराम जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा हेतु विशेष पूजा अर्चना शुरू हुई। इस मौके पर श्री यमुना जी से 11 कलश जल के भरकर भगवान परशुराम जी का जल वास करवाया गया। इसके अतिरिक्त खेड़ा मंदिर में विशेष पूजन तथा भगवान परशुराम मंदिर में भी पूजन आदि का कार्य संपन्न हुआ। पूजन कार्य में मुख्य रूप से राकेश त्यागी, मुकेश त्यागी, मनोज त्यागी, राकेश शर्मा काका, रामपाल त्यागी, गौरव त्यागी, अरुण त्यागी, अजय, भीमसेन, कन्हैया त्यागी, नरेश बाबा तथा वीरेंद्र त्यागी मुख्य रूप से उपस्थित रहे और पूजन का कार्य संपन्न करवाया। मौके पर पंडित मोहनलाल शर्मा तथा उनके 10 अन्य सहयोगियों द्वारा विशेष अनुष्ठान करवाया गया। इस मौके पर पंडित मोहनलाल शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा तथा खेड़े बाबा के यज्ञ हेतु 3 मई तक विशेष पूजन चलेगा तथा 3 मई शनिवार को मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। सभी गांव गोविंदपुरी वासियों के सहयोग से यह पुण्य कार्य करवाया जा रहा है। जलवास के बाद भगवान परशुराम जी का अन्न वास किया जाएगा तथा इसके उपरांत अन्य प्रकार के पूजन संपन्न करवाए जाएंगे। इस मौके पर गगन शर्मा, कीर्तिशर्मा, वरुण शर्मा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

# परशुराम जन्मोत्सव एवं अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस धूमधाम से मनाया गया

**हांसी, 29 अप्रैल ( मनमोहन शर्मा ) :** स्थानीय यदुवंशी शिक्षा निकेतन में को परशुराम जन्मोत्सव एवं अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम धार्मिक श्रद्धा और सांस्कृतिक उल्लास का एक अनुपम संगम बन गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर व दीप प्रज्वलन के साथ हुई। विद्यालय के छात्रों को परशुराम जी के जीवन से संबंधित प्रेरक कहानियाँ सुनाई गईं, जिनमें उनके तप, त्याग, न्यायप्रियता और शौर्य को विस्तारपूर्वक बताया गया। शिक्षकों ने बच्चों को समझाया कि परशुराम जी का जीवन सदैव धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस के विशेष अवसर पर बच्चों ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियां दी।

शिक्षक और शिक्षिकाओं ने भी इस दिवस को जीवंत बनाते हुए नृत्य प्रस्तुतियाँ दीं।शिक्षक-शिक्षिकाओं की भागीदारी ने विद्यार्थियों को कला के महत्व को गहराई से समझने का अवसर दिया।

इस दिवस के अवसर पर ड्राइवर, कंडक्टर एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने भी उत्साह पूर्वक भाग लिया। उनकी प्रस्तुति ने समरसता और सामूहिक उत्सव की भावना को और प्रगाढ़ कर दिया।

यदुवंशी ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं चेयरमैन श्री राव बहादुर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान परशुराम केवल एक योद्धा नहीं थे, बल्कि वे ज्ञान, धर्म और संस्कृति के रक्षक भी थे। विद्यालयों में इस प्रकार के आयोजन छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील कुमार ने परशुराम जयंती और अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस की बधाई देते हुए कहा कि नृत्य आत्म-अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है, जो हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ता है। साथ ही, परशुराम जी जैसे महान चरित्रों की कहानियाँ बच्चों में नैतिक मूल्यों को जाग्रत करती हैं।

## विष्णु अवतार भगवान परशुराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

**बाबैन, 29 अप्रैल ( राजेश कुमार ) :** गांव भगवानपुर में मौदगिल परिवार की ओर से विष्णु अवतार भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर हवन यज्ञ का आयोजन किया गया और सभी लोगों ने यज्ञ में आहुतियां डाली उसके बाद सभी लागों को प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर पंडित राजेंद्र मोदगिल ने भगवान परशुराम जन्मोत्सव की सभी को सुभकामनाऐं दी और ब्राह्मण समाज के लोगों से आह्वान किया कि वे गांव स्तर पर भगवान परशुराम जनमोत्सव मनाऐं। इस मौके परं मौदगिल परिवार से श्याम लाल, राजेंद्र, पवन व राहुल , वत्स परिवार से देशराज, प्रकाश, मामराज, लोकेश, उत्तर, राजेंद्र व संटी, अत्री परिवार से सोहन लाल, पवन, अश्वनी, राजकुमार शर्मा बरगट, समाजसेवी बब्बू सुरा, रामकुमार, फूल शर्मा उपस्थित थे।

# शास्त्र और शस्त्र के अनूठे समन्वयक भगवान परशुराम

भगवान विष्णु के छठे अवतार थे भगवान परशुराम जी अक्षय तृतीया ( वैशाख मास के शुक्ल पक्ष) को भगवान परशुराम जी ने अवतार लिया था। भगवान परशुराम जी का जन्म ऋषि जमदग्नि और पत्नी रेणुका के गर्भ से हुआ । यह बताया जाता है कि भगवान परशुराम आज भी जीवित हैं।सत्य बात यह है कि भगवान परशुराम ही अक्षय हैं ,जो आज वर्तमान में भी हैं। सृष्टि के प्रारंभ से आज तक अश्वत्थामा,बलि,व्यास, विभीषण, हनुमान, कृपाचार्य और परशुराम ऐसे हैं जिन्हें अपने शरीर का त्याग नहीं किया। भगवान परशुराम ने श्रीराम को विष्णु धनुष प्रदान किया जिससे वह रावण जैसे का संहार कर सकें। भगवान कृष्ण को सुदर्शन चक्र भी भगवान परशुराम जी द्वारा ही प्रदत्त है। अस्त्र-शस्त्र विद्या आशुतोष महादेव ने सिखाई और परशु विद्या श्रीगणेश ने। परशुराम जी से सत्य की रक्षा के लिए क्रोध? आवश्यक है। भगवान परशुराम जी किसी जाति के विरोधी नहीं थे, बल्कि असत्य और दुर्गुणों के विरोधी थे।यही कारण था कि जब कर्ण के जाति संबंधी असत्य के बारे में जानकारी मिली तो उन्होंने उन्हें श्राप दे दिया। यह विद्या तुम अपने संकट काल में भूल जाओगे और महाभारत के समय में ऐसा ही हुआ था। भगवान श्रीराम के द्वारा सीता स्वयंवर के समय धनुष तोड़ा गया।तब भगवान परशुराम क्रोध में इसलिए प्रगट हुए क्योंकि यह धनुष भगवान परशुराम द्वारा त्यागा गया। यह धनुष भगवान शिव का था। जनक की सबा में? राम के सत्य को पहचानते ही धनुष तोड़ने वाले राम से भेंट के उपरांत उन्होंने अपना फरसा भी त्याग कर तपस्या में लीन हो गये। अपने जीवन में उन्होंने श्रीराम जी का ही लोहा लेने माना। भगवान परशुराम जी ने 21 बार शत्रुओं से युद्ध करके पृथ्वी को जीता। वे शास्त्रों के अध्ययन के साथ स्वाभिमान की रक्षा और देत्यों के दमन के लिए शस्त्र उठाने का साहस भी स्वयं में पैदा करते थे। अत: भगवान परशुराम जी ने समयानुसार उत्कृष्ट आचरण का आदर्श स्थापित किया। उनके विचार

आज भी प्रासंगिक हैं।उनकी वाणी युगों-युगों तक मानव जीवन के लिए प्रेरणा देती रहेगी। उनकी वाणी आज भी प्रासंगिक हैं।

***डॉ. मुकेश कुमार ( हिंदी साहित्य विशेषज्ञ ) की कलम से...***

# किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय सैनी ने नरेश टिकैत के देशद्रोही ब्यानबाज़ी के खिलाफ देशभर में आक्रोश है

**कैथल, 29 अप्रैल ( प्रवेश बहादुर ) :** पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा 26 हिंदू तीर्थयात्रियों की निर्मम हत्या के बाद पूरा देश आक्रोशित है। देश की जनता एकजुट होकर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तान को करारा जवाब देने की मांग कर रही है।

भारत सरकार ने कठोर निर्णय लेते हुए पाकिस्तान के साथ राजनीतिक संबंध समाप्त कर दिए हैं, बाघा-अटारी बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट समारोह को रद्द कर दिया गया है, सभी पाकिस्तानियों के वीजा रद्द कर दिए गए हैं और उन्हें भारत छोड़ने के लिए निर्देशित किया गया है। इसके अतिरिक्त, भारत ने सिंधु जल संधि 1960 को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने सिंधु जल संधि के अनुच्छेद 12(3) के तहत संधि में संशोधन की औपचारिक मांग करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते।

तथाकथित किसान नेता नरेश टिकैत की दुर्भाग्यपूर्ण टिप्पणियाँ ऐसे समय में जब पूरा देश एकजुट है, कुछ तथाकथित किसान नेता राष्ट्र विरोधी बयान देकर देश के जख्मों पर नमक छिड़कने का कार्य कर रहे हैं।

नरेश टिकैत ने कहा कि भारत सरकार को सिंधु जल संधि को रद्द नहीं करना चाहिए था, क्योंकि भारत और पाकिस्तान का किसान एक है। हम नरेश टिकैत से पूछना चाहते हैं — जो देश हमारे निर्दोष नागरिकों की हत्या करवा रहा है, उसके हुक्का-पानी को बंद क्यों न किया जाए? बार-बार भारत की पीठ में छुरा घोंपने वाले पाकिस्तान के प्रति प्रेम का आखिर क्या औचित्य है? यदि

पाकिस्तान से इतना ही प्रेम है, तो नरेश टिकैत पाकिस्तान चले जाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि नरेश टिकैत का यह बयान शहीदों और उनके परिवारों का अपमान है। उन्हें देश की जनता और किसानों से माफी मांगनी चाहिए। नरेश टिकैत ने तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। हम पूछना चाहते हैं कि यदि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं है, तो हर बार पकड़े गए आतंकवादी एक ही धर्म से क्यों होते हैं? उन माताओं-बहनों से जाकर पूछिए, जिनके परिवारजनों को धर्म पुछकर बेरहमी से मारा गया ।

भाजपा किसान मोर्चा की मांग

भाजपा किसान मोर्चा पूरे देश की जनता की ओर से मांग करता है कि ऐसे तथाकथित किसान नेता नरेश टिकैत को देश और किसानों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

साथ ही, समाज और किसानों को चाहिए कि ऐसे राष्ट्रविरोधी बहरूपियों का सामाजिक बहिष्कार करें और उनका हुक्का-पानी बंद कर दें।

भारत सरकार का ऐतिहासिक निर्णय आज़ाद भारत के इतिहास में पहली बार भारत सरकार ने सिंधु जल संधि को निरस्त कर पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया है कि अब देश आतंकवाद को किसी भी सूरत में सहन नहीं करेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार की स्पष्ट नीति है —आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते।

इस मौके पर जिला मीडिया प्रभारी राज रमन दीक्षित, चेयरमैन मार्किट कमेटी सीवन धर्मपाल शर्मा, चरण सिंह बाजीगर, कुलदीप सैनी डॉ बलराज सिंह, भूरा सैनी, पूर्व पंच बलजीत सिंह, शुभम सैनी, लक्ष्य कुमार, अमित कुमार प्रदीप भट्ट डॉक्टर श्रवण कौशिक डॉक्टर जितेंद्र ठुकराल अरुण वर्मा आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

# परिश्रम करने वाले ही बढ़ते है जीवन में आगे : राधे श्याम शर्मा

**असंध, 29 अप्रैल ( दलसिह मान ) :** जीवन चानन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। द्वितीय वर्ष की छात्राओं की ओर से तृतीय वर्ष की छात्राओं के सम्मान में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा, पूर्व वाइस चांसलर सिरसा राधे श्याम शर्मा, महाविद्यालय के निदेशक रमेश बत्रा, सचिव सुशील गर्ग, खजांची चमन लाल पाहवा व शिक्षण महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. पूजा सलूजा ने द्वीप प्रज्वलित करके किया। द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने उनके सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक

प्रस्तुति प्रस्तुत दी। द्वितीय वर्ष की छात्राओं की ओर से मंच संचालन का कार्यभार महक गुप्ता व कृति शर्मा ने बड़ी कुशलता के साथ किया। तृतीय वर्ष की ओर से छात्राओं ने मंच संचालन शिवानी व काजल ने किया और अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। पूर्व वाइस चांसलर राधे श्याम शर्मा ने तृतीय वर्ष की छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि छात्राएं अपनी मेहनत और लगन से बड़े से बड़े मुकाम को हासिल कर सकती है। परंतु मन में एक जज्बा और एक लगन होनी चाहिए । परिश्रम करने वाले ही जीवन में आगे बढ़ते है। उन्होंने अपने बहुत से अनुभव छात्राओं के साथ सांझा किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर रेखा शर्मा ने भी छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी । उन्होंने कहा अपने संस्कारों के साथ उड़ान भरो। हमें अपने संस्कार हमेशा याद रखना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व वाइस चांसलर सिरसा राधे श्याम शर्मा के द्वारा नवाचार कक्ष का उद्घाटन किया गया। प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा ने कहा कि इस नवाचार कक्ष का उद्देश्य छात्राओं में पढ़ाई के साथ-साथ इनको अन्य कौशल भी सिखाया जाए ताकि यह भविष्य में आत्मनिर्भर बन कर अपना जीवन अच्छे से व्यतीत कर सके। विदाई समारोह के औपचारिकता निभाते हुए इस अवसर पर मिस जे.सी व मिस ओकेजन को चुना गया। जिसमें मिस जे.सी का खिताब बी.एस.सी की छात्रा शिवानी शर्मा को दिया गया और मिस ओकेजन का खिताब बी.एस.सी की छात्रा काजल को दिया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा, महाविद्यालय के निदेशक रमेश बत्रा, सुशील गर्ग, चमन लाल पाहवा, डॉ. सिमरत पाल, डॉ. हेमलता शर्मा, डॉ रेखा बंसल, सुषमा शर्मा, के डी शर्मा, सपना व मनीषा ने मिस जे.सी को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

# 11 मई को होने वाली विशाल रैली में मुख्यमंत्री होंगे मुख्य अतिथि

## *रैली से हांसी विधानसभा क्षेत्र में होगी विकास के एक नए अध्याय की शुरुआत : विधायक विनोद भयाना*

**हांसी, 29 अप्रैल ( मनमोहन शर्मा ) :** विधायक विनोद भयाना ने कहा कि आगामी 11 में को स्थानीय अनाज मंडी में विशाल रैली का आयोजन किया जाएगा। इसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। भयाना ने यह जानकारी स्थानीय लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने कहा कि इस रैली में मुख्यमंत्री का स्वागत करने के लिए हल्के से हजारों की संख्या में लोग शिरकत करेंगे। भाजपा सरकार ने हांसी ही नहीं पूरे प्रदेश में जबरदस्त विकास कार्य करवाए। इस बात को प्रदेश का बच्चा-बच्चा जानता है।

भाजपा शासन काल के दौरान हांसी विधानसभा क्षेत्र में हुए रिकॉर्ड तोड़ विकास कार्यों की बदौलत पूरा क्षेत्र बदला-बदला नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी इस रैली में कई बड़ी विकास परियोजनाओं की सौगात दे सकते हैं।उन्होंने कहा कि इस रैली के माध्यम से हांसी हल्के में विकास का एक नया अध्याय शुरू होगा।

**जिला बनाने की रखेंगे पुरजोर मांग :** - विधायक ने एक सवाल के जवाब में कहा कि मुख्यमंत्री के सम्मुख हांसी को संपूर्ण जिला बनाने सहित आईआईटी संस्थान बनवाने, दक्षिणी बाइपास का निर्माण करवाने, 100 बेड अस्पताल बनवाने, स्टेडियम का निर्माण करवाने की मांग रखी जाएगी। स्टेडियम के निर्माण को लेकर पर्यटन विभाग से खेल विभाग को जमीन भी ट्रांसफर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हांसी को जिला बनाने को लेकर विधानसभा में भी कई बार मांग की जा चुकी है। यह पूरा मामला राज्य सरकार के संज्ञान में है। उन्होंने कहा कि रैली में भी इस मांग को पूरा करवाने के लिए कोई कोर कसर बाकी नहीं रखी जाएगी।

***हांसी को जल्द मिलेगा भाखड़ा से पेयजल : विधायक ने कहा कि हांसी को भाखड़ा से पेयजल जल्द मिलना शुरू होगा।***

इस विकास परियोजना को लेकर टेंडर हो गया है। पाईप लाइन बिछाने का कार्य जल्दी ही शुरू करवाया जाएगा। पाईप भी पहुंच चुके है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद अगले 100 वर्ष तक पानी की कोई कमी नहीं रहेगी। इस अवसर पर पूर्व मार्केट कमेटी अध्यक्ष व भाजपा नेता राजपाल यादव, भाजपा नेता राजेश ठकराल, भाजपा विधायक विनोद भयाना की सुपुत्र साहिल भयाना, विधायक के राजनीतिक सलाहकार दिनेश भूटानी, राजेश ठकराल, भाजपा नेता नगर परिषद की पूर्व प्रधान प्रतिनिधि विनोद सैनी, भाजपा मंडल अध्यक्ष एडवोकेट विजय मलिक, भाजपा मंडल अध्यक्ष तनुज खुराना, पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक ढालिया, नवीन मलिक, तथा कई भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विधानसभा चुनाव जनसभा में कहां कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनते ही हांसी को जिला बना दिया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री मंत्री व केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल सरकार ने हांसी को पुलिस जिला बना दिया था। यहां पर आजकल एसपी अमित विजय वर्धन कार्य कर रहे है। हांसी को अभी भाजपा ने संगठन की दृष्टि से हांसी को पार्टी ने जिला का दायित्व प्रथम युवा अशोक सैनी को बनाया है ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी हांसी को जिला बनाया हुआ है। 11 मई की विशाल जनसभा में मुख्य मंत्री नायब सिंह सैनी हांसी के लोगों को कौनसा तौहफा देंगे। जनता को उसकी इन्तजार है। हांसी उपमंडल व शहर में कही भी राजकीय पॉलिटेक्निक कालेज, स्टेडियम, उद्योग के अलावा कोई बड़ी घोषणा भी हो सकती है। इस रैली में हांसी के लोगों को हांसी-महम के बीच में रेल स्टेशन पर बड़ी ट्रेनों को टहराब होगा चाहिए।

# मोटरसाइकिल पर खेत जा रहे व्यक्ति के साथ मारपीट

**मूनक, 29 अप्रैल ( जयभगवान ) :** एक व्यक्ति अपनी मोटरसाइकिल पर खेत में जा रहा था कि रास्ते में गांव के कुछ लोगों ने उससे मारपीट की। पुलिस को शिकायत में राहुल निवासी पाढ़ा ने बताया कि वह अपने खेत में मोटरसाइकिल पर जा रहा था कि रास्ते में नरेश, कमल, बिंद्रा उसका रिश्तेदार ने उसकी मोटरसाइकिल को धक्का दिया और उसके सिर पर बिन्डै मारे जिससे उसे काफी चोट आई। उसने बताया कि उनके साथ उसका कोई भी लेनदेन नहीं था।

# खेत में पशु चराने ले जा रहे युवक के साथ मारपीट

**मूनक, 29 अप्रैल ( जयभगवान ) :** मूनक थाना में एक युवक के साथ खेत में चारा लेने के लिए गया वहा पर उसके साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। जिसमें कैलाशो निवासी मूनक कावड़ डेरा ने पुलिस को शिकायत दी कि जिसमें उसने बताया गगसीना के खेतों में पशु चारा काटने के लिए गए हुए थे। खेत में गन्ना छीलने के लिए बिहार से 10 से 12 मजदूर काम कर रहे थे । गन्ने की पती को पशु चारे के लिए उठाने के लिए गए हुए थे । हम उनके खेतों में 15 से 20 सालों से आते जाते हैं। वही उपरोक्त लोगों ने गन्ने का गोला उठाने पर गाली गलौज करने लगे और लड़के सुरेंद्र के साथ मारपीट की। जब हमने उनसे कहा कि गाली गलौच ना करें। तो उन्होंने श्याम, विक्रम, विकास, गुड्डी ,सीमा, रीता सभी ने मिलकर मेरे बेटे को गन्ने के खेत में डंडे मार कर बेहोश कर दिया। जिसके कारण दांत टूट गए। एक अन्य व्यक्ति वहां से गुजर रहा था उसने उसे छुड़वाया।

# तीन बेटियों के पिता ने फांसी लगाकर की जीवन लीला

**मूनक, 29 अप्रैल ( जय भगवान ) :** मूनक थाना क्षेत्र के गांव गगसीना में एक 37 वर्षीय युवक ने सोमवार को फांसी लेकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। बताया जाता है कि युवक तीन लड़कियों का पिता है। पुलिस ने एफएसएल टीम को बुलाकर उसे पंखे से लटके हुए को उतार कर पोस्टमार्टम करवा कर शव को परिजनों को सौंप दिया। मृतक की पत्नी अंग्रेजों देवी आयु 35 वर्ष ने बताया कि सुबह 11:00 के लगभग उसका पति सुरजीत जो उससे यह कहकर गया था कि मैं अभी आता हूं और तू खाना बना ले । 12 बजे के करीब मैंने उसे कई बार फोन किया उसने फोन नहीं उठाया । मैं ऊपर जाकर कमरे में सो गई । जब मेरी बेटी छोटी वंशिका स्कूल से घर आई तो मेरी बेटी ने देखा कि मेरा पति सुरजीत नीचे कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ है । उसने मेरे को बताया मैं नीचे आकर कमरे में देखा कि मेरा पति पंखे पर लटका हुआ है और फांसी लगी है । मैंने मोहल्ले में हाहाकार मचाई तो मोहल्ले वाले इकट्ठा हुए। किसी ने 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंच गई। उन्होंने पुलिस को शिकायत में आरोप लगाया कि उसे शक है कि कुलदीप उसका जेठ, विशाल, सोनम व एक अन्य व्यक्ति है जिसको मैं नहीं जानती। उन्होंने ही उसे फांसी देने पर मजबूर किया। ग्रामीणों ने बताया कि कुलदीप व सुरजीत दो सगे भाई हैं। एक बहन जो शादीशुदा बताई गई। उनके माता-पिता कई वर्षों पहले गुजर चुके हैं। सुरजीत ट्रक ड्राइवरी का काम करता है। इनकी आपस में जगह के बारे मैं लड़ाई झगड़ा रहता था जिसके कारण आज लगभग 2:00 बजे के करीब सुरजीत ने अपने घर में फांसी लगाकर अपने जीवन लीला खत्म कर ली। मूनक थाना प्रभारी राजपाल ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि गगसीना गांव में एक व्यक्ति ने फांसी लगा ली। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और मृतक की पत्नी अंग्रेजों की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया।

## आर के वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित

**निसिंग, 29 अप्रैल ( जोगिंद्र सिंह ) :** आर के वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा रविवार को प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस भव्य समारोह के मुख्य अतिथि रोहतास वर्मा पहुंचे। अनीता भारद्वाज ने बताया कि यह कार्यक्रम समाज के उन विशेष व्यक्तियों को समर्पित था। जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर समाज को गौरवान्वित किया है। मुख्य अतिथि रोहतास वर्मा ने कहा कि आर के वेलफेयर फाउंडेशन का यह प्रयास समाज में सकारात्मक ऊर्जा, प्रेरणा ओर समाजिक की बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्य अतिथि रोहतास वर्मा ओर डॉ श्री वास्तव ने संस्था द्वारा किए गए कार्यों की खूब प्रशंसा की। कार्यक्रम में छोटे छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां जैसे हरियाणवी नृत्य, पंजाबी डांस आदि आकर्षक का केन्द्र रही। समारोह के दौरान 51 विभूतियों को प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। राकेश भारद्वाज ने कहा कि हमें बहुत ही गर्व महसूस होता है कि समाज की प्रतिभाएं समाज का गौरव मान बढ़ाती है। इस अवसर पर ईश्वर सिंह, निशा मेहता, राकेश भारद्वाज, अनीता भारद्वाज, शैलजा गुप्ता, आशिष, पूनम, सतनारायण, संजीव गोयल, सागर, मिनाक्षी शर्मा, मनीषा, विक्रम, दीपक, संदीप, संकल्प, डॉ सुषमा, मीनाक्षी, डॉ किरण, अजय शर्मा, संदीप मेहता, महक प्रीत, गुरप्रीत, सोनिया ओर विजेंद्र सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

## अजय ठक्कर को नीलकंठ कावड़ महासंघ का आगामी 1 वर्ष के लिए अध्यक्ष नियुक्त

**रतिया, 29 अप्रैल ( अमन सेठी ) :** नीलकंठ कावड़ महासंघ के निवर्तमान प्रधान रमन बलाना व चेयरमैन कमल अरोड़ा ने महासंघ के सदस्यों की सहमति के पश्चात कावड़ महासंघ के सभी सदस्यों ने वरिष्ठ सदस्य अजय ठक्कर को नीलकंठ कावड़ महासंघ का आगामी 1 वर्ष के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस बारे में जानकारी देते हुए रमन बलाना व कमल अरोड़ा ने बताया कि महासंघ के सभी सदस्यों का उद्देश्य है कि शिव भोले बाबा की कृपा से धार्मिक व समाज सेवा के ऐसे कार्य करना है जिससे उनके नीलकंठ कावड़ महासंघ का नाम पूरे प्रदेश में रोशन हो। उन्होंने बताया कि आगामी समय में नीलकंठ कावड़ महासंघ द्वारा विशाल धार्मिक जागरण व समाज सेवा के अनेक प्रोजेक्ट लिए जाएंगे उन्होंने कहा कि नए अध्यक्ष अजय ठक्कर को अपनी नई कार्यकरनी गठित करने का अधिकार दिया गया है। वहीं नवनियुक्त प्रधान अजय ठक्कर ने अपनी नियुक्ति के पश्चात कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंप गई है, उसे वह पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे। तथा शीघ्र ही नई कार्यकरनी की घोषणा कर दी जाएगी।

## फसल कटाई के बाद फानों में आग न लगाएं, बल्कि उनका समुचित प्रबंधन करे : उत्तम सिंह

**करनाल, 29 अप्रैल ( परमजीत कौर ) :** डी.सी उत्तम सिंह ने बताया कि गेहूं की फसल की कटाई का कार्य जारी है। फसल कटाई के बाद किसान अक्सर फसल अवशेषों को आग लगा देते हैं ऐसा करने से न केवल हमारी भूमि की उर्वरा शक्ति कमजोर होती बल्कि हमारा पर्यावरण भी दूषित होता है। उन्होंने किसानों से अपील की कि खेतों में गेहूं की फसल कटाई के बाद फानों में आग न लगाएं, बल्कि उनका समुचित प्रबंधन करें। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष जलाने से हमारा पर्यावरण दूषित होता है जिसकी वजह से हमें भंयकर बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। फसल अवशेष जलाने से हमारी पैदावार पर असर पड़ता और हमारी उत्पादन लागत अधिक और आमदनी कम हो जाती है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रदूषण, भूमि की उर्वरा शक्ति का कम होना, लाभदायक कीट/जीवाणुओं का समाप्त होना तथा मनुष्य के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा सम्पत्ति व जान-माल की हानि का भी डर बना रहता है। साथ ही पशु चारे में कमी आती है जबकि इन फसल अवशेषों से तूड़ी बनाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि जिला में गेहूं की फसल की कटाई के बाद बचे हुए अवशेषों को जलाने पर प्रतिबंध लगा गया है। इन आदेशों की अवहेलना में यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है, तो वह भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-223 तथा सपठित वायु एवं प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम- 1981 के तहत दंड का भागी होगा।

## दयालु योजना के तहत मृत्यु या दिव्यांग होने पर दी जाती है आर्थिक सहायता : उत्तम सिंह

**करनाल, 29 अप्रैल ( रविन्द्र मलिक ) :** डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु) लागू की गई है। इसके तहत प्रदेश के गरीब परिवारों में 6 से 60 साल की आयु तक के किसी व्यक्ति की मृत्यु होने अथवा दिव्यांग होने पर आर्थिक मदद दी जा रही है। इस योजना के दायरे में एक लाख 80 हजार रुपये तक की आय वाले परिवार आएंगे। ऐसे परिवारों में 1 अप्रैल 2023 से किसी की मृत्यु हुई है या 100 प्रतिशत दिव्यांग हुआ है तो वह परिवार इस योजना का पात्र माना जाएगा। आवेदन के लिए परिवार के पास पीपीपी होना जरूरी है। यदि परिवार में किसी की एक्सीडेंट या प्राकृतिक मृत्यु हुई है, तो उसका मृत्यु प्रमाण पत्र देना होगा। यदि एक्सीडेंट में दिव्यांग हुआ है तो उसका दिव्यांगता प्रमाण पत्र, अस्पताल से डिस्चार्ज के दस्तावेज और एफआईआर की कॉपी जरूरी है। डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि दयालु योजना का मुख्य उद्देश्य पीड़ित परिवार की आर्थिक सहायता करना है, जिससे उन्हें सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा मिल सके। उन्होंने बताया कि परिवार पहचान पत्र में जो बैंक खाता नंबर दिया हुआ है, उसी में सहायता राशि को भेजा जाएगा। दुर्घटना होने के तीन माह के भीतर इस योजना के तहत आवेदन करना आवश्यक है। इसके लिए, हरियाणा सरकार ने दयालु पोर्टल बनाया हुआ है। जिस पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

**कितनी मिलेगी आर्थिक मदद :** डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि दयालु योजना के तहत गरीब परिवारों के 6 से 12 साल तक के बच्चे की मृत्यु या 100 प्रतिशत दिव्यांग होने पर एक लाख रुपये दिए जाएंगे, इसी प्रकार से 12 से 18 वर्ष की आयु पर 2 लाख रुपये, 18 से 25 वर्ष की आयु तक 3 लाख रुपये, 25 से 45 वर्ष की आयु पर 5 लाख रूपये और इसके बाद 60 साल की आयु पर 3 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

# मुंबई की तर्ज पर थानेसर शहर में लगेंगी ट्रैफिक लाइट्स और ब्लींकर : नेहा सिंह

### नए बस स्टैंड के सामने शुरू हुई ट्रैफिक लाइट, पिपली में लाइट लगाने का कार्य जोरों पर,शहर में अलग-अलग जगहों पर लगेंगे 59 ब्लींकर

**कुरुक्षेत्र, 29 अप्रैल ( सुदेश कुमार ) :** उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि थानेसर शहर में महानगर मुंबई की तर्ज पर ट्रैफिक लाइट्स और ब्लींकर लगाए जाएंगे। इस परियोजना के तहत शहर में नए बस स्टैंड के पास ट्रैफिक लाइट शुरू कर दी गई है और पिपली में ट्रैफिक लाइट लगाने के लिए फाउंडेशन का कार्य चल रहा है। यह लाइट आगामी 15 दिनों में शुरू कर दी जाएगी। इतना ही नहीं शहर में अलग-अलग जगहों पर ट्रैफिक कंट्रोल करने के लिए 59 ब्लींकर भी लगाए जाएंगे। इस परियोजना पर 69 लाख 99 हजार 980 रुपए का बजट खर्च किया जाएगा। यह परियोजना मई माह 2025 में पूरी कर ली जाएगी। अहम पहलू यह है कि ट्रैफिक लाइट लगने के बाद शहर के सौंदर्य में भी चार चांद लगेंगे।

उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि नगर परिषद की तरफ से शहर में ट्रैफिक लाइट्स और ब्लींकर लगाने का एक प्रस्ताव तैयार किया गया था। इस प्रस्ताव पर सरकार ने अपनी अनुमति दे दी थी और अनुमति मिलते ही इस परियोजना पर कार्य शुरू कर दिया गया था। इस प्रस्ताव के अनुसार नए बस स्टैंड के पास चौक पर ट्रैफिक लाइट चालू कर दी गई है। यह लाइट आधुनिकतम तकनीकी की है। इन लाइट्स के साथ-साथ पूरी परियोजना के लिए 69 लाख 99 हजार 980 रुपए के बजट को स्वीकृति भी प्रदान की गई है। यह लाइट्स महानगर मुंबई की तर्ज पर जगमगाएंगी।

उन्होंने कहा कि इस मार्ग पर फिलहाल पिपली, नए बस स्टैंड पर लगी लाइटें पिछले कई सालों से बंद पड़ी हैं। नई लाइट और ब्लींकर की परियोजना को मंजूरी मिल गई है और बजट की भी स्वीकृति मिल गई है। यह ट्रैफिक लाइट्स मुंबई की तर्ज पर लगेंगी और शहर के सौंदर्यकरण पर चार चांद लगाएंगी। इस परियोजना के पूरा होने के बाद शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार आएगा और लोगों को ट्रैफिक जाम जैसी समस्या से भी निजात मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिपली चौक की ट्रैफिक लाइट भी आगामी 15 दिनों में शुरू हो जाएगी। इसके अलावा शहर में अलग-अलग जगहों में 59 ब्लींकर लगाने का कार्य भी मई माह में पूरा कर लिया जाएगा।

## प्रत्येक सोमवार और बृहस्पतिवार को एसडीएम कार्यालय में आयोजित हो रहा समाधान शिविर : एसडीएम असंध

**असंध, 29 अप्रैल ( दलसिंह मान ) :** एसडीएम असंध राहुल (आईएएस) ने बताया कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार उपमंडल अधिकारी कार्यालय (ना.), असंध में प्रत्येक सोमवार और बृहस्पतिवार को प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान उपमंडल के सभी अधिकारी मौजूद रहते हैं तथा समाधान शिविर में बिजली, पानी, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन एवं अन्य संबंधित शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया जाता है। उन्होंने बताया कि सभी नागरिक प्रत्येक सोमवार और बृहस्पतिवार को एसडीएम कार्यालय में सुबह 10 बजे से 12 बजे आयोजित समाधान शिविर में अपनी समस्याओं का समाधान करवा सकते हैं। उन्होंने असंध उपमंडल के समस्त आमजन को संदेश देते हुए कहा कि सभी नागरिक अपनी संबंधित समस्याओं को लेकर उपमंडल कार्यालय में उक्त दिवस को समाधान शिविर में जरूर पहुंचे। नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसके द्वारा आमजन की समस्याओं का निवारण हो रहा है। इस शिविर का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना है। इन शिविरों में पुलिस, राजस्व, नगर निकाय, समाज कल्याण आदि जनकल्याण की योजनाएं लागू करने वाले विभागों के अधिकारी एवं अन्य उपमंडल अधिकारी एक साथ मौजूद रहते हैं और लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाता है। उन्होंने बताया कि सभी नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। आमजन की सभी संबंधित समस्याओं का त्वरित निवारण किया जाएगा। उपमंडल प्रशासन असंध की प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना है।

## सोनीपत की मंडियों व खरीद केंद्रों में की जा चुकी है 03 लाख 99 हजार 483 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

**सोनीपत, 29 अप्रैल ( विनोद ) :** उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों में गेहूं की आवक व खरीद तेज हो गई है। सोमवार देर सांय तक जिला की विभिन्न 24 मंडियों व खरीद केंद्रों में 03 लाख 99 हजार 483 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है। इस गेहूं को विभिन्न एजेंसियों द्वारा खरीद लिया गया है।

उपायुक्त ने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों में पहुंचे 03 लाख 99 हजार 483 मीट्रिक गेहूं में से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 01 लाख 19 हजार 119 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा 01 लाख 64 हजार 717 मीट्रिक टन, हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा 84 हजार 967 मीट्रिक टन और फूड कार्पोरेशन आफ इंडिया (एफसीआई) द्वारा 12 हजार 984 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है।

जिला की मंडियों में पहुंचे गेहूं में बरोदा खरीद केन्द्र पर 3995 मीट्रिक टन, भैंसवाल खरीद केंद्र पर 6060 मीट्रिक टन, बिचपड़ी खरीद केन्द्र पर 1275 मीट्रिक टन, दातौली खरीद केन्द्र पर 5384 मीट्रिक टन, फरमाणा खरीद केन्द्र पर 11380 मीट्रिक टन, गन्नौर अनाज मण्डी में 32463 मीट्रिक टन, गोहाना मण्डी में 124423 मीट्रिक टन, हुल्लाहेड़ी खरीद केन्द्र पर 1725 मीट्रिक टन, कासंडी खरीद केन्द पर 9975 मीट्रिक टन, कथूरा खरीद केन्द्र पर 10104 मीट्रिक टन, खानपुर खरीद केन्द्र पर 8726 मीट्रिक टन, खरखौदा मण्डी में 57257 मीट्रिक टन, मोहाना खरीद केन्द्र पर 11259 मीट्रिक टन, मुण्डलाना खरीद केन्द्र पर 8885 मीट्रिक टन, मुरथल खरीद केन्द्र पर 9128 मीट्रिक टन, नाहरा खरीद केन्द्र पर 8595 मीट्रिक टन, पुगथला खरीद केन्द्र पर 9000 मीट्रिक टन, पुरखास खरीद केन्द्र पर 8000 मीट्रिक टन, रूखी खरीद केन्द्र पर 12535 मीट्रिक टन, सनपेड़ा खरीद केन्द्र पर 10122 मीट्रिक टन तथा सोनीपत मण्डी में 31496 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई है। उपायुक्त ने बताया कि 03 लाख 99 हजार 483 मीट्रिक टन गेहूं को 30 हजार 656 किसान लेकर आए हैं और गेहूं की खरीद 2425 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की गई है।

## आमजन व पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए पुलिस संवेदनशीलता के साथ सजग व सचेत रहे : एसपी आस्था मोदी

**कैथल, 29 अप्रैल ( प्रवेश बहादुर ) :** सोमवार को पुलिस लाइन में कैथल एसपी आस्था मोदी द्वारा जिला के सभी डीएसपी, थाना प्रबंधक तथा सभी अपराध युनिट की मीटिंग लेकर उनका परिचय लेने उपरांत निर्देश दिए कि पुलिस आमजन व पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए संवेदनशीलता के साथ सजग व सचेत रहे। एसपी ने पुलिस कर्मचारियों व अधिकारियों को सजग किया कि भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए कर्मचारी-अधिकारी के खिलाफ कोई रियायत ना बरतकर कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी। कर्मचारी व अधिकारी अपने काम पर फोकस रखकर बेहतरीन नतीजे दें। अपराध पर अंकुश लगाने के लिए, थाना प्रबंधक व अपराध यूनिटों में परस्पर सामंजस्य व सहयोग कायम रखना जरूरी है, जिसके दौरान आमजन से निरंतर संवाद कायम रखकर सार्थक सहयोग प्राप्त किया जा सकता है। थाना प्रबंधक अपने सामाजिक सरोकार को समझते हुए अपने-अपने क्षेत्र में रोड सेफ्टी, नशे की रोकथाम लगाने सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके लोगों को जागरूक करें।

उन्होंने जिले में कानून व्यवस्था व महिला सुरक्षा तथा नशे की रोकथाम को प्राथमिकता देने की बात कही। एसपी ने सभी थाना प्रबंधकों को निर्देश दिए कि आमजन की शिकायत पर बगैर किसी देरी के तुरंत कार्रवाई करके जनता से बेहतर सामंजस्य स्थापित करें। एसपी आस्था मोदी ने कहा कि कानून की अवहेलना करने वालों के साथ सख्ती से निपटा जायेगा। नशा तस्करों से सख्ती से निपटेंगे, ताकि युवाओं को नशे की चपेट से बचाया जा सके।

मीटिंग के दौरान डीएसपी बीरभान, डीएसपी ललित कुमार, डीएसपी कुलदीप बेनीवाल, डीएसपी सुशील प्रकाश व डीएसपी गुरविंद्र सिंह तथा जिला के सभी थाना प्रबंधक व अन्य यूनिट इंचार्ज मौजूद रहे।

## पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन

**यमुनानगर, 29 अप्रैल ( दिनेश कुमार ) :** डीसी पार्थ गुप्ता ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई 2025 तक नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। इनमें राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के तहत बहादुरी, खेलकूद, सोशल साइंस, विज्ञान एवं तकनीक पर्यावरण सहित आर्ट एवं कल्चर के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चे जिनकी आयु 31 जुलाई को 5 वर्ष से लेकर 18 वर्ष तक हो, को वर्ष 2026 के जनवरी माह में आयोजित होने वाले समारोह में राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अवार्ड की घोषणा 26 दिसंबर 2025 को राष्ट्रीय वीर बाल दिवस के अवसर पर की जाएगी। डीसी ने बताया कि बाल पुरस्कार में विभिन्न श्रेणियों के तहत कुल 25 बच्चों का चयन किया जाएगा। पुरस्कारों में एक मैडल सहित प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने चयन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि सर्वप्रथम स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा प्राप्त आवेदनों की छंटनी की जाएगी उसके उपरांत फाइनल नामों का सिलेक्शन नेशनल कमेटी द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए राज्य सरकार, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन, जिला कलेक्टर/जिला मजिस्ट्रेट, पंचायती राज संस्थाएं, सभी केंद्रीय और राज्य स्कूल बोर्ड, केंद्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय संगठन, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और राष्ट्रीय जन सहयोग और बाल विकास संस्थान, सामाजिक न्याय मंत्रालय, विकलांग विभाग, शिक्षा मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा के सभी राज्य विभाग, युवा मामले मंत्रालय, खेल विभाग, भारतीय खेल प्राधिकरण, संस्कृति मंत्रालय, विज्ञान मंत्रालय और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और वन मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय और प्रेस सूचना ब्यूरो सहित राष्ट्रीय चयन समिति नॉमिनेट कर सकती हैं। पुरस्कार से जुड़ी अन्य जानकारी अवार्ड्सडॉटजीओवीडॉटइन पर देखी जा सकती हैं।

## खरीद एजेंसियों ने खरीदा 5 लाख 47 हजार 136 एमटी गेहूं : नेहा सिंह

**कुरुक्षेत्र, 29 अप्रैल ( सुदेश कुमार ) :** उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि कुरुक्षेत्र के विभिन्न खरीद केन्द्रों और मंडियों में विभिन्न एजेंसियों द्वारा 5 लाख 47 हजार 136 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है। इन खरीद केन्द्रों से 78 प्रतिशत लिफ्टिंग का कार्य पूरा किया गया है।

उपायुक्त नेहा सिंह ने बातचीत करते हुए कहा कि गेहूं के सीजन में खाद्य आपूर्ति एजेंसी द्वारा 3 लाख 20 हजार 157 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा है। इसके अलावा हैफेड ने 1 लाख 98 हजार 689 मीट्रिक टन, हरियाणा वेयर कारपोरेशन द्वारा 8 हजार 881 एमटी, प्राइवेट एजेंसियों द्वारा 19409 एमटी गेहूं खरीदा है।

उन्होंने कहा कि खादय आपूर्ति द्वारा 73 प्रतिशत, हैफेड द्वारा 84 प्रतिशत, हरियाणा वेयर कारपोरेशन द्वारा 97 प्रतिशत और निजी एजेंसियों द्वारा 91 प्रतिशत लिफ्टिंग का कार्य पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा कि इस जिले में अब तक 5 लाख 47 हजार 136 एमटी गेहूं खरीदा है, इसमें से 15 हजार 548 एमटी एफसीआई को डिलीवर किया गया है, 4 लाख 28 हजार 316 एमटी गेहूं की लिफ्टिंग की गई है। अभी भी मंडियों में 1 लाख 18 हजार 820 एमटी गेहूं रखा हुआ है। उन्होंने एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि गेहूं की लिफ्टिंग का कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए।

### अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर बैठक 9 मई को

**कुरुक्षेत्र, 29 अप्रैल ( सुदेश कुमार ) :** आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान योग विभाग की तरफ से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर एक बैठक का आयोजन 9 मई 2025 को सुबह 6 बजकर 30 मिनट पर ज्योतिसर तीर्थ पर होगा। इस बैठक में श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय और योग विभाग के तत्वाधान में अधिकारियों के साथ अंतराष्ट्रीय योग महोत्सव को सफल बनाने के लिए चर्चा की जाएगी। यह जानकारी विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने दी है।

## फव्वारा चौंक पर धूमधाम से मनाया गया भगवान परशुराम जन्मोत्सव

**गोहाना, 29 अप्रैल ( ब्यूरो ) :** गोहाना के प्रमुख फव्वारा चौक पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के भाई एवं वरिष्ठ भाजपा नेता माईराम कौशिक रहे। कौशिक ने भगवान परशुराम की तस्वीर पर अगरबत्ती दिखाकर विधिवत पूजा-अर्चना की और पुष्प एवं पुष्पमाला अर्पित कर अपनी श्रद्धा प्रकट की।

कार्यक्रम में देश की सुरक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले पहल गांव में आतंकी हमले के दौरान शहीद हुए जवानों को भी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर सामाजिक सरोकार को ध्यान में रखते हुए एक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

अपने संबोधन में माईराम कौशिक ने कहा कि भगवान परशुराम भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं। वे किसी एक जाति विशेष के नहीं, बल्कि सम्पूर्ण समाज के देवता हैं। उन्होंने भगवान परशुराम को न्याय का प्रतीक बताते हुए युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में चंद करण शर्मा, बलराम कौशिक, रीना शर्मा, कुलदीप सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## पूर्व सांसद के जन्म दिवस पर श्री कृष्ण गौशाला में की गई हरे चारे की सेवा

**रतिया, 29 अप्रैल ( अमन सेठी ) :** आज नवनियुक्त भाजपा शहरी मंडल के सदस्यों ने पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल के जन्म दिवस के उपलक्ष में श्री कृष्ण गौशाला में पहुंचकर हरे चारे की सेवा की नवनियुक्त भाजपा शहरी मंडल के अध्यक्ष अंकित सिंगला ने जानकारी देते हुए बताया की आज पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल का जन्मदिन है इस उपलक्ष में भाजपा शहरी मंडल की टीम द्वारा उनके लंबी आयु की कामना करते हुए श्री कृष्ण गौशाला में हरे चारे की सेवा की गयी व गौमाता का आशीर्वाद लिया गया। इस अवसर पर भाजपा शहरी मंडल की नवनियुक्त टीम के सभी सदस्य व भाजपा के सभी कार्यकर्ता मौजूद थे।

## शहरी मंडल अध्यक्ष सिंगला ने की कार्यकारिणी घोषित रिकी मोंगा महामंत्री

**रतिया, 29 अप्रैल ( अमन सेठी ) :** रतिया भाजपा शहरी मंडल अध्यक्ष अंकित सिंगला ने प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक, जिला अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा , पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल व भाजपा के संगठन के अन्य पदाधिकारियों से विचार विमर्श के पश्चात रतिया भाजपा इकाई का गठन किया है जिसके तहत शहरी उपाध्यक्ष के तौर पर सत्यनारायण जांगड़ा, जयप्रकाश लाली, नीरूरमेश गर्ग, प्रवीण गर्ग, को नियुक्त किया गया है, वहीं महामंत्री के तौर पर रिकी मोंगा, लखविंदर सिंह को नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा सचिव के तौर पर मिट्ठू सैनी, गोरखाराम कंबोज जैकी गर्ग, बगीचा सिंह,महेंद्र कौर को नियुक्त किया गया है इसके अलावा कार्यालय सचिव समीर सैनी को बनाया गया है वहीं भाजपा शहरी मंडल का कोषाध्यक्ष रवि भारती व सह कोषाध्यक्ष मंजू मोंगा को नियुक्त किया गया है।

वहीं मंडल का आईटी सेल प्रमुख जगतार सिंह को नियुक्त किया गया है वहीं मीडिया प्रभारी के तौर पर नीटू गोयल को नियुक्त किया गया है।

## कार और बाइक की टक्कर में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत, एक घायल

**यमुनानगर, 29 अप्रैल ( संजीव कुमार ) :** कार और बाइक की टक्कर में बाइक सवार पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि बेटे को मामूली चोटें आई। उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में लाया गया। जहां इलाज के दौरान पिता की मृत्यु हो गई। कार चालक मौके से कार सहित फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची व शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजन को सौंप दिया। परिजन के बयान के आधार पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान लियाकत अली (57) निवासी कामी माजरा के रूप में हुई। सोमवार को मृतक के बेटे शहजान ने बताया कि उसके पिता और भाई शाकिब कल दोपहर बाद बाइक पर अपनी बेटी को मिलने हिमाचल में पांवटा साहिब के गुलाब नगर में जा रहे थे। जब वें गांव पीपली माजरा के पास पहुंचे तो एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने बाइक को टक्कर मार दी। जिसके चलते पिता को गंभीर रूप से घायल हो गए और शाकिब को भी मामूली चोट आई। इन दोनों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में लाया गया जाए। जहां इलाज के दौरान पिता की मृत्यु हो गई। सदर थाना पुलिस यमुनानगर के जांच अधिकारी वेदपाल ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची व शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजन को सौंप दिया। परिजन के बयान के आधार पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी।

## मंडियों में गेहूं की आवक निरंतर जारी

**करनाल, 29 अप्रैल ( सुनील कुमार ) :** डी.सी उत्तम सिंह ने बताया कि जिला की मंडियों में गेहूं की आवक निरंतर जारी है। मंडियों में गेहूं की आवक के दृष्टिगत जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध पहले से ही पूरे कर लिए गए थे और मंडी में खरीद व्यवस्था सुचारू ढंग से चल रही है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार तक जिला में करीब 7 लाख 96 हजार 394 मीट्रिक टन गेहूं की आवक विभिन्न परचेज सेंटरों व मंडियों में हुई जिसमें से खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा 443745 मीट्रिक टन तथा हैफेड द्वारा 327628 मीट्रिक टन व हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा 25021 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया। मंडियों से गेहूं उठान तुरंत करवाने के आदेश खरीद एजेंसी को दिए गए है।

## ग्रामीणों के शिष्टमंडल ने एसडीएम अजय हुड्डा से मुलाकात

**कलायत, 29 अप्रैल ( सूबे सिंह ) :** कलायत के गांव शिमला में शार्ट-सर्किट से मकान व दो दुकानों में लगी आग से हुए भारी नुकसान को लेकर ग्रामीणों के शिष्टमंडल ने एसडीएम अजय हुड्डा से मुलाकात की। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी के नाम एक मांग पत्र भी सौंपा गया है।

इसमें आग की घटना से पीड़ित अजय को हुए नुकसान की भरपाई के लिए शासन-प्रशासन से मुआयजा देने की मांग की गई। अजय ने बताया कि परिवार के पास आय का साधन केवल दुकानें थी। उनके कंधों पर माता-पिता व छोटा भाई संजय की जिम्मेवारी है। जिन दो दुकानों में नुकसान हुआ है उसमें एक करियाना व दूसरी दुकान कपड़े, जूते व अन्य सामान की है। 26 अप्रैल की रात्रि करीब साढ़े दस बजे धधकी आग की सूचना तब मिली जब गांव के ही युवा बिट्टू दुकान से कोल्ड ड्रिंक्स लेने के लिए आया।

दुकान से धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया और युवा ने चिख-पुकार कर सबको जगाया। दुकान के अंदर का दरवाजा खोला तो आग बहुत ज्यादा बढ़ चुकी थी। दुकानों के साथ-साथ मकान में रखा सामान भी जल कर राख हो गया।

इसमें अलमारी, पेटी व इनमें रखा सामान, आर.ओ, एल.ई.डी. टीवी, कैमरे, डीवीआर, लैपटॉप, वाशिंग मशीन, बैड, सौफे, एसी, मोबाईल फोन, 1 लाख 10 हजार रुपए नकदी, करीब 8 तोले सोने के आभूषण, दो किलो चांदी के गहने, बैटरी से चार्ज होने वाली स्कूटी व अन्य सामान शामिल है। इस घटना के बाद परिवार के पास रहने और रोजी का कोई साधन नहीं बचा। परिवार हादसे से उभर नहीं पा रहा है। ऐसे में राहत की मांग ग्रामीणों द्वारा की जा रही है।

# भगवान परशुराम थे महान तपस्वी, वेदों के ज्ञाता और महान योद्धा : सुभाष सुधा

**कुरुक्षेत्र, 29 अप्रैल ( सुदेश कुमार ) :** हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि भगवान परशुराम जी महान तपस्वी, वेदों के ज्ञाता और महान योद्धा थे। भगवान परशुराम जी, भगवान विष्णु जी के छठे अवतार माने जाते हैं। इस धरा पर उनका अवतरण न्याय की स्थापना के लिए हुआ था। वे एक ऐसे अवतार हैं, जो चिरंजीवी माने जाते हैं, यानी वे आज भी जीवित हैं। यह बात केवल आस्था की नहीं है। यह विश्वास का वह स्तंभ है, जिस पर भारतीय संस्कृति की नींव टिकी हुई है।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा मंगलवार को दुख भजन मंदिर में श्री ब्रह्माण एवं तीर्थोद्धार सभा की तरफ से आयोजित भगवान परशुराम जयंती समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, संरक्षक जय नारायण शर्मा,संस्था के प्रधान यशेन्द्र शर्मा, उप प्रधान नितिन भारद्वाज व यशपाल शर्मा, पूर्व प्रधान केके कौशिक, पूर्व प्रधान श्याम सुंदर तिवारी ने दीप शिखा प्रज्जवलित करके विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पूर्व राज्यमंत्री ने कहा कि आज जब हम विकसित भारत-विकसित हरियाणा बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं, तब भगवान परशुराम जी के आदर्श और उनके संदेश हमें सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने जीवन भर अन्याय के विरुद्ध युद्ध किया, किन्तु

कभी निजी स्वार्थ से नहीं, केवल समाज हित और धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र उठाए। इससे हमें सीख मिलती है कि शक्ति का उपयोग तभी करना चाहिए, जब उसका उद्देश्य न्याय और जन-कल्याण हो।

उन्होंने कहा कि आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में भारत दुनिया को योग, आयुर्वेद और शांति का मार्ग दिखा रहा है।

यह उसी विरासत का परिणाम है, जिसकी नींव भगवान परशुराम जी जैसे हमारे ऋषि-मुनियों और महापुरुषों ने रखी थी। भगवान परशुराम जी ने जो धर्म की स्थापना का मंत्र दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

आज जब हम विकसित भारत, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों को आगे बढ़ा रहे हैं, तो जरूरत इस बात की है कि हम भगवान परशुराम जी के दृढ़ संकल्प की तरह ही प्रण लें कि हम भारत को फिर से विश्व गुरु बनाएंगे।

युवाओं को भी भगवान परशुराम जी के जीवन से यह सीख लेनी चाहिए कि यदि आपके पास ज्ञान है।

श्री ब्रहामण एवं तीर्थोद्धार सभा के अध्यक्ष यशेन्द्र शर्मा ने मेहमानों का आभार व्यक्त करते हुए संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर संस्था के सदस्य केके कौशिक, श्रीप्रकाश मिश्रा, संरक्षक जय नारायण शर्मा, पूर्व प्रधान श्याम सुंदर तिवारी, बाल किशन शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, पवन शर्मा, नरेन्द्र शर्मा, अशोक भारद्वाज,मनोज कौशिक, राजेन्द्र परासर, सतीश शर्मा, दुष्यंत बख्शी, प्रेम अवस्थी, अलोक शर्मा, राज गौड, सतबीर शर्मा, अनिता शर्मा, आशु बाला, सूर्यकांत, अश्वनी विशिष्ट, दीपक शर्मा आदि उपस्थित थे।

# विद्यालय में बाल विवाह सामाजिक कुरीति बारे कार्यशाला आयोजित

**कैथल, 29 अप्रैल ( प्रवेश बहादुर ) :** अक्षय तृतीया के पावन अवसर से पूर्व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ी गुलाम अली में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के उन्मूलन हेतु एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य हरपाल सिंह की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यशाला का नेतृत्व सीवन थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने किया। कार्यशाला में कुलदीप सिंह ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि बाल विवाह बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास में बाधक है। उन्होंने बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि बाल विवाह करना कानूनन अपराध है, जिसमें दंड का भी प्रावधान है। अपने संबोधन में थाना प्रभारी ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को समय से पहले विवाह के बंधन में न बाँधें और उन्हें शिक्षा तथा आत्मनिर्भरता का अवसर दें। प्राचार्य हरपाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि, खींचो न कमान न तलवार निकालो,जब सामने हो बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई तो 1098 नंबर निकालो। उन्होंने बताया कि अक्षय तृतीया जैसे शुभ अवसरों पर बाल विवाह की घटनाएं बढ़ने की संभावना रहती है, इसलिए सभी को सतर्क रहना चाहिए और बाल विवाह जैसी घटनाओं की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों या चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, 1091, 112 पर देनी चाहिए।

विद्यालय के प्रधानाचार्य ने भी बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता फैलाने के लिए छात्रों को प्रेरित किया और कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में विद्यार्थी,शिक्षक एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों से संकल्प लिया गया कि हम बाल विवाह के

विरुद्ध स्वयं आवाज उठाएंगे और अपने आस पड़ोस में सभी को जागरूक करेंगे। मंच का संचालन प्राध्यापक व हरियाणवी कवि सतबीर जागलान ने किया। सतबीर ने साइबर ठगी से बचने के लिए कहा कि साइबर ठगी से बचकै रहना या बात सारे चलाईयो, साइबर हेल्प लाइन नंबर 1930 पर फोन मिलाईयो। कार्यक्रम के दौरान सभी बच्चो को हेल्पलाइन नंबर के पंपलेट बांटे गए। उन सभी बच्चो को इन पंपलेट को मंदिर, चौपाल, धर्मशाला, पंचायत भवन, मुख्य चौराहे केसाथ सभी सार्वजनिक स्थानों पर लगाने केलिए प्रेरित किया। इस कार्यशाला में स्कूली बच्चों द्वारा पोस्टर मेकिंग और स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता करवाई गई। पेंटिंग प्रतियोगिता में महक ने प्रथम, सोनम ने द्वितीय, तनु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्लोगन में वर्षा ने प्रथम, अंजलि ने द्वितीय, मन्नत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेता बच्चो को थाना प्रभारी कुलदीप सिंह द्वारा मेडल पहना कर सम्मानित किया गया। प्रोग्राम को सफल करने में स्टाफ सदस्य मैडम अंजू रानी, चीनू शर्मा, शमशेर सिंह डीपीई, रविंद्र, नवजीत संधू, सचिन धीमान का सराहनीय योगदान रहा। विद्यालय की तरफ से प्राचार्य ने एसएचओ कुलदीप सिंह को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

## बाबू अनन्त राम जनता कॉलेज में श्रीमद्भगवद्गीता एवं योग विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

**निसिंग/पुंडरी 29 अप्रैल ( जोगिंद्र सिंह ) :** बाबू अनन्त राम जनता कॉलेज कौल में उच्चतर शिक्षा निदेशालय के सौजन्य से श्रीमद्भगवद्गीता एवं योग विषय पर एकदिवसीय अन्तर्वैषयिकी राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी प्रबंधन समिति के प्रधान चौधरी तेजवीर सिंह की अध्यक्षता एवं प्राचार्य डॉ ऋषिपाल के मार्गदर्शन में संस्कृत विभाग एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुई। इस संगोष्ठी में पूज्य गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज की मुख्य अतिथि एवं बीज वक्ता के रूप में गरिमामई उपस्थित रही। डॉ. विशंबर दास एवं डॉ. बृजेंद्र सिंह ने संयोजक की भूमिका का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। सर्वप्रथम महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर महाविद्यालय प्रबंधन समिति के प्रधान चौ.तेजवीर सिंह और कार्यकारिणी के सदस्यों, प्राचार्य डॉ.ऋषिपाल एवं शिक्षकों ने पुष्पमाला अर्पण करके स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज का भावपूर्ण स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके उपरांत स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज एवं समस्त पदाधिकारियों ने स्व. चौधरी ईश्वर सिंह जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती वंदना एवं दीप प्रबोधन द्वारा किया गया। प्रथम उद्घाटन सत्र में उपस्थित विद्वानों का वाचिक अभिनंदन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल

जी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य-अतिथि अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गीता- मनीषी स्वामी श्री ज्ञानानंद जी महाराज ने उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए श्रीमद्भगवद्गीता के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। महाराज श्री ने कहा कि भगवद्गीता का प्रत्येक क्षेत्र में विशेष महत्व है, चाहे वह शिक्षा हो, व्यवसाय हो, प्रबंधन हो या व्यक्तिगत जीवन, गीता के सिद्धांत हर क्षेत्र में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में मूल्य और आदर्शों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये न केवल एक व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करते हैं, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं। उन्होंने गीता के कर्मयोग को समझाते हुए कहा कि वर्तमान में जीते हुए अपने कर्म करना ही असली कर्म सूत्र है। उन्होंने गीता के कर्मयोग और भक्ति योग को विस्तार से बताया। उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष चौ.तेजवीर सिंह ने स्वामी ज्ञानानंद महाराज एवं समस्त विद्वजनों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज का दिन अत्यंत सौभाग्यशाली और चिरस्मरणीय रहेगा कि आज इतनी महान विभूति गीता मनीषी का आशीर्वाद हमें प्राप्त हुआ। उन्होंने श्री ज्ञानानंद महाराज को सम्मान स्वरूप अंग वस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट किया। प्रथम तकनीकी सत्र के बीजवक्ता प्रो. अरविन्द मलिक, शारीरिक शिक्षा विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र से पधारे। प्रो. मलिक ने छात्र-छात्राओं को बताया कि विद्यार्थी जितना विद्या में ध्यान लगाएंगे, उतना ही उनका ध्यान खेलों की तरफ भी बढ़ेगा, क्योंकि खेल और विद्या एक दूसरे की कड़ी है। विद्यार्थी विद्या से जितना ज्ञान हासिल कर सकता है, उतना ही खेलों से वह स्वयं को स्वस्थ बना सकता है, इसके लिए ध्यान एवं एकाग्रता जरूरी है।उन्होंने अपने वक्तव्य में भगवद्गीता के दार्शनिक और व्यवहारिक पहलुओं की व्याख्या करते हुए विभिन्न योगासनों के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के निवारण की जानकारी प्रदान की। नि:संदेह उनका व्याख्यान मनुष्य के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। मुख्यवक्ता डॉ0 देवी सिंह, सहायक आचार्य, गणेश दत्त सनातन धर्म महाविद्यालय चंडीगढ़ ने अपने सारगर्भित संबोधन में श्रोताओं को योग एवं श्रीमद्भगवद्गीता के महत्वपूर्ण संदेशों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि योग के प्रथम अध्याय में चित्त की पाँच अवस्थाओं तथा योग के आठ अंगों का विस्तृत वर्णन किया गया है, जो मानव जीवन को संतुलित व उन्नत बनाने में सहायक हैं। उन्होंने कहा कि गीता हमें हर परिस्थिति में अडिग रहने की प्रेरणा देती है और यह समस्त उपनिषदों का सार है। विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला से पधारे प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार, विभागाध्यक्ष, संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग ने गीता में समाहित छात्रोपयोगी सूत्रों की जानकारी देते हुए बताया कि गीता समस्त विश्व के लिए प्रेरणादायी ग्रंथ है जो प्रत्येक काल और परिस्थिति में उपयोगी सिद्ध होता है। द्वितीय तकनीकी सत्र में डॉ. नरेश गर्ग ने श्रोताओं को समानता भाव और कर्मयोग के महत्व पर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सभी के प्रति समान दृष्टिकोण और निष्काम भाव से कर्म करना, व्यक्तिगत एवं सामाजिक विकास की कुंजी है। डॉ. नरेश ने युवाओं को संदेश दिया कि कार्य पर ध्यान केंद्रित करें, न कि परिणामों पर, क्योंकि सच्ची सफलता समर्पित और नि:स्वार्थ प्रयासों से ही मिलती है। डॉ. विजयश्री ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए जीवन निर्माण में योगों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कर्मयोग और भक्तियोग सहित चार प्रमुख योगों की चर्चा की। इस सत्र में सारस्वत अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य एवं कथा व्यास श्री मारुतिनन्दन शास्त्री, जयपुर से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में गीता में प्रतिपादित योग के स्वरूप को विस्तारपूर्वक समझाया। तृतीय तकनीकी सत्र में डॉ. अखिलेश ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए गीता के एक महत्वपूर्ण कथन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपनी मन:वृत्ति के अनुसार कार्य करना चाहिए। जब इंसान अपने स्वभाव और रुचि के अनुरूप कर्म करता है, तो वह भीतर से प्रसन्न और संतुष्ट रहता है। डॉ नवीन शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए भगवद्गीता के मर्म को सरल शब्दों में समझाया। डॉ विनोद शर्मा ने अध्यक्षीय संबोधन में गीता के कर्मयोग पर प्रकाश डाला। चतुर्थ तकनीकी सत्र में डॉ. अनिल जिंदल ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगवद् गीता केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि सम्पूर्ण जीवन का सार है। वर्तमान परिस्थितियों में गीता का संदेश अधिक प्रासंगिक हो गया है, जो हमें हर स्थिति में संतुलन बनाए रखने का मार्ग दिखाता है। डॉ. जिंदल ने विज्ञान और अध्यात्म का समन्वय करते हुए विभिन्न जीवन चक्रों को विभ्योर के सात रंगों से भी जोड़ा, और जीवन में संतुलन व ऊर्जा के महत्व को रेखांकित किया। इस संगोष्ठी में न केवल हरियाणा अपितु राजस्थान एवं पंजाब से आए विद्वानों ने प्रतिभागिता करते हुए पत्रवाचन किये। संगोष्ठी में दो सौ पचास विद्वान् और शोधार्थी उपस्थित रहे। समापन सत्र में सभी अतिथि विद्वानों को स्मृति चिह्न एवं पौधा भेंट स्वरूप प्रदान किया। मंच संचालन की भूमिका का निर्वहन डॉ. विशंबर दास, डॉ.अनीता नैन एवं डॉ.बृजेन्दर सिंह ने बखूबी किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ.अमित कुमार ने सभी वक्ताओं का आभार व्यक्त किया। प्राचार्य डॉ.ऋषिपाल ने संगोष्ठी की समस्त आयोजन समिति की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। शांति पाठ और राष्ट्रगान के साथ संगोष्ठी का समापन परंपरागत रूप में संपन्न हुआ। महाविद्यालय प्रबन्धक-समिति के प्रधान चौधरी तेजवीर सिंह ने सफल कार्यक्रम की प्राचार्य एवं आयोजक मंडल को शुभकामनाएं दी।

# पानी के घटते स्तर के बचाव के लिए फसल चक्र को बदलना होगा

***प्राकृतिक खाद के लिए खेतों में मूंग व ढैंचा की बिजाई कर सकते हैं किसान***

**मूनक, 29 अपैल ( जय भगवान ) :** हरियाणा विज्ञान मंच जिला टीम करनाल द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के दौरान गांव पाढ़ा व शेखपुरा में बैठक का आयोजन किया गया। हरियाणा विज्ञान मंच के राज्य कमेटी सदस्य डॉ राजेंद्र सिंह ने गांव पाढा में हरियाणा विज्ञान मंच जिला टीम की सदस्य नीलम की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बताया कि पिछले 20 साल में जलवायु में बहुत परिवर्तन आ चुका है। जिसका हमारी खेती पर प्रभाव स्पष्ट नजर आ रहा है।

सामान्य से अधिक तापमान होने की वजह से इस समय गेहूं की फसल पकने के उपरांत पिछले कई सालों से इस साल आगजनी की घटनाएं बड़ी है। हरियाणा विज्ञान मंच गेहूं की कटाई के बाद खाली खेतों में किसानों को मूंग व ढांचा की बिजाई के लिए जागरूकता अभियान चला रहा है। कृषि किसान कल्याण विभाग हरियाणा द्वारा ढांचा व मूंग के बीज पर 75 से 80 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है । भूमिगत जल का बहुत अधिक दोहन होने की वजह से जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है। जिसके लिए हमें फसल चक्र को अपनाना चाहिए। गेहूं व धान की फसल के अवशेष नहीं जलाने चाहिए फसल अवशेष जलाने की वजह से भूमि में जीवाणुओं की संख्या लगातार घट रही है। जिसकी भरपाई के लिए किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा फसलों के लिए बताए गए से अधिक रासायनिक खाद की मात्रा का प्रयोग करना पड़ रहा है। नीलम व रजवंती ने प्राकृतिक खेती को अपनाया है।

उनकी गेहूं की पैदावार पड़ोसी किसानों से अधिक हुई है। डॉ राजेंद्र सिंह ने गांव शेखूपुर में उपस्थित किसानों को बताया कि आपके गांव में सरदार ओंकार सिंह ने प्राकृतिक खेती को अपनाया है। उसी के अंतर्गत उन्होंने आज ही गेहूं के अवशेषों में जीरो टिलेज मशीन से मूंग की बिजाई की है। मूंग की बिजाई करने से उनको 5 से 6 क्विंटल पैदावार मिलने के साथ भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ने से खरीफ की फसल में 50 प्रतिशत खाद के इनपुट की बचत होगी। इस अवसर पर सरदार रविंद्र सिंह, देशराज अलावला, सतनाम सिंह, जोगा सिंह, गांव पाढ़ा सरोज देवी, रानी देवी, फूलपति, कमलेश, पूसा, संतोष, सुमन, कविता व पिंकी इत्यादि ने भाग लिया।

## भगवान परशुराम का जीवन आदर्श, प्रेरणा ले युवा पीढ़ी : डॉ अरविंद शर्मा

**सोनीपत, 29 अप्रैल ( विनोद ) :** सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम के जीवन से साहस, आक्रामकता, युद्ध कौशल, शांति, धैर्य, विवेक जैसे गुणों से भरपूर व्यक्तित्व की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श जीवन को अपनाने के लिए हमें मिलकर युवा पीढ़ी को प्रेरित करना होगा, तभी समाज मे न्याय व समता की स्थापना होगी। मंगलवार को सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने शहर के सोनीपत रोड टी पॉइंट पर स्थित भगवान परशुराम चौक पहुंचकर भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए व हवन में आहुति डाली। इससे पूर्व उन्होंने पहलगाम में आतंकी हमले में जान गंवाने वाले वीर नागरिकों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। भगवान परशुराम के जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान परशुराम का

जीवन सदैव आदर्श रहा है। उन्होंने पितृ भक्ति, गुरू भक्ति के साथ-साथ समाज के महत्वपूर्ण पहलुओं को छूते हुए समाज मे बदलाव के ध्वजवाहक बने। भगवान परशुराम ने हमेशा अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ते हुए धर्म की स्थापना की। उनका लक्ष्य सभी को साथ लेकर चलने और जरूरतमंद की भलाई करने का रहा। उन्होंने समाज की बुराईयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और हमें आज उनके बताए मार्ग पर समाज को एक-एक करके आगे बढाने की आवश्यकता है। ब्राह्मण समाज ने हमेशा से ही समाज का नेतृत्व किया है और भविष्य में भी संगठित होकर समाज को नई राह दिखानी है। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम ने कमजोर वर्ग के प्रति दयालुता के भाव के साथ उनके उत्थान को लेकर जो मार्ग प्रशस्त किया है, आज केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अंत्योदय उत्थान के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि पहलगाम में आतंकी हमले से पाकिस्तान का भारत विरोधी व मानवता विरोधी चेहरा उजागर हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सरकार उनकी कायराना हरकत का मुंहतोड़ जवाब देगी। उन्होंने कहा कि देश की 140 करोड़ जनता एकजुट होकर आतंकी हमले की निंदा कर रही है, जबकि दूसरी तरफ कांग्रेसी किसी भी विचार को अपने तरीके से कहने की मास्टरी दिखा रहे हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता माईराम कौशिक, नप चेयरपर्सन रजनी विरमानी, डॉ गजराज कौशिक, एसडीएम इसराना आशीष वशिष्ठ, सुभाष शर्मा, श्यामलाल वशिष्ठ, राजकुमार शर्मा, डॉ कपूर नरवाल, बलराम कौशिक, डॉ ओमप्रकाश शर्मा, शिवकुमार, भानुप्रकाश शर्मा, राजबीर शर्मा, भूपेंद्र मुदगिल, प्रवीण खुराना, रीना शर्मा, रामदिया, चांद वशिष्ठ, कुलदीप कौशिक, सुभाष भारद्वाज, जयकिशन शर्मा, जगबीर जैन आदि उपस्थित रहे।

# मोतियाबिंद की समस्या अब युवाओं को भी घेरने लगी

मोतियाबिंद की समस्या पहले सिर्फ बुजुर्गों में ही पायी जाती थी लेकिन आजकल ये युवाओं ओर बच्चों को भी अपना शिकार बना रही है। अगर आप किसी बीमारी से ग्रस्त हैं तो उसका असर भी आपके आंखों की रोशनी पर होता है जिससे मोतियाबिंद की समस्या होती है।

हमारी आंख की पुतली के पीछे एक लेंस होता है। पुतली पर पड़ने वाली लाइट को यह लेंस फोकस करता है और रेटिना पर ऑब्जेक्ट की साफ इमेज बनाता है। रेटिना से यह इमेज नर्व्स तक और वहां से दिमाग तक पहुंचती है। आंख की पुतली के पीछे मौजूद यह लेंस पूरी तरह से साफ होता है , ताकि इससे लाइट आसानी से पास हो सके। कभी-कभी इस लेंस पर कुछ धुंधलापन आ जाता है , जिसकी वजह से इससे गुजरने वाला प्रकाश का रास्ता बंद हो जाता है। इसका नतीजा यह होता है कि पूरी लाइट पास होने पर जो ऑब्जेक्ट इंसान को बिल्कुल साफ दिखाई देता है,अब कम लाइट पास होने की वजह से वही ऑब्जेक्ट धुंधला नजर आने लगता है। लेंस पर होनेवाले इसी धुंधलेपन की स्थिति को मोतियाबिंद कहा जाता है। यह क्लाउडिंग धीरे - धीरे बढ़ती जाती है और मरीज की नजर पहले से ज्यादा धुंधली होती जाती है। मोतियाबिंद के कारण हो सकती हैं ये बीमारियां।

मधुमेह-मधुमेह शरीर के दूसरे अंगों जैसे गुर्दे और हृदय की ही अनेक बीमारियों का कारण ही नहीं है बल्कि आंखों पर भी कई प्रकार से इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। मधुमेह के लगभग 80 प्रतिशत रोगियों को जीवन में आंखों की किसी न किसी समस्या का सामना अवश्य करना पड़ता है। आंखों की इन समस्याओं में प्रमुख हैं- डायबेटिक रेटिनोपैथी, मोतिया बिंद तथा काला मोतिया। मधुमेह के कारण होने वाली इन बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है कि मधुमेह के रोगी समय-समय अपनी आंखों की जांच कराते रहें और कोई भी दिक्कत सामने आते ही उसका इलाज करवाना शुरू कर दें। कुछ मरीजों में लैंस में धुंधलापन आ जाता है, उसकी पारदर्शिता खत्म हो जाती है इसे डायबिटिक कैटरैक्ट कहते हैं।

**यूवाइटिस**

यूवाइटिस एक प्रकार की सूजन है जो यूवेइआ में होते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जिनमें ट्रामा या संक्रमण भी एक हैं। इस बीमारी के कोई भी ज्ञात कारण नहीं है। मोतियाबिंद की समस्या उन लोगों में ज्यादा होती है जो जो यूवाइटिस से ग्रस्त होते हैं। यूवाइटिस अमेरिका, यूरोप और अन्य विकसित देशों में तेजी से फैल रही है। भारत में भी इस बीमारी के मरीजों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। दुनिया में यूवाइटिस को कैंसर से भी खतरनाक माना जा रहा है।

मायोपिया में मोतियाबिंद का खतरा ज्यादा -जो लोग उच्च निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) से प्रभावित होते हैं उनमें मोतियाबिंद का खतरा कहीं अधिक होता है। डॉक्टर के मुताबिक बचपन में देखन की क्षमता का विकास होता और किशोरावस्था में आंख की लंबाई बढ़ती है लेकिन निकट दृष्टि दोष होने की वजह से यह कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में आंख में जानेवाला प्रकाश रेटिना पर केंद्रित नहीं होता। इसी वजह से तस्वीर धुंधली दिखाई देती है लेकिन इस दोष को कॉंटैक्ट लेंस या सर्जरी से ठीक कराया जा सकता है।

**व्हाइट ब्रेड और पास्ता बना सकते हैं अवसाद का शिकार**

अगर आप अधिकतर समय व्हाइट ब्रेड और पास्ताह खाते हैं तो इसे बंद कर दें यह आपकों बीमार बना सकता है। खानपान का भी सेहत पर गहरा प्रभाव पड़ता है। ब्रेड और पास्ता् कभी कभी-कभी खाने में कोई खतरा नहीं है पर अगर आप अक्स र नाश्तेल में ब्रेड या पास्ताय ही खाते हैं तो यह आपके लिए चिंता का कारण हो सकता है। एक हालिया अध्य यन में यह दावा किया गया है कि व्हा इट ब्रेड और पास्तार का सेवन अवसाद का शिकार बना सकता है। अध्यदयन रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि व्हाइट ब्रेड और पास्ता में पाये जाने वाले कार्बोहाइड्रेट आपके भीतर चिड़चिड़ापन और चिंता बढ़ा सकते हैं। एक अध्ययन के अनुसार सफेद ब्रेड, चावल और पास्ता जैसी खाने की चीजें आपको अवसाद का शिकार बना सकती हैं। वहीं इस खतरे को अनाज और हरी सब्जियां कम कर सकती हैं। सफेद ब्रेड और सफेद चावल खाने से शरीर में हार्मोनल प्रतिक्रिया होती है जो ब्लड शुगर लेवल को घटाती है जिसके कारण चिड़चिड़ापन, थकान और डिप्रेशन के कई लक्षण लोगों में आने लगते हैं।

शोध के मुताबिक ब्रिटेन में प्रति 100 में से 3 लोग अवसाद के शिकार हैं जो कि सफेद ब्रेड और पास्ता जैसे बुरे कार्बोहाइड्रेट्स की वजह से भी होते हैं। इन बुरे कार्बोहाइड्रेट्स की वजह से मोटापा, थकान और अनिद्रा जैसी बीमारियों के खतरे बढ़ सकते हैं।

# रात में गहरी नींद सोने से सुबह आप हमेशा तरोताजा रहेंगे

रात में गहरी नींद सोने से सुबह हम तरोताजा महसूस करने के साथ ही स्वस्थ भी रहते हैं। वहीं नींद की कमी से कई बिमारियों को खतरा बढ़ जाता है। यह देखा गया है कि कई बार नींद नहीं आती या अगर आप रात के समय कम सोते हैं और सोने के बाद बार-बार आपकी नींद खुल जाती है, तो सावधान हो जाएं क्योंकि एक अध्ययन की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि यह आपके याद रखने की क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर सकती है। ना केवल मानसिक, बल्कै यह शारीरिक सेहत के लिए भी ठीक नहीं है। अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि इससे डिमेंशिया बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।

एक किताब में कुछ ऐसा ही दावा किया गया है.

किताब को लिखने वाले न्यूरोलॉजिस्ट का कहना है कि सोने के दौरान हमारा मस्तिोष्क बहुत से काम करता है. जैसे कि यादों को संचित करने और उन्हें संभालने जैसे काम करता है।

डिमेंशिया एक ऐसी बामारी है, जिसमें आप चीजों को भूलने लगते हैं, आप का मूड बदलने लगता है, काम में आपका मन नहीं लगता और साथ ही आप चिड़चिड़े भी हो जाते हैं।

कम नींद आपके दिमाग पर बुरा असर डालती है, जिसके चलते व्यक्ति में सोचने-समझने जैसी संज्ञानात्मक क्षमता के साथ चीजों को याद रखने की क्षमता भी कम होने लगती है।

एक अध्ययन में यह भी सामने आया कि कम नींद की वजह से कैंसर होने की आशंका भी बढ़ जाती है।

इन बीमारियों से बचने

**सोने का एक समय बनाएं**

हर दिन एक ही समय पर सोएं और उसी समय के अनुसार उठें। इस तरह से अपका दिमाग एक समय पर सोने और उठने का आदि हो जाएगा और आपकी नींद अच्छी होने लगेगी।

देर रात खाने से बचें--रात में सोने से लगभग 3 घंटे पहले तक कुछ ना खाएं क्योंकि देर रात खाते ही लेट जाने से खाना डाइजेस्ट नहीं हो पाता, जिस कारण सोने के बाद बार-बार आपकी आंख खुलती रहती है और आप सुकुन की नींद नहीं ले पाते।

सोते समय लाइट्स बंद रखें

रोशनी का हमारे नींद पर बहुत असर पड़ता है। इसलिए सोने से पहले सभी लाइट्स को जरुर बंद करें. क्योंकि अंधेरे में नींद अच्छी आती है।

दोपहर में ना सोएं।

जिन लोगों को रात के समय ठीक से नींद नही आती वो लोग दोपहर में कभी ना सोएं।

## कुछ आदतें जो आपकों रखेंगी सेहतमंद

कुछ ऐसी आदतें भी होती हैं जिन्हें आमतौर पर अच्छा नहीं माना जाता पर इनके साथ भी आप स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। जैसे कि कॉफी की कम मात्रा सेहत के लिए अच्छी हो सकती है, लेकिन अधिक कॉफी पीना सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता। दिनभर में तकरीबन तीन कॉफी पीने से पित्त की पथरी का खतरा कम होता है। किडनी स्टोन के होने का खतरा भी नहीं रहता। इसके अलावा अगर आपका भी मूड खराब है तो आप कॉफी का एक कप जरूर लें। कॉफी में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो आपके मूड को ठीक करने में मदद करते हैं।

चॉकलेट के फायदे--अधिकतर लोग चॉकलेट को जंक फूड मानते हैं इसीलिए रोजाना चाकलेट खाने से बचते हैं पर ऐसा नहीं है, चॉकलेट खाना बुरा नहीं है। रिसर्च के मुताबिक, चॉकलेट सिर्फ आपको मीठा खाने की संतुष्टि ही नहीं देता बल्कि ये दिल की बीमारियों से भी बचाता है। खासतौर पर डार्क चॉकलेट। साथ ही यह निम्न रक्तचाप को भी संतुलित करता है। एक अन्य रिसर्च के मुताबिक, जो लोग अधिक चॉकलेट खाते हैं उन्हें स्ट्रोक का खतरा भी कम होता है। गॉसिपिंग से भी है लाभ --गॉसिप करना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। गॉसिपिंग के दौरान बॉडी से फील गुड हार्मोन रिलीज होता है जो कि तनाव और एंजाइटी से मुक्त करने में मदद करता है। इसके अलावा, ऑफिस में गॉसिपिंग सेफ्टी वॉल्व की तरह होती है, जिससे आप अपने दिल की बात बाहर निकाल सकते हैं।

दिन में सपने देखना--दिन में सपना देखने को अक्सर लोग बुरा मानत हैं। जबकि एक शोध में ये बुरी नहीं बल्कि एक अच्छी आदत मानी गई है। एक्सपर्ट्स का दावा है कि दिन में सपने देखने वाले लोगों की याददाश्त तेज होती है। वो ना सिर्फ फुर्तीले होते हैं बल्कि काफी बुद्धिमान भी होते हैं। दिन में सपने देखने वाले लोगों की याददाश्त बेहतर होती है, एकाग्रता अधिक रहती है और मल्टीटास्किंग में आसानी होती है।

# गर्मियों में वरदान से कम नहीं चीकू का सेवन

गर्मी का मौसम आते ही बाजार में कई तरह के फल दिखने लगते हैं जो न सिर्फ स्वादिष्ट होते हैं बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। ऐसा ही एक फल है चीकू (ष्द्धद्दद्मश्श)। भूरे रंग का यह मीठा फल न केवल खाने में लाजवाब होता है बल्कि इसमें कई ऐसे गुण पाए जाते हैं जो गर्मियों में आपके शरीर को हेल्दी रखने में मदद करते हैं।

रोजाना एक चीकू खाना आपकी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

गर्मियों की डाइट में चीकू को जगह देने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं।

यह हार्ट को हेल्दी रखने के साथ-साथ इम्युनिटी बूस्ट करने में भी मददगार है।

गर्मियों में अगर कोई फल स्वाद और सेहत दोनों का पिटारा लेकर आता है, तो वो है चीकू। बाहर से भूरा, अंदर से नरम और मीठा। ये फल जितना स्वादिष्ट होता है, उतना ही फायदेमंद भी। आमतौर पर लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन अगर इसके फायदों को जान लिया जाए, तो शायद इसे अपनी डाइट में रोज शामिल करना शुरू कर दें।

चीकू को अंग्रेजी में स्ड्डश्च-स्त्रद्बद्यद्ग कहा जाता है, और भारत में इसे खासतौर पर महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में उगाया जाता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व न केवल शरीर को ठंडक देते हैं, बल्कि गर्मियों में होने वाली कई आम समस्याओं से भी बचाते हैं। आइए जानते हैं, रोजाना चीकू खाने से आपके शरीर को कौन से 5 जबरदस्त फायदे

**शरीर को ठंडक और एनर्जी देता है**-गर्मी के मौसम में हमारा शरीर जल्दी थक जाता है और डिहाइड्रेशन की समस्या आम हो जाती है। चीकू में प्राकृतिक शक्कर (फ्रक्टोज और सुक्रोज) की भरपूर मात्रा होती है, जो तुरंत एनर्जी देती है। इसके साथ ही ये शरीर को ठंडक पहुंचाता है, जिससे गर्मी की झुलसा देने वाली तपन में राहत मिलती है।

पाचन तंत्र को करता है मजबूत

चीकू में फाइबर की मात्रा काफी अच्छी होती है, जो पाचन क्रिया को दुरुस्त रखने में मदद करता है। रोजाना इसका सेवन करने से कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है। ये फल आंतों की सफाई भी करता है और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है।

गर्मियों में वायरल इन्फेक्शन, खांसी-जुकाम और इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। चीकू में मौजूद विटामिन ष्ट और एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं। इससे शरीर बाहरी बीमारियों से लड़ने में सक्षम होता है और आपको लंबे समय तक हेल्दी बनाए रखता है।

**हड्डियों को बनाता है मजबूत**

चीकू में कैल्शियम, फॉस्फोरस और आयरन जैसे खनिज तत्व भरपूर होते हैं, जो हड्डियों को मजबूती देते हैं। खासकर बच्चों, बूढ़ों और महिलाओं के लिए ये फल बहुत फायदेमंद है। रोजाना इसका सेवन करने से हड्डियों की कमजोरी और जोड़ों के दर्द में भी आराम मिल सकता है।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद

चीकू में विटामिन श्व, और एंटीऑक्सिडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है जो आपकी त्वचा को ग्लोइंग और बालों को मजबूत बनाती है। इसका नियमित सेवन त्वचा को डिटॉक्स करता है और बालों की जड़ें मजबूत करता है, जिससे बालों का गिरना कम होता है।

कैसे और कब खाएं चीकू ?सुबह नाश्ते में या दोपहर के खाने के बाद एक या दो चीकू खाना फायदेमंद होता है।

इसे स्मूदी या मिल्कशेक के रूप में भी लिया जा सकता है।

कोशिश करें कि चीकू हमेशा अच्छी तरह पका हुआ हो, कच्चा चीकू स्वाद और सेहत - दोनों के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

# रोजाना 30 मिनट का व्यायाम आपको रखेगा सेहतमंद

अगर आप हर दिन 30 से 40 मिनट एक्सरसाइज करते हैं तो आप बहुत सी बीमारियों से दूर रहते हैं। एक सर्वेक्षण में कहा गया है अगर कोई आदमी 70 साल का है और वह हर रोज एक्सरसाइज करता है तो उसकी उम्र बढ़ जाती है और बीमारियों से भी दूर रहता है। यह स्वस्थ रहने के लिए यह सबसे बड़ा नुस्खा है।

पौष्टिक भोजन-स्वस्थ रहने के लिए अच्छा भोजन या कहें बैलेंस डाइट की बहुत जरूरत होती है क्योंकि आप जानते हैं ज्यादातर बीमारी गलत डाइट से होती है इसलिए बैलेंस डाइट को अपनाएं! आपके भोजन में उपयुक्त 3 से 5 लीटर पानी पिए हैं। फल और सब्जी खाएं, खाना को चबाकर खाएं, रात में कम खाना कम खाएं, किसी भी एक चीज का ज्यादा मात्रा में सेवन ना करें। कोशिश करें प्रकृति ने जो कुछ आपको खाने के लिए दिया है वह सबकुछ का मजा लें।

स्वस्थ मस्तिष्क-यह आपके जिंदगी का यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है! लोग इस पर ध्यान कम देते हैं ! दुख देने वाले से दूर रहें, सोते समय ना सोचे, कमाई से अधिक खर्च ना करें, किसी से झूठा वादा ना करें, जिसको आप पूरा ना कर सके, बिना मतलब का कुछ ना सोचें हैं, अच्छे लोगों से मिले हैं और उसे दोस्त करें खूब हंसे और दूसरे को हंसाने की कोशिश करें। दिमाग का सीधा रिश्ता दिल से होता है अगर आप तनाव में रहते हैं तो आपका ब्लड प्रेशर बढ़ता है जिस से बहुत सारी बीमारियां होती हैं जैसे हार्ट अटैक आदि। अपने लाइफ स्टाइल को ठीक करें जल्दी सोए और जल्दी जगे। चिंता, क्रोध, शोक, शक और दूसरों से उम्मीद करना छोड़ें।

अच्छी नींद--वैज्ञानिक मानते हैं कि नींद सबसे बड़ी दवा है आप गौर कीजिए जब आप काम करके बहुत ज्यादा थक जाते हैं। अगर आप गहरी नींद से सोते हैं तो सुबह अपने आप को आप तरोताजा पाते हैं। इसीलिए कहा जाता है अच्छी नींद का होना बहुत जरुरी है। कम नींद होना या ज्यादा नींद का होना इसका सीधा प्रभाव स्वास्थ्य पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययन से पाया गया है कि 8 घंटा से ज्यादा और 6 घंटे से कम नहीं सोना चाहिए। सोते समय सोचना नहीं चाहिए जिससे आपकी नींद खराब होती है और आप सही सोच भी नहीं पाते हैं क्योंकि आप थके हुए होते हैं!

लोग अपनी बीमारियों को डालने की कोशिश करता है या फिर अपनी बीमारियों को झूठलाता है कि मुझे यह बीमारी नहीं है इसका चयन स्वयं करें। डॉक्टरी सलाह अवश्य लें समय रहते अगर आप डॉक्टर से मिलते हैं तो आप का इलाज कम खर्च में जल्दी हो जाता है।

विश्व स्वास्थ संगठन अपने गाइडलाइंस में कई बार बता चुका है कि आप हर रोज पांच अलग कलर का फल खाएं! संडे हो या मंडे हर दिन एक अंडे कम से कम खाएं। साफ पानी तीन से 5 मीटर हर दिन पीने की कोशिश करें! दूध का इस्तेमाल करें चाय पीने में दूध का इस्तेमाल होना इसे दूध का सेवन नहीं माना जाता है दूध पिए हैं या धूप से बना हुआ खाना खाएं।

**खुश रहने के बहाने खोजें**--सिर्फ अपने आपको कामनाएं वयस्त रखना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है! आप कामभी करें साथ ही साथ खुश रहने के लिए अलग-अलग तरीकों को अपनाएं जैसे खेल कूद में भाग लेना, फिल्म देखना, अपने मनपसंद दोस्त से मिलना, घूमने जाना, मजाकिया आदत रखना, और मनपसंद खाना खाना आदि।

स्वस्थ रहने के लिए हाइजीन का होना बहुत जरूरी है सिर्फ अपने आप को साफ करना बहुत बड़ी बात नहीं है! आप जो समान इस्तेमाल करते हैं उसका भी साफ होना उतना ही जरुरी है और जहां पर आपका खाना पकता है उसका भी साफ होना जरूरी है।

**स्वस्थ रहने करें हरड़ का उपयोग** --स्वस्थ रहने के लिए हरड़ का प्रयोग नियमित करना चाहिए। शास्त्र में इसकी सात जातियां बतायी गयी है। विजया, रोहिणी, पूतना, अमृता, अभया, जीवंती और चैतकी। व्यावहारिक दृष्टिकोण से तीन प्रकार की होती है। छोटी हर्रे, पीली हर्रे और बड़ी हर्रे। यह तीनों एक ही वृक्ष के फल है। यह कॉम्ब्रेटेसी परिवार का पौधा है। इसका उपयोगी भाग फल है। इसका वृक्ष विशाल लगभग 80-100 फीट ऊंचा होता है। फूल छोटा, सफेद या पीले रंग का होता है। फल एक से डेढ़ इंच लंबा अंडाकार, पृष्ठ भाग पर पांच रेखाओं से युक्त, कच्चा में हरा, पकने पर धूसर पीला रंग का हो जाता है। प्रत्येक फल में एक बीज होता है। पके हुए फलों का संग्रहण अप्रैल-मई माह में करना चाहिए।

यह कफ वात व पित जनित रोगों में उपयोगी है। पाचन शक्ति बढ़ती है। खांसी, सांस, कुष्ठ, बवासीर, पुराना ज्वर, मलेरिया, गैस, अपच, प्यास, त्वचा रोग, पेशाब की जलन, आंखों के रोग, दस्त, पीलिया आदि में लाभदायक है। खट्टेपन से वात रोगों को दूर करती है। चटपटेपन से पित रोग और कसैलेपन से कफ का नाश करती है। इसका सेवन बरसात में सेंधा नमक के साथ, जोड़ों में मिश्री के साथ, हेमंत ऋतु में सोंठ के साथ, बसंत ऋतु में शहद के साथ, गर्मी में गुड़ के साथ करना चाहिए।

खाना खाने से पहले इसे लेने से भूख बढ़ती है। बाद में खाने से खाना आसानी से पचता है

छोटी हर्रे का चूर्ण लगभग चार से छह ग्राम रात में भोजन करने के एक से दो घंटे बाद पानी के साथ प्रयोग करने से कब्ज की समस्या दूर होती है। इसका चूर्ण गुड़ व गिलोथ के काढ़े के साथ प्रयोग करने से गठिया में आराम मिलता है।

इसे तंबाकू की तरह चिलम में रखकर पीने से सांस की समस्या दूर होती है मुख व गले के रोगों में इसका काढ़ा बना कर कुल्ला किया जाता है। इसका चूर्ण दो ग्राम गुड़ के साथ खाना चाहिए। छोटी हर्रे को सुपारी की तरह छोटा-छोटा टुकड़ा कर लें और दिन में खाना खाने के बाद लगभग एक टुकड़े को मुंह में डाल कर अच्छी तरह से चबाना चाहिए। इसके नियमित प्रयोग से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

# विश्वविद्यालयों को राजनीतिक दल से मुक्त होना चाहिए: लोक-राज पंजाब

पटियाला, 29 अप्रैल (निस)ज्ञान के मंदिरों की पवित्रता की रक्षा के लिए, सभी विश्वविद्यालयों को पूर्णत: स्वायत्त और स्वतंत्र होना आवश्यक है, क्योंकि वे सबसे महत्वपूर्ण शैक्षिक नियंत्रण संस्थान हैं। यह बात आज यहां लोक-राज और जागो-पंजाब द्वारा प्रेस को जारी सार्वजनिक अपील में कही गई है। कुलपति के पद को कुलपति नाम दिया गया है। इसलिए, विश्वविद्यालय प्रशासक की नियुक्ति का अधिकार पूरे विश्व में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक निकाय के पास है, और होना भी चाहिए, न कि राज्यपाल के पास।पंजाबी यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति स्वर्ण सिंह बोपाराय, पद्मश्री, कीर्ति चक्र, अध्यक्ष जागो पंजाब और डॉ. मनजीत सिंह रंधावा, संयोजक %लोक-राज% पंजाब ने कहा, विश्वविद्यालय के चांसलर का चयन उसी विश्व विद्यालय के सम्मानित व्यक्ति के संकाय से किया जाना चाहिए, न कि विश्वविद्यालय के बाहर से।वर्तमान में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का चयन राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा राज्यपाल को राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में भेजे गए तीन नामों के पैनल में से किया जाता है। ये नाम अक्सर उस विश्वविद्यालय से बाहर के होते हैं।सभी विश्वविद्यालय वास्तव में विभिन्न सभ्यताओं की सांस्कृतिक विविधता के संरक्षक हैं। क्योंकि, उस भौगोलिक क्षेत्र या राज्य की मातृभाषा, संस्कृति, विरासत और इतिहास को पढ़ाना, शोध करना और संरक्षित करना उस विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी है। दोनों जन कल्याण मंच हाल ही में पीएयू लुधियाना परिसर में हुई निंदनीय घटनाओं, जिन्होंने जनता को शर्मिंदा किया है तथा कई अन्य घटनाओं पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। जो स्पष्ट रूप से राजनीतिक सत्ता के नशे में चूर बेईमान राजनीतिक गुंडों द्वारा विश्वविद्यालयों में राजनीतिक हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप हुआ।

# जालंधर में लापता वकील मामले में नया मोड़, होश उड़ा देगी सनसनीखेज खबर

जालंधर 29 अप्रैल (निस) जालंधर-फगवाड़ा हाईवे पर स्थित फ्लैटों से संदिग्ध परिस्थितियों में एक वकील के लापता हो गया जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। करीब 8 दिन बीत जाने के बाद भी फिलहाल लापता वकील का पता नहीं चल पाया है। सूत्रों के मुताबिक बताया जा रहा है बीते शनिवार को जालंधर निवासी एक वकील अपने परिजनों को जालंधर-फगवाड़ा हाइवे पर स्थित अपने फ्लैट में रात रुकने की बात कह कर घर से गया, लेकिन रविवार होने के चलते वह घर नहीं लौटा तो परिजनों ने रविवार को छुट्टी होने के चलते उसे फोन भी नहीं किया। इसके बाद सोमवार को जब परिजनों ने फोन किया तो वकील का फोन बंद आ रहा था। वहीं शाम को परिवार उक्त फ्लैट में पहुंचा और दरवाजा खटखटाया तो अंदर से कोई बाहर नहीं आया, जिसके बाद वह वापस घर लौट आए। उन्होंने घटना संबंधी पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर को मामले संबंधी लिखित शिकायत की। पुलिस कमिश्नर ने मामले की जांच के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया जबकि मामला फगवाड़ा पुलिस की हदबंदी में आता देख कमिश्नरेट पुलिस ने मामले की जांच फगवाड़ा-कपूरथला पुलिस को सौंप दी पर करीब 1 सप्ताह बीत जाने के बाद भी पुलिस लापता वकील को ढूंढ नहीं पाई। सूत्रों के मुताबिक बताया जा रहा है कि फगवाड़ा-कपूरथला पुलिस ने मामले की सूचना मिलने के बाद इस मामले में पीड़ित पक्ष के बयानों पर मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने इस मामले में करीब 3-4 लोगों को राउंडअप किया है, जिनसे पुलिस पूछताछ कर रही है पर फिलहाल इस मामले की अधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है।

# पति को बाजू से पकड़कर कमरे में ले गई पत्नी, जब परिवार ने अंदर जाकर देखा तो...

समाना 29 अप्रैल (निस) ब्लाक समाना के गांव बल्लमगढ़ में पत्नी की तरफ से पति का गला घोंट कर मारे जाने का मामला सामने आया है। सदर पुलिस ने मृतक की लाश को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए सिवल हस्पताल समाना की मोर्चरी में रखवा कर अगली कार्यवाही शुरू कर दी है। जानकारी देते हुए सदर पुलिस प्रमुख इंस्पेक्टर विक्रमजीत सिंह बराड़ ने बताया कि मृतक हरप्रीत सिंह (29) पुत्र काला सिंह की माता हरपाल कौर की तरफ से दर्ज करवाए बयानों अनुसार उस के दोनों पुत्रों का विवाह गांव कोहरियां में दोनों सगी बहनों के साथ हुआ था। दोनों परिवार अलग-अलग तौर पर गांव में रह रहे हैं। उसके दोनों पुत्र मेहनत मजदूरी करते हैं। 24 अप्रैल शाम को रोजाना की तरह जब उस का पुत्र हरप्रीत सिंह काम से वापिस आया तो पति-पत्नी का आपस में झगड़ा हो गया और वह उसे हाथ पकड़कर कमरे में ले गई और अंदर से चिटकनी लगा ली। जब अगले दिन सुबह उन्हें आवाजें लगाई और कमरे का दरवाजा नहीं खोला तो उन्होंने किसी की मदद के साथ जब अंदर लगी चिटकनी खुलवाई तो हरप्रीत बैड पर बेहोश पड़ा था और उसकी पत्नी पास बैठी थी। सूचना मिलने पर सदर पुलिस ने हरप्रीत को सिवल हस्पताल लाया तो डाक्टरों ने उसे मृतक ऐलान दिया। उन्होंने आगे बताया कि पत्नी ने पति की सराने के साथ गला घोंट कर हत्या की है। अधिकारी अनुसार दर्ज बयानों के आधार पर मृतक की पत्नी वीरपाल कौर के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। मृतक अपने पीछे एक पांच साल की लड़की छोड़ गया है।

# जाब में अवैध हथियारों के जखीरे के साथ आरोपी गिरफ्तार, हुए बड़े खुलासे

अमृतसर 29 अप्रैल (निस) काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर ने एक विशिष्ट सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान से जुड़े एक अवैध हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पंजाब डी.जी. ने ट्वीट कर यह जानकारी सांझी की है। उन्होंने बताया कि अभिषेक कुमार को अमृतसर से गिरफ्तार किया गया और उसके कब्जे से 7 पिस्तौल (जिनमें 5 पिस्तौल .30 बोर और 2 ग्लॉक 9 एमएम पिस्तौल शामिल हैं), 4 जिंदा कारतूस (.30 बोर) और 1,50,000/- रुपए बरामद किए गए हैं। उन्होंने आगे बताया कि आस्ट्रेलिया निवासी जस्सा जो पाकिस्तान स्थित तस्करों के साथ मिलकर अपने स्थानीय साथियों जोधबीर सिंह उर्फ जोधा और अभिषेक कुमार की मदद से भारत-पाक सीमा के रास्ते अवैध हथियारों/गोला-बारूद की तस्करी का प्रबंध करता है।

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अभिषेक कुमार और जोधबीर सिंह उर्फ जोधा भी हवाला लेनदेन में शामिल हैं, जिससे पता चलता है कि आपराधिक गतिविधियों में लिप्त एक बड़े नेटवर्क के साथ उनके संबंधों को दर्शाता है। एस.एस.ओ.सी. अमृतसर में एक एफ.आई.आर. दर्ज की गई है और अन्य सहयोगियों को पकड़ने तथा सभी पिछले और अगले संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

# अहिंसा चेरिटेबल सेवा समिति द्वारा अक्षय तृतीया पर इक्षु रस का भंडारा आज

चण्डीगढ़ 29 अप्रैल (निस) अहिंसा चैरिटेबल सेवा समिति, चण्डीगढ़ द्वारा पिछले 15 वर्षों से लगातार आयोजित किए जा रहे इक्षु (गन्ने) रस के भंडारे का इस वर्ष अब तक का सबसे भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन अक्षय तृतीया एवं जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान 1008 ऋषभ देव जी के प्रथम पारणा दिवस के पावन अवसर पर श्री दिगम्बर जैन मंदिर, सेक्टर 27 में संपन्न होगा। इस सेवा कार्य की शुरुआत मात्र 400 किलोग्राम इक्षु (गन्ने के) रस से हुई थी, और इस वर्ष यह भव्य आयोजन

12400 किलोग्राम इक्षु रस एवं रस की खीर के साथ किया जा रहा है। भंडारा दो दिनों 30 अप्रैल 2025 एवं 1 मई 2025 को आयोजित किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के उपस्थित होने की संभावना है।विशेष उल्लेखनीय बात यह है कि इस वर्ष पहली बार इस भंडारे का आयोजन चंडीगढ़ के अलावा दो अन्य स्थानों पंचकूला और जीरकपुर में भी किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक श्रद्धालु इस पुण्य अवसर का लाभ उठा सकें।भंडारे की तैयारियां जोरों पर हैं और मंदिर परिसर में गन्ने की सफाई का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस पुण्य कार्य में सक्रिय रूप से सहयोग देने वाले समिति सदस्यों में अजय जैन, सुरेंद्र जैन, रजनीश जैन, राजेंद्र प्रसाद जैन, नवरत्न जैन,रमेश चंद जैन, सचिन जैन, आरके जैन, आरपी जैन, सुनीता जैन, संजय जैन, विनोद जैन एवं आशीष जैन पंडित जी का उल्लेखनीय योगदान है।

# भारत-पाक तनाव के बीच सीमांत गांवों में दहशत, गुरुद्वारों से की जा रही विशेष घोषणा

जम्मू 29 अप्रैल (निस) जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का डर पंजाब के लोगों में भी देखने को मिल रहा है। पंजाब के बॉर्डर एरिया के गांवों के लोग डरे सहमे हुए हैं। भारत पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण जिला गुरदासपुर के लोगों में डर का माहौल है। बता दें कि पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए टूरिस्टों की मौत की बाद से भारत पाकिस्तान में तनाव बढ़ता ही जा रहा है। इसी के चलते पंजाब के बॉर्डर एरिया में रहने वाले लोग दहशत में हैं। कुछ स्थानों पर स्थानीय लोगों ने एहतियात के तौर पर सामुदायिक बंकरों को खाली कर दिया है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि, हालात ज्यादा खराब न हों। वहीं पंजाब गुरदासपुर के बॉर्डर एरिया कई गांवों में लोगों में डर देखने को मिल रहा है। गुरुद्वारों में अनाउंसमेंट करवाई जा रही है। इलाके लोगों को अलर्ट रहने के लिए कहा जा रहा है। लोगों का कहना है, युद्ध नहीं होना चाहिए। गौरतलब है कि, पाकिस्तान बॉर्डर के साथ लगती कंटीली तारों से पार खेतों में पर फसलों की कटाई का काम 2 दिन के भीतर खत्म करने के आदेश दिए हैं।

# कहां से आता और कहां गायब हो जाता है चोर गिरोह

## *कलायत में चोरी की घटनाएं ट्रैस न होने पर दुकानदारों व आम लोगों में पुलिस के खिलाफ भारी रोष*

***दिन-दिहाड़े पार्षद का मोटरसाइकिल चुरा ले गए चोर पुलिस घटना स्थल से दूर***

**कलायत, 29 अप्रैल (सूबे सिंह मोर):** कलायत में पुराने डीएसपी कार्यालय के नजदीक रेलवे रोड पर

15-16 अप्रैल की रात्रि एक साथ चार दुकानों में हुई लाखों की चोरी के मामले में ठोस कार्यवाही की मांग को लेकर दुकानदारों ने एसपी आस्था मोदी का दरवाजा खटखटाया। भूपेंद्र पाल, कपिल कांसल, सोनू ,साहिल सिंगला और नंदलाल ने बताया कि चोरी घटना के 12 दिन बाद भी पुलिस चोरों को पकड़ नहीं पाई है। इससे दुकानदारों और आम लोगों में भारी रोष है। परिणामस्वरूप नव नियुक्त जिला पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी से चोरी के मामलों में कार्यवाही के लिए दुकानदारों ने मुलाकात का निर्णय लिया। दुकानदारों ने बताया कि चोरों ने व्यापक स्तर पर चोरी करते हुए नकदी, नोटों की माला, सोने की अंगूठी, चैन और अन्य सामान पर हाथ साफ किया। इससे कई लाख रुपए का नुकसान दुकानदारों को हुआ है। घटना के बाद स्थानीय पुलिस, सीआईए और फॉरेंसिक टीम मौके पर जांच के लिए पहुंची थी। दुकानदारों ने चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत भी की। इसके साथ ही विरोधस्वरूप बाजार भी कई घंटे बंद रहे थे। दुकानदारों का कहना है कि चोरी की घटना के संदिग्धों की सीसीटीवी फूटेज भी पुलिस को दी है। हैरानी का विषय है कि इसके उपरांत भी पुलिस चोरों तक नहीं पहुंच पा रही। दुकानदारों ने एसपी से चोरों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। एसपी आस्था मोदी ने दुकानदारों को जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। साथ ही जांच का जिम्मा कैथल सीआईए वन टीम को सौंपने के निर्देश दिए। कलायत शहर में दुकानों के साथ-साथ चोर गिरोह मोटरसाइकिलों को निशाना बना रहे हैं। शहर के लोगों का कहना है कि पलक झपकते ही चोर चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर फुर्र हो जाते हैं। इस कड़ी में 10 अप्रैल को वार्ड 9 से पार्षद जगदीश रायका का मोटरसाइकिल चोर दिन दिहाड़े गली से चुरा ले गए। पार्षद ने इसकी शिकायत पुलिस को दी। आरोप है कि शिकायत के बाद भी पुलिस जांच अधिकारी ने न तो संबंधित क्षेत्र की सीसीटीवी फूटेज को खंगाला न ही शिकायतकर्ता से घटना की जानकारी लेने के लिए मौका मुआयना किया गया। इस प्रकार की स्थिति के चलते ही चोरों के हौसले बुलंद हैं। हालांकि हरियाणा पुलिस महानिदेशक व एसपी के पुलिस को निर्देश हैं कि चोरी की घटना की सूचना मिलते ही त्वरित कार्यवाही हो। लेकिन कलायत में शायद पलिस को शीर्ष अधिकारियों के आदेशों की ज्यादा परवाह नहीं है कलायत में चोरी की घटनाओं को लेकर 16 अप्रैल को शहर के बाजार भी बंद रहे। दुकानदार, आम लोग और समाज सेवी संगठन बार-बार एक ही सवाल पूछ रहे हैं कि आखिरकार चोर गिरोह के लोगों के तार किस क्षेत्र से जुड़े हैं। घटना के बाद चोर कहां गायब हो जाते हैं। इसके साथ ही ठोस कार्यवाही की बजाए पुलिस जांच अधिकारियों का घटना स्थल व साक्ष्यों से दूर रहना? इस प्रकार के अनेकों सवाल उठ रहे हैं। हैरानी तो उस समय हो गई जब एक पुलिस कर्मी ने चोरी गए सामान को भूल जाने का तर्क पार्षदों के शिष्टमंडल को दे डाला। कर्मी का कहना था कि चोरी गया सामान नसीब में होगा तो मिल जाएगा वरना घटना को भूलने में ही भलाई है। इससे शहर के लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। लोग अविलंब संबंधित कर्मी को बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं।

# संक्षिप्त समाचार

## अमृतसर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बढ़ाई गई सुरक्षा, सीआईएसएफ के जवान तैनात

अमृतसर 29 अप्रैल (निस) पहलगाम में हुई घटना को लेकर जहां पर पूरे प्रदेश में व्यवस्था को लेकर कड़े प्रबंध किए जा रहे हैं, वहीं पर अमृतसर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भी सुरक्षा प्रबंधन को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आने-जाने वाले हर यात्री पर कड़ी निगाह रखी जा रही है। वहीं पर एयरपोर्ट के इर्द-गिर्द क्षेत्र में भी एयरपोर्ट अथॉरिटी का पूरा प्रबंध देखने को मिला है इस संबंध में श्री गुरु रामदास जी (एस.जी.आर.डी.) एयरपोर्ट के महानिदेशक एस.के कपाही ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सी.आई.एस.एफ. के जवानों की कड़ी निगरानी है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट प्रबंधन हर समय ही हाई-अलर्ट पर रहता है। इसके लिए हम सीमाओं पर तैनात बी.एस.एफ. व अन्य बलों के अतिरिक्त स्थानीय पुलिस से पूरा संपर्क बनाए हुए हैं।

## सुल्तानपुर लोधी में बड़ी वारदात, होमगार्ड के जवान पर तेजधार हथियारों से जानलेवा हमला

सुल्तानपुर लोधी 29 अप्रैल (निस) सुल्तानपुर लोधी के गांव शेरपुर सद्दा में सरेआम गुंडागर्दी देखने को मिली। जहां एक होमगार्ड जवान व उसके भाई पर उसी गांव के कुछ युवकों ने जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी देते हुए सिविल अस्पताल में उपचाराधीन होमगार्ड जवान गुरदयाल सिंह पुत्र निरंजन सिंह निवासी शेरपुर सद्धा ने बताया कि उसका भाई चरणजीत सिंह पुत्र निरंजन सिंह ड्राइवर का काम करता है और सवारियों को छोड़कर गांव लौट रहा था। जब वह गांव में पहुंचा तो गांव के ही 4-5 युवकों ने लूटपाट की नीयत से उस पर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया और गाली-गलौज करने लगे। होमगार्ड ने बताया कि जब उसे इस बारे में पता चला तो वह अपने भाई को बचाने गया तो उक्त व्यक्तियों ने तेजधार हथियारों से हमला कर दिया, जिसके बाद गांववासियों ने उपचार के लिए सिविल अस्पताल सुल्तानपुर लोधी में भर्ती करवाया। पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि उक्त व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए तथा उन्हें न्याय दिलाया जाए। उधर, पुलिस मामले की जांच कर कानूनी कार्रवाई कर रही है।

## अब सड़कों पर नहीं बजेगा पां पां पीं पीं का हॉर्न, जल्द होने जा रहा बड़ा बदलाव!

मोहाली 29 अप्रैल (निस) सड़कों पर चलते समय कई तरह के हॉर्न सुनने को मिलते हैं। अगर कहीं ट्रैफिक जाम हो जाए तो पां पांप्पीं पीं' जैसे हॉर्न सुनने को मिलते हैं, जिससे तो कई बार सिरदर्द होने लगता है। लेकिन अब लोगों को ऐसे हॉर्न से छुटकारा मिलने जा रहा है। दरअसल, केंद्र सरकार एक नया कानून ला रही है, जिससे अब गाड़ियों में कुछ अलग तरीके के हॉर्न बजेंगे। ज्यादातर वाहनों पर पां पां.. पीं पीं.. या फिर कई वाहनों जैसे बस ट्रकों में तो बॉलीवुड गाने के हॉर्न बजाए जाते हैं। इन ऊंचे हॉर्न से कई बार दूसरे व्यक्ति का तो हार्ट फेल हो जाता है। लेकिन अब इन हॉर्न से छुटकारा मिलेगा, क्योंकि केंद्र सरकार नया कानून लाने जा रही है, जिसके तहत ऐसे हॉर्न बजाए जाएंगे, जिससे हलके व मधुर संगीत बजे। इस संबंधी केंद्र ट्रांसपोर्ट मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि, ऐसे कानून बनाने पर विचार किया जा रहा है, जल्द ही इन वाहनों हॉर्न में भारतीय म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट की ध्वनि का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे लोगों सिरदर्द नहीं सुख का एहसास हो।

# लिवासा अस्पताल में डा. राकेश सूदन का स्वागत, दिल की सेहत पर विशेष चर्चा

अमृतसर 29 अप्रैल (मधु राजपूत) लिवासा अस्पताल, अमृतसर ने हृदय विज्ञान में प्रगति डॉ. राकेश सूदन का स्वागत विषय पर सफलतापूर्वक एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इस अवसर पर डॉ. (प्रो.) राकेश सूदन का लिवासा अस्पताल, अमृतसर में मुख्य कार्डियक सर्जरी प्रमुख के रूप में स्वागत किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सूदन की विशेषज्ञता, दिल की सेहत से जुड़े महत्वपूर्ण विचारों और लिवासा अस्पताल अमृतसर में हृदय रोग विज्ञान में हो रहे नवीनतम विकासों पर चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय मीडिया और प्रमुख स्वास्थ्य पेशेवरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो इस क्षेत्र में अगली पीढ़ी की चिकित्सा प्रगति में बढ़ती रुचि को दर्शाता है। डॉ. (प्रो.) राकेश सूदन एक अत्यंत सम्मानित कार्डियक सर्जन हैं, जिन्हें 34 वर्षों से अधिक का अनुभव प्राप्त है। उन्होंने अपनी एमबीबीएस और एमएस की पढ़ाई गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, जम्मू से तथा एमसीएच (सीटीवीएस) मद्रास मेडिकल यूनिवर्सिटी से पूरी की। डॉ. सूदन ने सीएमसी वेल्लोर और एनआईएमएस हैदराबाद जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में फैकल्टी के रूप में भी सेवाएं दी हैं। उन्होंने अब तक 10,000 से अधिक सीवीटीएस प्रक्रियाएं सफलतापूर्वक संपन्न की हैं, और जटिल हृदय सर्जरी में

विशेषज्ञता हासिल की है। डॉ. सूदन का उद्देश्य उन्नत हृदय देखभाल को किफायती दरों पर समाज के व्यापक वर्ग तक पहुँचाना है।लिवासा अस्पताल के निदेशक और सीईओ डॉ. पवन कुमार ने डॉ. सूदन का स्वागत करते हुए कहा, भारत में हृदय रोग एक बड़ी चुनौती बना हुआ है और हम दुनिया के उन देशों में शामिल हैं जो इस स्वास्थ्य संकट से सबसे अधिक प्रभावित हैं। ऐसे में हमारे लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि हम अपने स्वास्थ्य देखभाल ढांचे को मजबूत करें और रोकथाम पर ध्यान केंद्रित करें। इसी दिशा में, हम डॉ. राकेश सूदन का अपनी टीम में स्वागत करते हुए अत्यंत गर्व महसूस कर रहे हैं। उनकी गहन विशेषज्ञता और असाधारण कौशल हमारे हृदय रोग देखभाल के स्तर को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। हमारा लक्ष्य उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं को क्षेत्र के हर नागरिक तक पहुँचाना है, और डॉ. सूदन के नेतृत्व में हम इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेंगे। हम मिलकर हृदय स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवाचार करेंगे और नई मिसाल कायम करेंगे।डॉ. (प्रो.) राकेश सूदन, मुख्य कार्डियक सर्जरी प्रमुख, लिवासा अस्पताल अमृतसर ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, लिवासा अस्पताल अमृतसर में मुख्य कार्डियक सर्जरी प्रमुख के रूप में शामिल होकर में गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। मेरा संकल्प है कि मैं उच्चतम गुणवत्ता वाली सर्जिकल देखभाल प्रदान करूं और कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों को अपनाते हुए कार्य करूं। मैं विश्वास करता हूं कि हमारी समर्पित टीम और मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से हम इस क्षेत्र में दिल की सेहत के परिणामों को बेहतर बना सकते हैं। हम मिलकर अपने मरीजों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए लगातार प्रयासरत रहेंगे।

# जारी हुई खास चेतावनी, मौसम विभाग ने की बड़ी भविष्यवाणी

जालंधर 29 अप्रैल (निस) गर्मी फिर से अपना रंग दिखाती नजर आ रही है, जिससे जनता का हाल बेहाल हो रहा है। राज्य के कई जिलों का तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विज्ञान विभाग के चंडीगढ़ केन्द्र द्वारा जारी किए गए पूर्वानुमान के मुताबिक 3 दिनों के लिए यैलो अलर्ट घोषित किया गया है, जिसके चलते तापमान में बढ़ौतरी होगी। विभाग द्वारा हीट वेव (लू) की चेतावनी जारी की गई है, जिसके चलते बचाव करना बेहद जरूरी हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में एकाएक मौसम बदलता हुआ नजर आएगा और गर्मी अपना प्रकोप दिखाएगी। वहीं, रविवार को छुट्टी के चलते लोगों का आवागमन बेहद कम रहा जिससे सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिला। मौसम विभाग द्वारा 28 से 30 अप्रैल तक के लिए यैलो अलर्ट दिखाया गया है, लेकिन यह यैलो अलर्ट की प्रथम स्टेज होगी, इसमें फिलहाल तूफान आदि का अलर्ट नहीं रहेगा, लेकिन गर्मी का जोर देखने को मिलेगा। फिलहाल जारी हुए आंकड़ों के मुताबिक 3 दिन के बाद भी लू का प्रकोप कम होने के आसार नहीं हैं। तापमान की बात की जाए तो बठिंडा पंजाब का सबसे गर्म शहर रहा जहां पर तापमान 43 डिग्री के करीब रिकार्ड हुआ। वहीं, लुधियाना में 41, फतेहगढ़ साहिब में 40 डिग्री सैल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। वहीं जालंधर का अधिकतम तापमान 39-40 डिग्री सैल्सियस रिकार्ड हुआ। **तापमान ने एकाएक लगाई 4 डिग्री की छलांग**-तापमान ने एकाएक 4 डिग्री की छलांग लगाई है, जोकि सामान्य तौर पर एकाएक देखने को नहीं मिलती। विशेषज्ञों द्वारा जारी किए आंकड़ों में बताया गया है कि पिछले दिनों पंजाब का एवरेज तापमान 36 डिग्री तक रह गया था जबकि न्यूनतम तापमान में भी गिरावट रिकार्ड हुई थी, इसके चलते कई इलाकों में रात के समय ए.सी. बंद हो गए थे। अब गर्मी बढ़ने से तापमान में एकाएक इजाफा हुआ है और पंजाब का एवरेज तापमान 40 पार की छलांग लगा चुका है।

# कर्मचारी संगठन एक मई को मनाएंगे मजदूर दिवस

**करनाल, 29 अप्रैल (सोनी दुआ):** कर्मचारी संगठनों और जन संगठनों की ओर से एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन फव्वारा पार्क सेक्टर 12 में किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मंगलवार को बैठक का आयोजन एचएसवीपी स्थित कार्यालय में किया गया। बैठक की अध्यक्षता जगमाल राणा ने की व संचालन ओपी माटा ने किया। ओपी माटा ने कहा कि मजदूर दिवस कार्यक्रम में वक्ता अपने विचारों से मजदूरों का हौसला बढ़ाने का काम करेंगे। मजदूरों के आर्थिक शोषण को लेकर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि मजदूर दिवस मेहनतकश लोगों के संघर्ष और अधिकारों के सम्मान, योगदान और मेहनत को मान्यता देने के लिए एक बेहद खास दिन है। यह दिन उन सभी श्रमिकों को समर्पित है, जो कठिन परिश्रम से आम जन मानस के जीवन को आसान बनाते हैं। श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजदूर दिवस मनाया जाता है। मजदूर दिवस राष्ट्रों की सरकारों और संस्थाओं को यह याद दिलाता है कि समाज का विकास तभी संभव है जब श्रमिक सुरक्षित और सम्मानित हों। इस अवसर पर कृष्ण शर्मा, सुशील गुर्जर, सेवा राम, बलराज, ओमप्रकाश सिहमार, कामरेड जगमाल सिह, जरासो देवी, सतपाल सैनी, ओपी माटा, सुदेश, सर्वेश राणा, बिजनेश राणा, सुरेश कुमार, रूपा राणा, जरासो देवी, अशोक अरोड़ा, म जोगीन्द्र कुमार, राजीव, कुलदीप राणा व सतबीर सिंधड़, नोज कुमार, नीरू, सुदेश, कविता, शिमला देवी व संतोष मौजूद रहे।

# 16वें केंद्रीय वित्त आयोग की टीम ने किया हिसार दौरा, विकास कार्यों का किया निरीक्षण

## आयोग के अध्यक्ष के नेतृत्व में टीम ने हिसार में कंसल्टेशन विजिट श्रृंखला के तहत विभिन्न स्थानों पर किया निरीक्षण

**हिसार, 29 अप्रैल ( मनमोहन शर्मा ) :** भारत सरकार द्वारा गठित 16वें केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढिय़ा के नेतृत्व में आयोग देशभर के विभिन्न हितधारकों से व्यापक परामर्श कर रहा है। इस सिलसिले में आयोग की कंसल्टेशन-विजिट श्रृंखला के तहत हरियाणा 24वां राज्य बना है, जहां आयोग ने दौरा किया। मंगलवार को आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढिय़ा और अधिकारियों की टीम हिसार पहुंची। यहां मंडलायुक्त ए. श्रीनिवास, उपायुक्त अनीश यादव तथा जिला नगर आयुक्त नीरज ने आयोग की टीम का स्वागत किया। गौरतलब है कि केंद्रीय वित्त आयोग राज्यों में विकास कार्यों, बुनियादी ढांचे और नवाचारों की वास्तविक स्थिति को समझने हेतु जमीनी स्तर पर इस प्रकार के दौरे कर रहा है। दौरे के दौरान आयोग की टीम ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कैमरी रोड पर स्थापित 15 एमएलडी क्षमता के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और वाटर वर्क्स के द्वितीय चरण के रिनोवेशन कार्य का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने इस परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यों,

जल गुणवत्ता, सप्लाई प्रणाली एवं प्रौद्योगिकी के बारे में आयोग को अवगत कराया। इसके उपरांत आयोग की टीम ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार स्थित विभिन्न शोध एवं नवाचार स्थलों का भ्रमण किया। टीम ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित डॉ. मंगलसेन कृषि साइंस म्यूजियम एवं बायोटेक्नोलॉजी लेबोरेटरी का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने टीम को कृषि नवाचार, जैविक अनुसंधान एवं ग्रामीण पर्यटन, परम्परागत संसाधनों और उनके द्वारा किए गए प्रयोग को बढ़ावा देने से संबंधित गतिविधियों की जानकारी दी।

**हिसार में जनस्वास्थ्य विभाग पाँच वाटर वर्क्स के माध्यम से पेयजल आपूर्ति कर रहा सुनिश्चित**

केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढिय़ा और अधिकारियों की टीम ने केमरी रोड स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। जनस्वास्थ्य विभाग के इंजीनियर इन चीफ देवेंद्र सिंह ने बताया कि हिसार शहर के लिए विभाग ने पाँच वाटर वर्क्स बनाए हुए है। कैमरी रोड वाटर वर्क्स की क्षमता 15 एमएलडी की है और 51711 लोगों को पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस वाटर वर्क्स से वार्ड नंबर 14,15,16 और पटेल नगर को सलाई की जा रही है। इसकी स्टोरेज क्षमता 2.88 करोड़ लीटर की है। उन्होंने बताया कि इस वाटर वर्क्स को बालसमंद सब ब्रांच से आपूर्ति होती है। हिसार में पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की कोई बाधा नहीं है और लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

**किसानों को एफपीओ की स्थापना की मदद सहित मार्केटिंग तकनीक से करवाया जा रहा अवगत**

वित्त आयोग के अध्यक्ष और टीम का हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पहुँचने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी आर कंबोज ने स्वागत किया और आयोग को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित की जा रही गतिविधियों की जानकारी सांझा की। आयोग को अवगत करवाया गया कि विश्वविद्यालय किसानों को बीज उपलब्ध करवाने के साथ ही उनके किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) स्थापित करने में मदद करता है और उनके लिए मार्केटिंग के रास्ते खोजने में मदद कर रहा है। एचएयू किसानों को फसलों को अनुसंधान करके बीज उपलब्ध कराती है।

**एचएयू ने टिश्यू कल्चर विधि से विभिन्न प्रजातियों के पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की**

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढिय़ा एवं टीम के सदस्यों को बताया कि सेंटर फॉर माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला से तैयार किए गए पौधे हरियाणा सहित उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों के किसानों को उपलब्ध करवाए जा सकेगें। इस प्रयोगशाला में टिश्यू कल्चर विधि से विभिन्न प्रजातियों के पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई हैं। लैब में प्रति वर्ष लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, रोग रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे तैयार किये जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि गन्ने की एक आँख से 40 हजार पौधे तैयार किये जा रहे हैं जिससे किसानों को लाभ होगा। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है जिसे तीन भागों में विभाजित किया गया है। पहले भाग में प्रयोगशाला है जो कि 6500 स्क्वेयर फीट में स्थापित की गई है। जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरे भाग में 1041 स्क्वेयर फीट में ग्रीन हाउस है। यहां पर पौधों को नियंत्रित तापमान एवं आद्रता में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिश्यू कल्चर विधि से 5 लाख पौधे रखने की क्षमता है। तीसरे भाग में नेट हाउस है, जो की एक एकड़ में बनाया गया है। जिसमें पौधे रखकर किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे।

**कृषि विज्ञान संग्रहालय में वित्त आयोग की टीम ने देखी हरियाणवी संस्कृति की झलक**

वित्त आयोग की टीम ने डॉ मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का भ्रमण कर जानकारी हासिल की। संग्रहालय के प्रारंभ में ही हरियाणा की गौरवपूर्ण विकास यात्रा के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, जन सांख्यिकीय आंकड़े दर्शाए जाने के साथ आगंतुकों विशेषकर स्कूली बच्चों को कृषि के बारे में जागरूक करने के लिए कृषि विकास यात्रा को त्रि-आयामी भीती चित्रों द्वारा दर्शाया गया है। संग्रहालय में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों, विभागों तथा संकायों की जानकारी देने के लिए त्रि-आयामी मॉडल लगाए गए हैं जो विश्वविद्यालय का अति सुंदर चित्रण प्रस्तुत करते हैं।

# हरियाणा सरकार किसानों से किए अपने वादों को पूरा नहीं कर रही : बहादुर मेहला

**करनाल, 29 अप्रैल ( रविन्द्र मलिक ) :** भारतीय किसान यूनियन सर छोटूराम ने कहा है कि हरियाणा सरकार किसानों से किए अपने वादों को पूरा नहीं कर रही। यूनियन के प्रवक्ता बहादुर मेहला बलड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने वादा किया था किसानों को फसलों की पेमेंट 48 से 72 घंटे के भीतर की जाएगी। हैरानी और परेशानी की बात है कि किसानों को गेहूं की पेमेंट का भुगतान 10 से 12 दिन बीतने के बाद भी नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण किसान पहले ही कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है। खाद और दवाइयों के दाम आसमान छू रहे हैं। फसलों पर एमएसपी नहीं मिल रही। उन्होंने कहा कि किसानों को पेमेंट का भुगतान समय पर नहीं किया जाता तो वह आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान हो जाता है। सरकार अधिकारियों को निर्देश जारी करे कि किसानों को पेमेंट का भुगतान जल्द से जल्द किया जाए। इसी फसल के पैसे से किसान अगली फसल की तैयारी भी करता है। उसे खाद बीज दवाइयां ट्रैक्टर का डीजल बिजली का बिल मजदूर की मजदूरी सभी का पैसा इसी फसल से पूरा करना होता है। अगर इस फसल की पेमेंट लेट हो गई तो अगली फसल बिजाई के लिए किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। बहादुर मेहला ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों की आय दोगुणा करने का वादा किया था। हालात यह हैं कि इंकम दो गुणा होने की बजाए आधी रह गई है। सरकार ने किसान हितेषी कदम नहीं उठाए तो फिर से बड़ा आंदोलन किया जा सकता है।

# राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने भगवान परशुराम को नमन किया

**चंडीगढ़, 29 अप्रैल ( सतीश कुमार ) :** हरियाणा के राज्यपाल श्री

बंडारू दत्तात्रेय ने भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर मंगलवार को राजभवन में पूज्य संत के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। दत्तात्रेय ने भगवान परशुराम की शाश्वत शिक्षाओं और मूल्यों - वीरता, धार्मिकता, धर्म के प्रति समर्पण और समाज की सेवा पर प्रकाश डाला। उन्होंने हरियाणा और देश के लोगों से भगवान परशुराम के जीवन और आदर्शों से प्रेरणा लेने और एक मजबूत, अधिक समावेशी और समतापूर्ण भारत के निर्माण का आग्रह किया। राज्यपाल ने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक प्रकाश का रूप है। सत्य, न्याय और समाज के उत्थान के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता आज के समय में बहुत प्रासंगिक है। आइए हम उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लें और राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और सामूहिक प्रगति में योगदान दें। उन्होंने समृद्ध भविष्य के लिए समुदायों के साथ मिलकर काम करते हुए भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के महत्व पर भी जोर दिया। इस अवसर पर राजभवन के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

# रायपुररानी में तनावपूर्ण माहौल,भीम आर्मी व क्षत्रिय समाज आमने-सामने, भारी पुलिस बल तैनात

## धरनास्थल पर पहुँचने से पहले भीम आर्मी प्रमुख और नगीना सांसद चंद्रशेखर आज़ाद को रास्ते में रोका, राजपूत समाज ने एससी-एसटी मुकदमों को बताया बेबुनियाद

**रायपुररानी, 29 अप्रैल ( देवेन्द्र सिंह ) :** रायपुररानी थाना क्षेत्र में मंगलवार को उस समय हालात तनावपूर्ण हो गए जब भीम आर्मी और क्षत्रिय समाज द्वारा थाने का घेराव करने का आह्वान किया गया। यह विरोध गांव मौली में 6 अप्रैल को दलित समाज की एक लड़की की शादी के दौरान दूल्हे को बग्गी में बैठाने को लेकर उपजे विवाद के बाद शुरू हुआ, जिसने सामाजिक तनाव को जन्म दिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पंचकूला पुलिस ने सोमवार को ही रायपुररानी क्षेत्र में धारा 163 लागू कर दी थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धारा 163 लागू होते ही मंगलवार सुबह 6 बजे से रायपुररानी और मौली गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। सुरक्षा के मद्देनज़र दोनों क्षेत्रों में चप्पे-चप्पे पर पुलिस ने बैरिकेडिंग की। मौली गांव में लगभग 300 जवान और रायपुररानी में 300 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए। इसके अतिरिक्त, पुलिस ने किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने हेतु आंसू गैस छोड़ने वाली गाड़ी भी मौके पर बुला ली। बता दें कि सुबह करीब 9 बजे रायपुररानी पुलिस ने पूरे कस्बे में पैदल मार्च करते हुए जनता से शांति बनाए रखने की अपील की। बावजूद इसके, करीब 11 बजे तक

रायपुररानी के श्री गुरु रविदास मंदिर परिसर में दलित समाज और मौली गांव में क्षत्रिय समाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हो गए। दोनों पक्षों के आमने-सामने आने की आशंका को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने अतिरिक्त सतर्कता बरतनी शुरू कर दी। पुलिस ने नाकाबंदी करते हुए रायपुररानी थाने से देव समाज स्कूल तक की आवाजाही पूर्ण रूप से बंद कर दी है। किसी भी आम नागरिक को इस इलाके में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही। क्षेत्र में धारा 163 लागू होने के बावजूद भीड़ के एकत्र होने से पुलिस की चिंता ओर भी बढ़ गई थी।

**रायपुररानी थाना घेराव से पहले पुलिस ने भीम आर्मी कार्यकर्ताओं को लिया हिरासत में**

घेराव की घोषणा के चलते सोमवार को पंचकूला पुलिस ने क्षेत्र में एहतियातन धारा 63 भी लागू कर दी थी। मंगलवार को प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले ही सोमवार रात को भीम आर्मी के 7 कार्यकर्ता रायपुररानी पुलिस थाने के सामने टेंट लगा रहे थे, जिन्हें पुलिस द्वारा हिरासत में ले लिया गया था। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई, वहीं भीम आर्मी ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन बताया। इसके बाद भीम आर्मी और दलित समाज के लोग दोपहर तक भारी संख्या में श्री गुरु रविदास भवन रायपुररानी में पहुँचने लगे, जबकि कई बार भवन परिसर में बैठके भी आयोजित की गई थी। दोपहर 2:47 बजे विशेष बैठक के बाद भीम आर्मी कार्यकर्ताओं ने विचार-विमर्श कर पुलिस प्रशासन के सामने अपनी कुछ प्रमुख मांगे रखी। हालांकि, तैनातपूर्ण माहौल के चलते पुलिस प्रशासन ने भीम आर्मी चीफ और नगीना के सांसद चन्द्रशेखर आज़ाद को रायपुररानी के धरनास्थल पर पहुँचने से पहले ही रोक लिया था और 2 घंटे बाद उन्हें रास्ते से ही वापिस भेज दिया।

**राजपूत समाज ने मौली गाँव में महापंचायत आयोजित कर एससी-एसटी के मामलों को बताया झूठा**

मौली गांव में मंगलवार को सुबह 9 बजे राजपूत समाज की ओर से एक महापंचायत आयोजित की गई, जिसमें भारी संख्या में राजपूत समुदाय के लोग शामिल हुए। महापंचायत में वक्ताओं ने गांव के युवाओं पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम के तहत दर्ज किए गए मामलों का कड़ा विरोध किया। उन्होंने इन मुकदमों को एकतरफा और दुर्भावनापूर्ण बताया। वक्ताओं ने कहा कि गांव मौली के निर्दोष युवाओं को झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है, जिससे समुदाय में रोष व्याप्त है। राजपूत समाज ने आरोप लगाया कि भीम आर्मी क्षेत्र की सामाजिक समरसता को तोड़ने की कोशिश कर रही है और शांति भंग करना चाहती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच हो और सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले भीम आर्मी के शरारती तत्वों को सजा मिले। पंचायत में यह भी ऐलान किया गया कि अगर निर्दोष युवाओं को न्याय नहीं मिला, तो आंदोलन तेज किया जाएगा। सभा के दौरान वक्ताओं ने संयम बरतने की अपील भी की, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि अन्याय किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा। मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा। हालांकि, खबर लिखे जाने तक दोनों पक्षों की तनावपूर्ण स्थिति ज्यू की त्यू रही।

**मौली में ड्यूटी पर तैनात चालक से मारपीट, सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त**

बीती रात रायपुररानी थाना क्षेत्र के गांव मौली में अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए गई डिटेक्टिव स्टाफ टीम के साथ एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। पुलिस प्राथमिकी के अनुसार, डिटेक्टिव स्टाफ के चालक एएसआई लखमीर सिंह सरकारी गाड़ी में टीम के साथ मौली पहुंचे थे। रेड के दौरान उनकी गाड़ी गलती से एक अलग रास्ते पर चली गई, तभी लगभग 15-20 अज्ञात व्यक्तियों ने वाहन को घेर लिया। एक व्यक्ति ने गाड़ी के फ्रंट शीशे पर हाथ से वार कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। विरोध करने पर लखमीर सिंह की सिविल पहचान वाली जैकेट फाड़ दी गई और उनके साथ मारपीट की गई। इस घटना को सरकारी ड्यूटी में बाधा मानते हुए उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

## यूथ स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

**त्याग और न्याय की मूर्ति थे भगवान परशुराम : जोगध्यान**

**लाडवा, 29 अप्रैल ( रामगोपाल ) :** यूथ स्पोर्ट्स एसोसिएशन, लाडवा के सदस्यों द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर एक विशेष

कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संगठन के सदस्यों द्वारा भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण से किया गया। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष जोगध्यान ने कहा कि वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को भगवान परशुराम जी की जयंती मनाई जाती है। जिसे अक्षय तृतीया के नाम से भी जाना जाता है। भगवान परशुराम विष्णु के छठे अवतार थे। इनका पूरा जीवन त्याग तथा न्याय के प्रति समर्पित रहा है। हमे उनके जीवन के आदर्शों को अपने जीवन में अवश्य धारण करना चाहिए। इस अवसर पर संगठन के प्रधान विजय भूषण तनेजा ने कहा कि उनका जीवन तपस्या के लिए हमेशा याद किया जाता रहेगा। वह एक सच्चे कर्मयोगी के साथ भगवान शिव के अनन्य भक्त थे। संगठन के प्रैस प्रवक्ता मुकेश शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम जी के पिता का नाम जमदग्नि तथा माता का नाम रेणुका था। उनके बचपन का नाम राम था तथा भगवान शिव ने उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर उनको फरसा प्रदान किया था तब से वह परशुराम के नाम से जगत में विख्यात हुए। भगवान परशुराम एक वीर तथा कर्मनिष्ठ व्यक्तित्व थे। भगवान परशुराम के जयकारे के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर संगठन के उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, राजवीर फौजी महुआ खेड़ी, लक्ष्मण दास, कैशियर डॉक्टर अमित बंगा, कोच और महासचिव चमन लाल, विक्की नंबरदार, सन्नी , निकुंज अत्री आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

# भगवान परशुराम का व्यक्तित्व सर्वगुण संपन्नकारी : डा. बलराम शर्मा

**निसिंग, 29 अप्रैल ( जोगिन्द्र सिंह ):** गांव कूचपुरा, निसिंग में भगवान परशुराम सेवा समिति द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें डीएवी कॉलेज के राजनीतिक विज्ञान

विभाग के अध्यक्ष डॉ बलराम शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत। कार्यक्रम में पहुंचने पर भगवान परशुराम सेवा समिति, कुचपूरा के सभी पदाधिकारीयों ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ बलराम शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम सर्वगुण संपन्नकारी हैं। उनमें नो कलाएं विद्यमान थी। उन कलाओं से वह सर्व समाज का भला करना चाहते थे। उनकी शिक्षाओं ने समाज में आदर्श स्थापित किया है व उनकी शिक्षाओं का समस्त मानव समाज ने अनुसरण भी किया है। एक गुरु के रूप में उनकी शिक्षाएं आज भी अपने सभी शिष्यों का कल्याण कर रही हैं। उनके विचार आज भी समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। अपने शिष्यों को उनके द्वारा दी गई युद्ध कला युवाओं में आज भी देश के प्रति जोश पैदा करती हैं। उनकी मातृ ,पितृ भक्त आज भी युवाओं को, बच्चों को माता-पिता के प्रति स्नेह, प्यार, आज्ञापालन व समाज के बुजुर्गों का सम्मान करना सिखाती है। भगवान परशुराम सेवा समिति, कुचपूरा के अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम, विष्णु के छठे अवतार थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मानव कल्याण में अर्पित किया। कार्यक्रम के अंत में भगवान परशुराम सेवा समिति, कुचपूरा के सभी पदाधिकारीयों ने मुख्य अतिथि डॉ बलराम शर्मा को स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जगदीप शर्मा, पुनीत शर्मा, प्रदीप राणा, संतोष शर्मा, अभिषेक भार्गव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।